{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरुवार 04 जून 2026
ज्येष्ठ कृष्ण 04 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 250
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	74,267.34
निफ्टी	-	23,382.60
सोना	-	1,56,220
चांदी	-	2,80,000
डॉलर	-	95.20

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

केरल में दो मंजिला कब्रिस्तान

त्रिशूर। केरल के त्रिशूर जिले में जमीन की कमी से निपटने के लिए एक अनोखी पहल की गई है। यहां सेंट अल्फोंसा चर्च ने दो मंजिला कवर्ड कब्रिस्तान का निर्माण कराया है, जो राज्य में अपनी तरह का पहला प्रोजेक्ट माना जा रहा है। एक एकड़ से कम क्षेत्र में बने इस आधुनिक कब्रिस्तान में कुल 388 कब्र कक्ष बनाए गए हैं। भवन पूरी तरह छत से ढका हुआ है, जिससे बारिश और खराब मौसम में भी अंतिम संस्कार की रस्में आसानी से संपन्न हो सकेंगी। चर्च प्रबंधन का कहना है कि बढ़ती आबादी और सीमित भूमि को देखते हुए यह मॉडल भविष्य में अन्य क्षेत्रों के लिए भी उपयोगी साबित हो सकता है।

काशी में बनेगा 130 फीट ऊंचा शिवलिंग

वाराणसी। उत्तरप्रदेश के काशी में जल्द ही एक भव्य और अनोखी परियोजना आकार लेने जा रही है। वाराणसी नगर निगम कमच्छा स्थित ब्रिटिश कालीन जलकल परिसर की करीब 20 एकड़ भूमि पर विश्वस्तरीय शहरी पार्क विकसित करने की तैयारी में है। परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को मंजूरी मिल चुकी है और इसका थ्री-डी वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पार्क की भव्यता और प्रस्तावित 130 फीट ऊंचे शिवलिंग की आकर्षक झलक दिखाई गई है। पार्क की सबसे बड़ी विशेषता इसके केंद्र में स्थापित किया जाने वाला 130 फीट ऊंचा शिवलिंग होगा। जानकारों के अनुसार, निर्माण पूरा होने के बाद यह दुनिया का सबसे ऊंचा शिवलिंग बन सकता है। वर्तमान में बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में स्थित विराट रामायण मंदिर का 33 फीट ऊंचा अखंड शिवलिंग सबसे ऊंचे शिवलिंगों में गिना जाता है।

शिरडी साईं बाबा को भक्त ने अर्पित किया 15 लाख रुपये का डायमंड ब्रोच

मुंबई। महाराष्ट्र के शिरडी स्थित साईं बाबा मंदिर से श्रद्धा और समर्पण की खास मिसाल सामने आई है। दिल्ली के एक साईं भक्त ने बाबा के चरणों में करीब 15 लाख रुपये मूल्य का हीरों और बहुमूल्य रत्नों से जड़ा स्वर्ण ब्रोच भेंट किया है। इस अनमोल भेंट की चर्चा अब सोशल मीडिया पर भी तेजी से हो रही है। जानकारी के अनुसार, यह ब्रोच साधारण आभूषण नहीं है। इसे लगभग 80 ग्राम सोने से तैयार किया गया है और इसमें असली हीरे तथा कई कीमती रत्न जड़े गए हैं। मोरपंख के आकार में डिजाइन किए गए इस ब्रोच की अनुमानित कीमत करीब 15 लाख रुपये बताई जा रही है। साईं बाबा के प्रति अपनी गहरी आस्था व्यक्त कर भक्त ने यह बेशकीमती भेंट शिरडी साईं संस्थान को सौंप दी। खास बात यह है कि दान देने वाले श्रद्धालु ने अपनी पहचान सार्वजनिक नहीं की है।

दिल्ली के मालवीय नगर होटल में अग्निकांड!

अब 21 की मौत; 47 लोगों का किया रेस्क्यू

नई दिल्ली। राजधानी के दक्षिणी दिल्ली के हौजरानी इलाके में स्थित फ्लोरिस्ट इन होटल में बुधवार सुबह भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग की चपेट में आने से कम से कम 21 लोगों की मौत होने की पुष्टि हुई है। सुबह 8.50 बजे सूचना मिलते ही दमकल विभाग, पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। अब तक 47 से अधिक लोगों को बचाया जा चुका है, जिनका अस्पताल में इलाज जारी है। आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है, जबकि पूरे इलाके में एहतियात के तौर पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

पीएम और सीएम - एलजी ने जताया शोक

दिल्ली के मालवीय नगर में स्थित हौज रानी में बने होटल में लगी आग मामले में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मरने वाले के प्रति शोक जताया है। दिल्ली के स्र तरनजीत सिंह संधू ने कहा कि मालवीय नगर के हौज रानी स्थित एक होटल में लगी भीषण आग की घटना से मैं बेहद दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं मृतकों के परिवारों के साथ हैं और मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना में सभी के साथ शामिल हूं।

- विधायक सतीश उपाध्याय पहुंच घटना स्थल पर

मालवीय नगर विधायक सतीश उपाध्याय ने कहा कि सुबह 8.51 की यह घटना है। सूचना मिलते ही हमने पूरे सिस्टम को सक्रिय किया था। सभी लोग यहां समय पर आ गए थे। हमारे स्थानीय नागरिकों ने भी रेस्क्यू ऑपरेशन में भूमिका निभाई। कुल 47 लोगों का आंकड़ा सामने आया है जो इस होटल में रह रहे थे। कुछ लोगों को हमने छत से भी नीचे उतारा और 21 लोगों की मौत हुई है।

- होटल में मौजूद थे ज्यादातर विदेशी

आसपास में रहने वाले लोगों ने जानकारी देते हुए कहा कि 5 मंजिला इस होटल में 25 कमरे बने हुए थे, जिसमें 40 लोग रुके हुए थे। इसमें ज्यादातर विदेशी लोग शामिल थे जो बाहर से इलाज कराने के लिए आए थे। जब होटल में आग लगी थी तब ज्यादातर लोग सोए हुए हुए थे। मरने वाले सभी लोग विदेशी बताए जा रहे हैं। हौजरानी की तंग गलियों में बने इस होटल के बेसमेंट में रेस्टोरेंट बना हुआ था।

- रेस्टोरेंट के शेफ ने बताया- कितनी भयानक थी आग

होटल के रेस्टोरेंट में काम करने वाले शेफ केसर सिंह ने पुलिस को बताया कि सुबह का वक्त था करीब 8 बजे जैसे ही उसने इलेक्ट्रिक चूल्हे को जलाने की कोशिश की तो आग एक दम भड़क गई। आग पहले से होटल में लगी थी मैंने तुरंत अपने असिस्टेंट को बोला कि होटल में आग लगी है। मैं बाहर आया तो देखा कि होटल जल रहा था। मैं किसी तरह वहां से बचकर निकला। खुद केसर नेगी बताते हैं कि इस हादसे में कई लोगों की मौत हो सकती है।

- दिल्ली पुलिस को सुबह 8ः50 बजे हमें कॉल मिली

दिल्ली पुलिस ने कहा कि मालवीय नगर के एक रेस्टोरेंट में आग लगने की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है, तो वहीं अग्निशमन अधिकारी एके मलिक ने जानकारी देते हुए कहा कि सुबह 8ः50 बजे हमें कॉल मिली थी। शुरुआत में 7 दमकल की गाड़ियों को भेजा गया, उसके बाद और गाड़ियों को भेजा गया...37 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। इमारत को पूरा सर्च कर लिया गया है... इस बीच मालवीय नगर में आग लगने की जगह पर फोरेंसिक विशेषज्ञों की एक टीम जांच के लिए पहुंची हैं।

- अमित शाह ने व्यक्त किया शोक

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मालवीय नगर अग्निकांड में हुई जनहानि पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन राहत और बचाव कार्यों में जुटा हुआ है। इस हृदयविदारक त्रासदी में जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर शोक संतप्त परिवारों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

- महिला गोद में बच्चे को लेकर तीसरी मंजिल से कूदी

जैसे-जैसे घना धुआं पूरी इमारत में फैलने लगा और आग तेजी से फैलती गई, कई लोग खिड़कियों के शीशे तोड़कर मदद के लिए गुहार लगाते दिखाई दिए। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि एक महिला अपनी गोद में छोटे बच्चे को लेकर तीसरी मंजिल से कूद गई। उससे पहले स्थानीय लोगों ने इमारत में फंसे लोगों को बचाने के लिए नीचे जमीन पर गद्दे बिछा दिए थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला बच्चे के साथ एक गद्दे पर गिरी और उसे कुछ चोटें आई होंगी। इसके तुरंत बाद उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।

- लोगों ने इमारत के नीचे गद्दे बिछा

उन्होंने बताया कि महिला बच्चे को कसकर पकड़े हुए थी और जब बाहर निकलने का कोई दूसरा रास्ता नहीं बचा, तब उसने छलांग लगा दी। लोगों ने पहले ही इमारत के नीचे गद्दे बिछा दिए थे। मां और बच्चा दोनों बच गए, लेकिन ऐसा लगा रहा था कि महिला को चोटें आई हैं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि आपातकालीन सेवाओं के पहुंचने से पहले ही इलाके के लोग बचाव कार्य में जुट गए थे।

संविधान की प्रति हाथ में लेकर शिवकुमार ने कर्नाटक सीएम पद की ली शपथ

-जी. परमेश्वर बने उपमुख्यमंत्री, 13 मंत्रियों ने भी संभाली जिम्मेदारी

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत करते हुए डीके शिवकुमार ने बुधवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान उन्होंने हाथ में संविधान की प्रति लेकर पद और गोपनीयता की शपथ ली। उनके साथ 13 अन्य विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ग्रहण की। इस अवसर पर कांग्रेस नेतृत्व ने इसे राज्य के विकास और सुशासन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

शपथ ग्रहण समारोह में जी परमेश्वर ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इससे पहले राज्य में एक से अधिक उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की चर्चाएं चल रही थीं, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व ने फिलहाल परमेश्वर को ही यह जिम्मेदारी सौंपी है।

नई मंत्रिपरिषद में कई वरिष्ठ और अनुभवी नेताओं को शामिल किया गया है। मंत्री पद की

शपथ लेने वालों में के.एच. मुनियप्पा, के.जे. जॉर्ज, एम.बी. पाटिल, रामलिंगा रेड्डी, सतीश जारकीहोली, कृष्णा बायरेगौड़ा, प्रियंक खड़गे, यू.टी. खादर, ईश्वर खंड्रे, यतींद्र सिद्धारमैया, यरथी सुरेश और शरण प्रकाश पाटिल सहित अन्य शामिल हैं। नई सरकार में पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के पुत्र यतींद्र सिद्धारमैया और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पुत्र प्रियंक खड़गे को भी मंत्री बनाया गया है। इसे कांग्रेस नेतृत्व और संगठन के बीच संतुलन बनाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

सोनिया गांधी ने शिवकुमार को दी बधाई

शपथ ग्रहण से पहले कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने फोन पर डीके शिवकुमार को बधाई दी। पार्टी नेताओं ने भी उनके नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि संगठन को मजबूत बनाने और राज्य में कांग्रेस को सत्ता तक पहुंचाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। समारोह में शामिल होने पहुंचे मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यख जीतू पटवारी ने कहा कि डीके शिवकुमार ने संगठन और सरकार के बीच समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया है।

ममता की टीएमसी टूटी, 58 विधायकों ने बनाया अलग गुट

ऋतब्रत बनर्जी को चुना गया विधायक दल का नेता, स्पीकर ने दी स्वीकृति

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में ममता की टीएमसी में फूट पड़ गई है। सोमवार को पार्टी से निकाले गए विधायक ऋतब्रत बनर्जी को पार्टी के 58 बागी एमएलए ने विधायक दल का नेता घोषित किया। बुधवार को विधानसभा अध्यक्ष रथींद्र बोस से मिलकर समर्थन पत्र भी सौंपा। जावेद खान, संदीपन साहा और सिउली साहा को उपनेता बनाया गया है। वहीं अखरुज्जमान को चीफ व्हिप बनाया गया है। हालांकि बागी गुट ने अपने पत्र में ममता बनर्जी को अब भी पार्टी अध्यक्ष बताया है। लेकिन अभिषेक बनर्जी का नेतृत्व और विधायक दल से जुड़े फैसलों को मानने से इनकार किया है। उधर, स्पीकर रथिंद्र बसु ने टीएमसी के बागी गुट के नेता ऋतब्रत बनर्जी को टीएमसी विधायक दल का नेता मान लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विधानसभा स्पीकर ने ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में विपक्ष के नेता के कमरे की चाबी सौंप दी है।

सोमवार को अभिषेक बनर्जी के लेटर हेड पर स्पीकर को भेजे गए पत्र में शोभनदेव को नेता विपक्ष बनाने का प्रस्ताव भेजा था। विधायक संदीपन साहा और ऋतब्रत बनर्जी ने शिकायत की थी कि इस प्रस्ताव पर उनके हस्ताक्षर फर्जी हैं। शिकायत के बाद ममता ने दोनों विधायकों को पार्टी से निष्कासित कर दिया था।

टीएमसी के सभी कमेटियां, फंटल आर्गनाइजेशन भंग

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद ममता बनर्जी ने बड़ा एक्शन लेते हुए तृणमूल कांग्रेस की सभी कमेटियों, पार्टी से जुड़े संगठनों को तत्काल प्रभाव से विलय कर दिया है। टीएमसी ने कहा है कि सभी कमेटियों और फंटल ऑर्गनाइजेशन का पुनर्गठन किया जाएगा। टीएमसी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा है कि गहन विचार-विमर्श के बाद, यह निर्णय लिया गया है कि पश्चिम बंगाल में अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की सभी समितियां, साथ ही इसके सभी अनुषांगिक संगठन, तत्काल प्रभाव से भंग माने जाएंगे।

बैंक-कर्जदार के बीच लोन समझौते के बाद आपराधिक मुकदमा नहीं चला सकते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले में अहम फैसला सुनाते हुए कहा है कि यदि किसी बैंक और कर्जदार के बीच लोन खाते को लेकर समझौता हुआ है, तो उसके बाद उसी मामले में आपराधिक कार्यवाही जारी रखना सही नहीं है। कोर्ट ने चेतावनी दी कि ऐसे मामलों में मुकदमे जारी रहने से देश की अर्थव्यवस्था पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। जस्टिस नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि बैंकिंग लेनदेन से जुड़े विवाद मुख्य रूप से व्यावसायिक और दीवानी प्रकृति के होते हैं। जब दोनों पक्ष आपसी सहमति से विवाद का निपटारा कर लेते हैं, तब आपराधिक मुकदमा जारी रखना कर्जदार के लिए उत्पीड़नकारी होगा और यह न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग भी माना जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक मामले में एक कारोबारी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उसने बताया कि उसने बैंक के साथ डेट्स रिकवरी ट्रिब्यूनल के समक्ष समझौता कर लिया था और 6.49 करोड़ रुपए की बकाया राशि के बदले 4.25 करोड़ रुपए का भुगतान कर दिया था। इसके बावजूद बैंक ने दो साल बाद धोखाधड़ी और जालसाजी का मामला दर्ज कराया, जिसकी जांच सीबीआई ने की और चार्जशीट दाखिल की।

कोयला घोटाला मामला : कोर्ट ने नवीन जिंदल, पीसी पारेख के खिलाफ किया समन जारी

अब कोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 17 जुलाई को करेगी

नई दिल्ली,। दिल्ली की एक विशेष कोर्ट ने सोमवार को उद्योगपति नवीन जिंदल, पूर्व कोयला सचिव पी सी पारेख और अन्य आरोपियों के खिलाफ दायर आरोप-पत्र पर संज्ञान लेते हुए उन्हें समन जारी किया है। कोर्ट ने आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी से जुड़ी धाराओं और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आरोपों पर सुनवाई शुरू करने का फैसला किया है। स्पेशल जज सुनेना शर्मा ने नवीन जिंदल, जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड, पी सी पारेख, राकेश कुमार जिंदल, राम किशोर, एस के अग्रवाल और जिंदल स्ट्रिप्स लिमिटेड को 17 जुलाई को कोर्ट में मौजूद रहने का निर्देश दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि यह कोयला ब्लॉक आवंटन मामलों से जुड़ी सबसे विस्तृत और भारी-भरकम आरोप-पत्रों में से एक है। मामले

की जांच सीबीआई ने की है, जिसने आरोप लगाया है कि कोयला ब्लॉक आवंटन और खनन पट्टे से जुड़े नियमों का उल्लंघन किया गया है। सीबीआई के मुताबिक 1996 में छत्तीसगढ़ के गारे पाल्मा 4/1 कोयला ब्लॉक का आवंटन जिंदल स्ट्रिप्स लिमिटेड को 0.6 मिलियन टन प्रतिवर्ष क्षमता वाले स्पंज आयरन प्लांट के लिए किया गया था। एजेंसी का आरोप है कि ब्लॉक में कोयले का भंडार निर्धारित जरुरत से काफी ज्यादा था, जिसके बावजूद आवंटन किया गया।

जांच एजेंसी ने आरोप लगाया कि खनन पट्टे के लिए केंद्र सरकार की ओर से 705 हेक्टेयर क्षेत्र को मंजूरी दी गई थी, लेकिन पट्टा मंजूरी सीमा से ज्यादा क्षेत्र में निष्पादित किया गया। बाद में 2005 में स्क्रीनिंग समिति ने कथित अनियमितता को नियमित करते हुए स्वीकृत क्षेत्र से अतिरिक्त भूमि शामिल करने का प्रस्ताव भी दिया। मामले के दस्तावेजों के मुताबिक मार्च 2004 में जेएसपीएल ने कोयला ब्लॉक से उत्पादन क्षमता 2 मिलियन टन प्रतिवर्ष से बढ़ाकर 6 मिलियन टन प्रतिवर्ष करने की अनुमति मांगी थी। इस दौरान कोयला मंत्रालय ने पट्टे की सीमाओं और अतिरिक्त उत्पादन से जुड़ी विसंगतियां पाई थीं और कंपनी से इस संबंध में स्पष्टीकरण मांगा था। अब कोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 17 जुलाई को होगी।

10 साल बाद पलटा चुनावी नतीजा, मद्रास हाई कोर्ट ने एम. अप्पावु को घोषित किया 2016 का विजेता

चेन्नई । तमिलनाडु की राजनीति से जुड़ा एक दशक पुराना चुनावी विवाद आखिरकार न्यायिक फैसले के साथ समाप्त हो गया। मद्रास हाई कोर्ट ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एम. अप्पावु को वर्ष 2016 के राधापुरम विधानसभा चुनाव का वैध विजेता घोषित कर दिया है। अदालत ने अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एआईएडीएमके) उम्मीदवार आई. एस. इनबादुरै की जीत को अवैध करार दिया। न्यायमूर्ति जी. जयचंद्रन की एकल पीठ ने अपने फैसले में कहा कि वर्ष 2016 से 2021 तक के विधानसभा कार्यकाल के लिए एम. अप्पावु ही राधापुरम के वास्तविक विधायक थे। अदालत ने राज्य के मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि सरकारी अभिलेखों में एम. अप्पावु का नाम विधायक के रूप में दर्ज किया जाए और उन्हें उस अवधि से जुड़े सभी वेतन, भत्ते एवं अन्य वित्तीय लाभ प्रदान किए जाएं। यह विवाद वर्ष 2016 के विधानसभा चुनाव के दौरान शुरू हुआ था, जब तिरुनेलवेली जिले की राधापुरम सीट पर आई. एस. इनबादुरै को मात्र 49 वोटों के अंतर से विजेता घोषित किया गया था। इसके बाद एम. अप्पावु ने पोस्टल बैलेट और मतगणना के अंतिम चरणों में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए अदालत का रुख किया।

कुछ ना कहना

इधर व्यापार वार्ता, उधर अमेरिका ने दिया अतिरिक्त टैरिफ का प्रस्ताव

नई दिल्ली,। भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर बातचीत जारी है। दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी नई दिल्ली में बैठकर व्यापारिक रिश्तों को और मजबूत बनाने के रास्ते तलाश रहे हैं। लेकिन इसी दौरान अमेरिका की ओर से उठाया गया एक कदम कई सवाल खड़े कर रहा है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने भारत को उन देशों की सूची में शामिल किया है, जिनके खिलाफ उसने कथित अनुचित व्यापारिक प्रथाओं और जबरन श्रम से जुड़े उत्पादों के आयात को लेकर चिंता जताई है। इतना ही नहीं, अमेरिका ने ऐसे देशों से आने वाले सामान पर 10 फीसदी से 12.5 फीसदी तक अतिरिक्त टैरिफ लगाने का प्रस्ताव भी सामने रख दिया है।

इस प्रस्ताव की टाइमिंग ने इस पूरे घटनाक्रम को और महत्वपूर्ण बना दिया है। एक तरफ दोनों देश ट्रेड डील को अंतिम रूप देने की दिशा में बातचीत कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ अमेरिका का यह कदम भारत के निर्यातकों के लिए नई चिंता लेकर आया है। यही वजह है कि इस कदम को व्यापारिक मोर्चे पर एक बड़े झटके की तरह देखा जा रहा है। यूएसटीआर ने सेक्शन 301 के तहत की गई 60 जांचों के नतीजे जारी किए हैं। इन जांचों में भारत समेत 54 अर्थव्यवस्थाओं को ऐसे देशों की श्रेणी में रखा गया है, जो अमेरिकी आकलन के मुताबिक जबरन श्रम से बने उत्पादों के आयात को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहे हैं। अमेरिका का तर्क है कि ऐसे उत्पाद वैश्विक बाजार में असमान प्रतिस्पर्धा पैदा करते हैं और अमेरिकी कंपनियों तथा श्रमिकों को नुकसान पहुंचाते हैं। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि अगर व्यापारिक साझेदार इस मुद्दे पर पर्याप्त कार्रवाई नहीं करते हैं तो उसे अपने घरेलू उद्योगों की सुरक्षा के लिए कदम उठाने पड़ेंगे। हालांकि भारत के लिए चिंता की बात यह है कि यह पूरा मामला ऐसे समय सामने आया है जब दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को लेकर बातचीत अपने अहम दौर में पहुंच चुकी है। ऐसे में अतिरिक्त टैरिफ का प्रस्ताव भारतीय निर्यातकों के लिए दबाव बढ़ाने वाला कदम माना जा रहा है। अमेरिका ने संकेत दिया है कि मानक पूरे न करने वाले देशों पर ज्यादा टैरिफ लगाया जा सकता है।

इस सूची में भारत अकेला नहीं है। अमेरिका ने चीन, इजरायल, जापान, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, ओमान, जॉर्डन, बांग्लादेश, मलेशिया, थाईलैंड, ताइवान और वियतनाम जैसे कई प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के नाम भी शामिल किए हैं। पूरे विवाद की जड़ सेक्शन 301 है, जो अमेरिकी हितों के खिलाफ पाए जाने पर जवाबी कार्रवाई का अधिकार देता है। फिलहाल यह केवल एक प्रस्ताव है और अंतिम फैसला अभी नहीं हुआ है।

टिक-टॉक के संस्थापक झांग बने एशिया के दूसरे नंबर के अमीर इंसान

नई दिल्ली। टिक-टॉक की पैरेंट कंपनी बाइटडांस के सह-संस्थापक झांग यीमिंग ने संपत्ति के मामले में बड़ी कामयाबी हासिल की है। कंपनी के बढ़ते मूल्यांकन और एआई क्षेत्र में मजबूत प्रगति के दम पर उन्होंने भारत के उद्योगपति मुकेश अंबानी को पीछे छोड़ एशिया के दूसरे सबसे अमीर इंसान बन गए हैं। झांग यीमिंग की कुल संपत्ति बढ़कर 92.8 अरब डॉलर हो गई है। इसके साथ ही वह चीन के सबसे अमीर इंसान के रूप में भी अपनी स्थिति मजबूत करने में सफल रहे हैं। वर्ष 2019 में जब ब्लूमबर्ग ने उनकी संपत्ति का आकलन किया था, तब उनकी कुल दौलत करीब 13 अरब डॉलर थी। पिछले सात सालों में उनकी संपत्ति में सात गुना से ज्यादा इजाफा हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि बाइटडांस की तेजी से बढ़ती लोकप्रियता और उसके डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की सफलता ने झांग की संपत्ति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। कंपनी का शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म टिक-टॉक दुनियाभर में लोकप्रिय है। वहीं, बाइटडांस का एआई चैटबॉट डुओबओ भी चीन में तेजी से लोगों के बीच जगह बना रहा है। यह प्लेटफॉर्म 30 करोड़ से ज्यादा मासिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं के साथ देश का सबसे लोकप्रिय एआई चैटबॉट बन गया है। रिपोर्ट के मुताबिक इस साल की शुरुआत में बाइटडांस ने अपने अमेरिकी कारोबार के कुछ हिस्सों को अमेरिकी निवेशकों को हस्तांतरित किया था।

शराब पीने गए व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या, विवाद का कारण अज्ञात

बैहर थाना के वार्ड नंबर 5 कंपाउंडर टोला का मामला, आरोपी फरार, फरार आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस,एफएसएल टीम कर रही मामले की जांच

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बैहर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले वार्ड नंबर 5 कम्पाउण्डर टोला में बीती शाम उस वक्त सनसनी मच गई।जब शराब पीने गए एक व्यक्ति के साथ किसी बात को लेकर हुए विवाद में चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी गई। यह घटना बीती शाम तकरीबन 6 बजे की बताई जा रही है। मृतक की पहचान लखन पिता राजाराम धुर्वे उम्र 35 वर्ष निवासी बैहर के रूप मे हुई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार कम्पाउण्डर टोला निवासी अमरसिंह पिता मानसिंह कनई राजपूत घर मे शराब बेचने का काम करता है।जहा लखन धुर्वे अकसर शराब पीने जाता था,बताया जा रहा है कि रोजाना की तरह लखन धुर्वे बीती शाम को भी शराब पीने के लिए उनके घर गया था।जहा किसी बात को लेकर लखन और अमरसिंह राजपूत के बीच विवाद हो गया।तू-तू ,मैं-मैं से शुरू हुआ यह विवाद गाली गलौज से ब ?कर जल्द ही हाथापाई में बदल गया।और दोनो के बीच मारपीट शुरू हो गई।आरोप है कि इस मामूली विवाद पर अमरसिंह राजपूत ने लखन पर चाकू से गर्दन और पेट मे 5 से 6 वार कर दिया।जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना के तुरन्त बाद स्थानीय लोगो की मदद से उसे उपचार के लिए सिविल अस्पताल बैहर ले जाया गया।जिसने उपचार के कुछ देर बाद ही दम तोड़ दिया। उधर रात्रि अधिक हो जाने के चलते शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका था।हालाकि इस घटना के बाद से ही आरोपी फरार बताया गया हैं।जिसकी तलाश पुलिस द्वारा शुरू कर दी गई है।

आरोपी मौके से हुआ फरार

उधर इस घटना की सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और घायल लखन को ऑटो से बैहर अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।इस हमले का आरोप शराब बेचने वाली महिला के पति अमर सिंह पर लग रहा है।जो हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद से फरार बताया जा रहा है।उधर पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

फरार आरोपी की तलाश जारी है-कैलाश पटेल

इस पूरे मामले को लेकर दुरभाष पर की गई चर्चा के दौरान थाना बैहर उपनिरीक्षक कैलाश पटेल ने बताया कि लखन धुर्वे वार्ड नंबर पांच कंपाउंडर टोला में अमरसिंह पिता मानसिंह कनई राजपूत के घर शराब पीने गया था। दोनों साथ में शराब पी रहे थे तभी किसी बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि युवक पर चाकू से वार कर दिए जाने से उसकी मौत हो गई। बालाघाट से एफएसएल टीम को बुलाकर जांच की जा रही है।घटना के बाद से आरोपी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। जल्द ही फरार आरोपी को हिरासत में लिया जाएगा।

अवैध रूप से धान बीज विक्रय करने वालों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के निर्देश

बिना लायसेंस के सानू पटले और पलक बिसेन द्वारा गांव में घूम-घूम कर बेचा जा रहा था धान बीज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विकासखंड बैहर के विभिन्न ग्रामों में बिना वैध अनुज्ञप्ति के धान बीजों का अवैध विक्रय किए जाने के मामले में कृषि विभाग ने सख्त कार्रवाई करते हुए संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के लिए थाना बैहर को पत्र प्रेषित किया है।

कृषि विभाग को शिकायत प्राप्त हुई थी कि दिनांक 31 मई 2026 को ग्राम गोहारा तथा 01 जून 2026 को ग्राम भंडेरी के काशीटोला एवं ग्राम

पोला-पटपरी में श्री कृषक साथी एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड, बैहर के प्रोपराइटर श्री सानू पटले एवं उनके प्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न कंपनियों के धान बीज वाहन क्रमांक MP50ZG6496 के माध्यम से गांव-गांव जाकर किसानों को बेचे जा रहे हैं। शिकायत के आधार पर कृषि विभाग बैहर के अनुविभागीय कृषि अधिकारी (एसडीओ) एस.आर. धुर्वे द्वारा 02 जून को ग्राम काशीटोला एवं पोला-पटपरी तथा 03 जून को ग्राम गोहारा पहुंचकर किसानों के घरों में वितरित बीजों का सत्यापन कराया गया। जांच के दौरान पंचनामा तैयार कर तथ्यों का संकलन किया गया।

प्राथमिक जांच में पाया गया कि संबंधित व्यक्तियों द्वारा विभिन्न कंपनियों के धान बीज, जिनमें केशव खनक सीड्स प्राइवेट लिमिटेड (गोंदिया, महाराष्ट्र), जयकुंड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड (वडोदरा, गुजरात), जीनोमिक्स एग्री जेनेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड (सिकंदराबाद, तेलंगाना) तथा सुमनजली सीड्स एंड फार्मर्स (हनमकोंडा, तेलंगाना) के बीज शामिल हैं, बिना वैध बीज अनुज्ञप्ति के क्षेत्र में विक्रय किए जा रहे थे।

जांच प्रतिवेदन के अनुसार वाहन क्रमांक MP50ZG6496 के माध्यम से आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों के किसानों को अवैधानिक रूप से बीज बेचे जाने की पुष्टि हुई है। कृषि विभाग का कहना है कि इस प्रकार की गतिविधियां किसानों के साथ धोखाधड़ी की श्रेणी में आती हैं तथा इससे भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3 एवं 7, बीज अधिनियम 1966 तथा बीज (नियंत्रण) आदेश 1983 की धारा 3 का उल्लंघन होता है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीओ कृषि श्री एस.आर. धुर्वे ने श्री सानू पटले निवासी भीकेवाड़ा, तहसील परसवाड़ा, श्री पलक बिसेन निवासी भंडेरी, तहसील बैहर तथा वाहन मालिक श्री कुंजेलाल/नुरेलाल हिरवाने निवासी भोरवाही लिंगा, विकासखंड परसवाड़ा के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई एवं एफआईआर दर्ज करने के लिए थाना प्रभारी बैहर को पत्र भेजा है। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे केवल अधिकृत विक्रेताओं से ही प्रमाणित बीज खरीदें तथा किसी भी संदिग्ध विक्रय गतिविधि की सूचना तत्काल कृषि विभाग को दें।

आवश्यकता है
10वीं/12वीं या पदवीधर/आई.टी.आई . की यश एलईडी टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड कम्पनी नागपुर में इंटरव्यू के लिये।
-संपर्क करें-
शिव प्रसाद परिहार
9823234770
9823020378

बिठली कैंप में पदस्थ सीआरपीएफ हेड कांस्टेबल को जहरीले सर्प ने डसा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बीती रात सीआरपीएफ कैंप बिठली में उस वक्त ह ?कंप मच गया।जब खाने खाने के बाद कैंप में लगे वाटर कूलर से पानी लेने गए सीआरपीएफ हेड कांस्टेबल को एक जहरीले साँप ने डस लिया।बताया गया कि डांडेकर सांप कैंप में लगे वॉटर कूलर के पास छिपकर बैठा था,जिसके डसने से हैड कांस्टेबल अस्वस्थ हो गया।उधर घटना की जानकारी मिलते ही कैंप में हड़कंप मच गया।जिसके बाद जवानों ने साँप को ढूढ़कर उसे मार दिया।और हेड कांस्टेबल के साथ साथ साँप को भी लेकर जवान जिला अस्पताल पहुचे।सर्पदंश से अस्वस्थ हुए हेड कांस्टेबल को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।जहां उसका उपचार जारी है।उधर चिकित्सको द्वारा उपचार के लिए 48 घंटे महत्वपूर्ण, बताए गए है।

वरिष्ठ अधिकारियों सहित पुलिस अमला पहुँचा अस्पताल

प्राप्त जानकारी के अनुसार सर्प प्रजाति के जहरीले सर्प में डांडेकर सांप, सबसे ज्यादा जहरीला माना जाता है।बताया गया कि सीआरपीएफ बिठली कैंप में पदस्थ हेड कांस्टेबल पूनमचंद्र धनकरे मंगलवार की रात भोजन करने के बाद वॉटर कूलर से पानी लेने के गए थे, जहा पहले से छिपकर बैठे डांडेकर सांप ने उनके दांय पैर में काट लिया।सर्प काटने के तत्काल बाद, हेड कांस्टेबल ने साथियों को घटना की जानकारी दी। जिन्हें सीआरपीएफ जवान सर्पदंश से ईलाज के लिए जिला अस्पताल आए।उधर मामले की सूचना के बाद सीएसपी सहित सीआरपीएफ और पुलिस का अमला, अस्पताल पहुंचा। जहां हेड कांस्टेबल के पहुंचते ही उसका ईलाज शुरू किया गया। हालांकि चिकित्सको द्वारा उनकी हालत स्थिर बताई गई है।

मरीज के लिए 48 घंटे बहुत महत्वपूर्ण है- राणा

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान जिला अस्पताल के मेडिकल ऑफिसर डॉ. अंकित राणा ने बताया कि एंटी स्नेक वेक्सीन के साथ ही आवश्यक दवाएं, मरीज को दी गई और उनके स्वास्थ्य पर निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि सर्प प्रजाति में नाग से ज्यादा जहर, डांडेकर प्रजाति के सर्प में पाया जाता है। जिसके दंश से प्रभावित मरीज के लिए घटना के बाद 48 महत्वपूर्ण होते है। चूंकि सर्प में न्यूरोटॉक्सिक वेनम होता है, जिससे इसके जहर से शरीर लकवाग्रस्त और सांस लेने में दिक्कत होती है। हालांकि मरीज की हालत अभी स्थिर है और उनके स्वास्थ्य पर निगरानी रखी जा रही है।

एक्शन मोड़ में दिखे सीईओ, कम वसूली पर लगाई फटकार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में कालातीत एवं अकालातीत ऋणों की वसूली का कार्य प्रारंभ है। जिसको लेकर 03 जून को जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक सीईओ अभिनव सिंह बघेल ने डोंगरमाली शाखा अंतर्गत समिति लड़सड़ा का औचक निरीक्षण कर डिमांड के अनुरूप वसूली की समीक्षा की। इस दौरान समिति में कार्यरत कर्मचारियो की उपस्थिति पंजी में हस्ताक्षर नही पाये जाने पर समिति के दो कर्मचारियों को अवैतनिक किये जाने के निर्देश दिए गए। इस दौरान पीओएस मशीन से खाद वितरण का मिलान किया गया तथा खाद स्टॉक को चैक किया गया। जहां खाद का स्टॉक सही पाया गया। इसके अलावा श्री बघेल ने सदस्यता अभियान की समीक्षा करते हुए नये सदस्यों को नियमानुसार लाभ प्रदाय किये जाने के निर्देश दिए गए तथा शाखा डोंगरमाली पहुंचकर उन्होंने अन्य समितियों के वसूली की गहन समीक्षा की।इस समीक्षा में पाया गया कि पैक्स समिति नवेगांव, आरंभा, भेण्डारा, दीनी, बेनी, लड़सड़ा, मेण्डकी की वसूली गत वर्ष की अपेक्षा कम है,जिसपर अपनी नाराजगी जताते हुए उन्होंने वसूली को लेकर स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए गए तथा उपस्थित कर्मचारियों को कम वसूली को लेकर फटकार भी लगाई।वही समिति डोंगरमाली की वसूली लक्ष्य के अनुरूप किये जाने पर समिति कर्मचारियों के कार्यों की प्रशंसा की गई,साथ ही उन्हे निर्देश दिए गए कि वसूली कार्य में और गति लाये। इसी तारतम्य में श्री बघेल सीईओ ने शाखा खैरलांजी और रामपायली पहुंचकर सदस्यता अभियान, कालातीत और अकालातीत, पशुपालन केसीसी, मत्स्य पालन केसीसी और मध्यमकालीन ऋण, ईआरपी, सीबीएस आदि बैंकिंग कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होने कहा कि वर्तमान में वसूली का सीजन प्रारंभ है ऐसे में तय समय सीमा में समिति के कर्मचारी प्रतिदिन वसूली कार्य में तत्परता लाये ताकि प्रदाय लक्ष्य अनुसार वसूली की जा सके।उन्होंने समितियों के साफ-सफाई को लेकर निर्देश दिए और उपस्थित किसानों से भी चर्चा की गई। निरीक्षण के दौरान शाखा प्रबंधक आई.आर. भगत रामपायली, मुकेश ठाकरे खैरलांजी, जयकुमार नंदनवार डोंगरमाली,एस.डी. अंकर, विनोद बिसेन सहित समिति के कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजपा झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ कार्यकर्ता संवाद बैठक संपन्न

संगठन विस्तार एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार पर हुआ मंथन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारतीय जनता पार्टी झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ की जिला कार्यकर्ता संवाद बैठक बुधवार 3 जून को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिला भाजपा कार्यालय बालाघाट में आयोजित की गई। बैठक में संगठन विस्तार,बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने तथा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर किया गया।इसके पश्चात अतिथियों ने कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और बूथ स्तर पर पार्टी को और अधिक सशक्त बनाने का संदेश दिया।बैठक के दौरान संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने, सरकार की योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई। अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन की मजबूती और जनसेवा के कार्यों को और अधिक गति देने का संकल्प लिया।बैठक में मुख्य अतिथि भाजपा झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अजय कुमार सुखदेवे, भाजपा जिला महामंत्री संजय मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र मोहरे, भाजपा नेता डॉ. वेद प्रकाश लिल्हारे सहित जिला एवं मंडल स्तर के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संगठन विस्तार, जनसंपर्क और सेवा कार्यों को दे प्राथमिकता-संजय मिश्रा

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिला महामंत्री संजय मिश्रा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के सिद्धांतों पर कार्य कर रही है। पार्टी का उद्देश्य समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर सक्रिय रहकर संगठन विस्तार, जनसंपर्क और सेवा कार्यों को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मजबूत संगठन ही भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति है और कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही पार्टी लगातार नए आयाम स्थापित कर रही है।

बूथ स्तर से संगठन को करे मजबूत- सुखदेवे

भाजपा झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अजय कुमार सुखदेवे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा अनेक जनहितैषी एवं कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का लाभ गरीब, किसान, महिला, युवा एवं जरूरतमंद वर्ग तक प्रभावी रूप से पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों और सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संगठन का मजबूत होना अत्यंत आवश्यक है। श्री सुखदेवे ने कहा कि भाजपा का वास्तविक आधार उसके बूथ कार्यकर्ता हैं, जो जमीनी स्तर पर जनता के बीच रहकर संगठन और सरकार के बीच सेतु का कार्य करते हैं। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत एवं सक्रिय बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की विचारधारा और जनकल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि संगठन विस्तार, नियमित जनसंपर्क और सेवा कार्यों के माध्यम से भाजपा को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा।

प्रत्येक पात्र व्यक्ति को दिलाए योजनाओं का लाभ- लिल्हारे

भाजपा नेता डॉ. वेद प्रकाश लिल्हारे ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास और सुशासन का नया अध्याय लिखा गया है। केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंच रहा है, जिससे गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार भी विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही है तथा प्रदेश को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0020/इ-154/2026-27
मौजा निलजी, रा.नि.मं. खमरिया

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक शेख हमीद पिता स्व0 छोटामिया जाति मोमिन, निवासी ग्राम निलजी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा निलजी, रा.नि.मं. खमरिया, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने पिता छोटामिया पिता रशीद मो. का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 22.05.2007 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम निलजी के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 15.06.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 02.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 04.06.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0021/इ-154/2026-27
मौजा निलजी, रा.नि.मं. खमरिया

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक शेख हमीद पिता स्व0 छोटामिया जाति मोमिन, निवासी ग्राम निलजी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा निलजी, रा.नि.मं. खमरिया, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने दादा रशीद पिता यासीन का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 14.03.1986 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम निलजी के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 15.06.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 02.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 04.06.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

कार्यालय जनपद पंचायत लांजी

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्यालय जनपद पंचायत लांजी को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजनांतर्गत कार्यों के मूल्यांकन व अनुश्रवण हेतु मासिक तथा प्रतिदिवस दर पर वाहन की आवश्यकता है। वाहन का माडल दिनांक 01.06.2026 को 03 वर्ष से अधिक पुराना नही होना चाहिए। इसके लिए वाहन मालिकों से मुहरबंद निविदाएं दिनांक 18/06/2026 दोपहर 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदाएं उसी दिन दोपहर 3:00 बजे उपस्थित निविदाकर्ताओं अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जावेगी। निविदा की विस्तृत शर्ते तथा निविदा प्रपत्र राशि 500/- रू. मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत लॉजी के बैंक खाता क्रमांक 60285030191 बैंक ऑफ महाराष्ट्र IFSC कोड-MAHB0001057 में जमा कर सहायक लेखाधिकारी, मनरेगा, जनपद पचांयत लॉजी से प्राप्त किया जा सकता है।

(अंकित सिंघई)
मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत लांजी

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
-निर्माता-
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

जल संकट से राहत के लिए विधायक निधि से 10 पेयजल टैंकर वितरित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भीषण गर्मी के बीच ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट से राहत दिलाने के उद्देश्य से बालाघाट-लालबर्रा विधानसभा क्षेत्र में विधायक विकास निधि से 10 पेयजल टैंकरों का वितरण किया गया। विधायक अनुभा मुंजारे ने बाघ कॉलोनी स्थित विधायक कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विभिन्न ग्राम पंचायतों को टैंकर सौंपते हुए कहा कि क्षेत्रवासियों को पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है।

गर्मी के मौसम में जलस्तर घटने और जल स्रोतों के कमजोर पड़ने से कई गांवों में पेयजल संकट की स्थिति निर्मित हो जाती है। इसी

समस्या को ध्यान में रखते हुए विधायक निधि वर्ष 2026-27 के अंतर्गत ग्राम पंचायत बहियाटिकुर, नेवरगांव (वारासिवनी), नेवरगांव (लालबर्रा), टेकाड़ी, नैतरा, कामथी, भाण्डामुर्री, टेंगनीखुर्द, रानीकुठार और चंद्रपुरी को पेयजल टैंकर उपलब्ध कराए गए हैं। विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि विकास निधि का उपयोग ऐसे कार्यों में किया जा रहा है जिनका सीधा लाभ आमजन को मिले। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या दूर करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और जरूरत के अनुसार संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और पंचायत प्रतिनिधियों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि टैंकर मिलने से गांवों में पेयजल वितरण व्यवस्था मजबूत होगी तथा जल संकट के समय लोगों को तत्काल राहत मिल सकेगी। सरपंच धर्नेंद्र राणा ने विधायक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी मांग पर मात्र 10 दिनों के भीतर टैंकर उपलब्ध कराया गया, जो जनहित के प्रति उनकी संवेदनशीलता को दर्शाता है। कार्यक्रम के दौरान जल संरक्षण का संदेश देते हुए लोगों से पानी का सदुपयोग करने और जल स्रोतों के संरक्षण में सहयोग करने की अपील भी की गई। इस अवसर पर विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

25 साल का सरकारी प्रोजेक्ट बताकर बनाया शिकार, बेरोजगारों और किसानों से लाखों की वसूली का आरोप

नौकरी, सोलर एनर्जी, पशुपालन और खेती लीज योजनाओं का दिया था लालच, पुलिस से लगाई न्याय की गुहार

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले में सरकारी योजनाओं के नाम पर कथित तौर पर नौकरी और विभिन्न योजनाओं का झांसा देकर युवाओं एवं किसानों से ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में दो दर्जन से अधिक शिक्षित युवाओं तथा कुछ किसानों ने पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा को शिकायत सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि बीते कुछ महीनों के दौरान कुछ लोगों ने अलग-अलग नामों से कई कंपनियां बनाकर स्वयं को शासकीय योजनाओं से जुड़ा बताया। इन कंपनियों ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों की भर्ती की और नियुक्ति के नाम पर उनसे हजारों रुपये लिए। युवाओं का कहना है कि उनसे लगभग चार महीने तक काम कराया गया, लेकिन आज तक उन्हें वेतन का भुगतान नहीं किया गया। पीड़ित युवाओं ने आरोप लगाया कि कंपनियों ने रोजगार का भरोसा देकर बड़ी संख्या में बेरोजगारों को अपने साथ जोड़ा और बाद में उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। उनका दावा है कि जिलेभर में 100 से अधिक युवक-युवतियां इस कथित धोखाधड़ी का शिकार हुए हैं।

जिले में बेरोजगार युवक-युवतियों और किसानों को रोजगार, पशुपालन, सोलर एनर्जी सिस्टम, जमीन लीज पर लेकर मुनाफा दिलाने सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ देने का झांसा देकर लाखों-करोड़ों रुपये की कथित ठगी का मामला सामने आया है। मामले में जिले के कई पीड़ितों ने पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा से शिकायत कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और उनकी राशि वापस दिलाने की मांग की है। जानकारी के अनुसार जिले में लंबे समय से विभिन्न प्रकार की निवेश और रोजगार योजनाओं के नाम पर लोगों को जोड़ने का सिलसिला चलता रहा है। इसी बीच कुछ पढ़े-लिखे बेरोजगार युवक-युवतियों और किसानों ने शिकायत करते हुए बताया कि कुछ माह पूर्व एक महिला और एक पुरुष द्वारा चार अलग-अलग नामों से कंपनियों का संचालन शुरू किया गया था। इन कंपनियों के माध्यम से 100 से अधिक लोगों को जोड़ा गया और उन्हें बताया गया कि यह शासन से जुड़ा एक बड़ा प्रोजेक्ट है, जो लगभग 25 वर्षों तक संचालित होगा। पीड़ितों का आरोप है कि विभिन्न पदों पर नियुक्ति देने के नाम पर किसी से 50 हजार, किसी से 70 हजार तो किसी से एक लाख रुपये तक की राशि जमा कराई गई। युवाओं को 30 हजार से 50 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन देने का आश्वासन दिया गया था। शुरुआत में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए और अलग-अलग क्षेत्रों में सर्वे का कार्य भी कराया गया। किसानों को पशुपालन, मिट्टी परीक्षण, सोलर एनर्जी सिस्टम, कृषि विकास योजनाओं तथा खेती लीज पर लेकर अधिक मुनाफा दिलाने का भरोसा दिया गया। शिकायतकर्ताओं के अनुसार नगर के उपनगरीय क्षेत्र बूढ़ी रेलवे क्रॉसिंग के पास संचालित ए फॉर एग्रो एसोसिएट कंपनी, आर्या रिन्यूएबल एनर्जी, शिवाय एंड रुद्र कॉर्पोरेशन तथा पूजा एसोसिएट नामक संस्थाओं के माध्यम से युवाओं और किसानों से सुरक्षा निधि एवं पंजीयन शुल्क के नाम पर बड़ी रकम जमा कराई गई। उन्हें यह भी आश्वासन दिया गया था कि जमा की गई राशि बाद में वापस कर दी जाएगी। पीड़ितों का कहना है कि तीन से चार माह तक काम कराने के बाद जब वेतन की मांग की गई तो कंपनी से जुड़े जिम्मेदार लोगों ने टालमटोल शुरू कर दी। कई लोगों को भुगतान के नाम पर चेक दिए गए, लेकिन बैंक में लगाने पर वे चेक वापस हो गए। आरोप है कि चेक पर किए गए हस्ताक्षर भी संदिग्ध पाए गए। इसके बाद जब कंपनी संचालकों से संपर्क करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने फोन उठाना भी बंद कर दिया।

कोई आर्थिक लाभ नही दिया गया- रविंद्र

पीड़ित किसान रविंद्र कुमार उइके ने बताया कि उनसे खेती को किराये पर देने की प्रक्रिया के नाम पर 40 हजार रुपये लिए गए थे। बदले में लाभांश और परिवार के शिक्षित युवक को रोजगार देने का वादा किया गया था, लेकिन बाद में कोई ठोस प्रक्रिया सामने नहीं आई। उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्र के कई किसानों से खेती लीज पर लेने और अन्य लाभ दिलाने के नाम पर लाखों रुपये वसूले गए हैं।

लाखों-करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी की गई है - नैयनु लिल्हारे

वारासिवनी क्षेत्र के डोंगरमाली निवासी तारकेश्वर लिल्हारे और नैयनु लिल्हारे ने बताया कि उन्हें सरकारी परियोजना बताकर कंपनी में जोड़ा गया था। नियुक्ति के नाम पर उनसे हजारों रुपये लिए गए और चार माह तक काम कराया गया, लेकिन उन्हें कोई वेतन नहीं दिया गया। उन्होंने बताया कि किसानों से भी रजिस्ट्रेशन और अन्य प्रक्रियाओं के नाम पर शुल्क लिया गया, लेकिन बाद में कोई कार्य नहीं किया गया। अब कंपनी के जिम्मेदार लोग न तो फोन उठा रहे हैं और न ही किसी प्रकार का संतोषजनक जवाब दे रहे हैं। पीड़ितों का दावा है कि यह नेटवर्क केवल बालाघाट तक सीमित नहीं है, बल्कि सिवनी, मंडला सहित मध्यप्रदेश के अन्य जिलों में भी सक्रिय है। उनका आरोप है कि सुनियोजित तरीके से बेरोजगार युवाओं और किसानों को निशाना बनाकर उनसे लाखों-करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी की गई है। शिकायत में जबलपुर निवासी सुरेंद्र सुनमानी तथा सिवनी निवासी प्रोजेक्ट मैनेजर पूजा उ? सीमा गड़पाले का भी उल्लेख करते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। पीड़ितों ने पुलिस अधीक्षक से वेतन, जमा राशि तथा किसानों से ली गई रकम वापस दिलाने की मांग की है।

प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है - मयंक तिवारी

इस संबंध में नगर पुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है और प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ताओं के बयान लिए जा रहे हैं तथा उपलब्ध दस्तावेजों की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पेट्रोल भराने को लेकर शुरू हुआ विवाद, पेट्रोल पंप पर जमकर चले हाथ-मुक्के

बिल की राशि पर आपत्ति के बाद बढ़ा मामला, दोनों पक्षों ने दर्ज कराई शिकायत, वायरल वीडियो की जांच में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना क्षेत्र अंतर्गत आंवलाझरी स्थित वैनगंगा इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप में मंगलवार रात पेट्रोल भराने को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। पेट्रोल की मात्रा और बिल की राशि को लेकर ग्राहकों एवं पेट्रोल पंप कर्मचारियों के बीच हुई कहासुनी कुछ ही देर में उग्र हो गई और दोनों पक्षों के बीच जमकर हाथ-मुक्के चलने लगे। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद मामला क्षेत्रभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक 32 नर्मदा नगर निवासी विनय कसार अपने साथी चौबेलाल बर्वे के साथ स्कूटी क्रमांक एमपी 50 एस 6840 में पेट्रोल भरवाने के लिए आंवलाझरी स्थित पेट्रोल पंप पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि विनय ने वाहन का टैंक फुल करने के लिए कहा था। पेट्रोल भरने के बाद पंप कर्मचारी ने मशीन से 631 रुपये का बिल निकालकर उन्हें सौंपा। इसी दौरान विनय कसार ने बिल में दर्ज राशि और पेट्रोल की मात्रा पर आपत्ति जताते हुए कहा कि उनकी स्कूटी में इतनी मात्रा में पेट्रोल नहीं आ सकता। बताया जाता है कि इसी बात को लेकर पहले ग्राहक और कर्मचारियों के बीच बहस शुरू हुई। कुछ देर तक दोनों पक्षों के बीच तर्क-वितर्क चलता रहा, लेकिन मामला शांत होने के बजाय और

बढ़ता गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई और देखते ही देखते मारपीट की नौबत आ गई। पेट्रोल पंप परिसर में मौजूद लोगों के सामने दोनों पक्षों के बीच जमकर हाथ-मुक्के चले, जिससे कुछ समय के लिए अफरा-तफरी की स्थिति निर्मित हो गई। घटना के बाद विनय कसार ने आरोप लगाया कि पेट्रोल पंप संचालक अशोक बजाज, इंदु बजाज एवं वहां कार्यरत कुछ कर्मचारियों ने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की, जिससे उन्हें चोटें आई हैं। उनका कहना है कि उन्होंने केवल बिल की राशि और पेट्रोल की मात्रा को लेकर सवाल उठाया था, लेकिन बात को अनावश्यक रूप से बढ़ाया गया। वहीं दूसरी ओर पेट्रोल पंप कर्मचारियों ने भी अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को गलत बताते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। कर्मचारियों का कहना है कि ग्राहक पक्ष द्वारा पहले विवाद किया गया और उनके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए मारपीट की गई। कर्मचारियों ने भी स्वयं के साथ मारपीट होने की बात पुलिस को बताई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए भरवेली पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत दर्ज कर ली है। पुलिस ने विनय कसार की शिकायत पर पेट्रोल पंप संचालक अशोक बजाज, इंदु बजाज सहित तीन कर्मचारियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 115(2), 296(बी), 3(5) एवं 351(3) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। वहीं पेट्रोल पंप कर्मचारी की शिकायत पर विनय कसार और चौबेलाल बर्वे के विरुद्ध भी इन्हीं धाराओं के तहत मामला कायम किया गया है। घटना के अगले दिन बुधवार को भरवेली थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे और पूरे मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने पेट्रोल पंप परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर अपने कब्जे में लेकर फुटेज की जांच प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि विवाद की शुरुआत किस कारण हुई और मारपीट के दौरान किस पक्ष की क्या भूमिका रही, इसका पता सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों के आधार पर लगाया जाएगा। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने इस घटना को और अधिक चर्चा में ला दिया है।

ग्राम जागपुर की बेटी ने बढ़ाया जिले का मान, एमबीबीएस उपाधि के साथ मिला स्वर्ण पदक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रतिभा और मेहनत के बल पर सफलता की नई मिसाल कायम करते हुए जिले के ग्राम जागपुर की बेटी डॉ. वेदिका गेडाम ने चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उन्हें शहडोल स्थित बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में आयोजित द्वितीय दीक्षांत समारोह के दौरान एमबीबीएस की उपाधि प्रदान की गई। इसके साथ ही पीडियाट्रिक्स (बाल रोग) विषय में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें स्वर्ण पदक से भी सम्मानित किया गया। डॉ. वेदिका गेडाम, प्रशांत गेडाम एवं श्रीमती पंचशीला गेडाम की सुपुत्री हैं। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार, बल्कि ग्राम जागपुर और पूरे बालाघाट जिले को गौरवान्वित किया है। दीक्षांत समारोह में महाविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों, प्राध्यापकों एवं अतिथियों ने उन्हें सम्मानित करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कहा जाता है कि सफलता केवल सपने देखने से नहीं, बल्कि उन्हें पूरा करने के लिए निरंतर मेहनत और समर्पण से मिलती है। डॉ. वेदिका ने भी अपने कठिन परिश्रम, अनुशासन और लगन के दम पर यह मुकाम हासिल किया है। चिकित्सा शिक्षा के दौरान उन्होंने लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें बाल रोग विषय में स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ। उनकी इस उपलब्धि पर ग्राम जागपुर सहित जिलेभर के लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। ग्रामीणों और शुभचिंतकों का कहना है कि डॉ. वेदिका की सफलता क्षेत्र के युवाओं, विशेषकर छात्राओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने यह साबित कर दिया है कि ग्रामीण क्षेत्र से निकलकर भी बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। डॉ. वेदिका गेडाम ने अपनी सफलता का श्रेय

अपने माता-पिता, परिवारजनों, शिक्षकों एवं मार्गदर्शकों को दिया। उन्होंने कहा कि परिवार और गुरुओं के निरंतर सहयोग एवं प्रोत्साहन के बिना यह सफलता संभव नहीं थी। उन्होंने भविष्य में चिकित्सा सेवा के माध्यम से समाज और मानवता की सेवा करने का संकल्प भी व्यक्त किया। डॉक्टर बनने के साथ-साथ स्वर्ण पदक हासिल कर डॉ. वेदिका गेडाम ने न केवल अपने परिवार का नाम रोशन किया है, बल्कि बालाघाट जिले को भी गौरवांवित किया है। उनकी यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी।

अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाने ग्रामीण पहुंचे एसपी कार्यालय

सरपंच सहित महिलाओं ने सौंपा ज्ञापन, कहा- शराब के कारण बिगड़ रहा गांव का माहौल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुख्यालय से लगभग 5 से 6 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत बगदरा के सरपंच एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने बुधवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर गांव में संचालित अवैध शराब कारोबार पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपते हुए गांव में खुलेआम बिक रही कच्ची और पक्की शराब के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गुहार लगाई। ग्राम पंचायत बगदरा की सरपंच येशुला नागपुरे ने बताया कि गांव में कुछ लोगों द्वारा लंबे समय से अवैध रूप से शराब का विक्रय किया जा रहा है। इसके कारण गांव का सामाजिक माहौल लगातार खराब हो रहा है। उन्होंने कहा कि शराब की आसान उपलब्धता के चलते कई लोग नशे के आदी हो रहे हैं, जिससे परिवारों में विवाद और घरेलू हिंसा की घटनाएं बढ़ रही हैं। नशे की हालत में लोग घर पहुंचकर पत्नी और बच्चों के साथ मारपीट करते हैं तथा कई बार शराब की लत के कारण घर का सामान तक बेच देते हैं।

ग्रामीण महिलाओं ने भी पुलिस अधीक्षक के समक्ष अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए बताया कि गांव के विभिन्न चौक-चौराहों पर अवैध रूप से कच्ची एवं पक्की शराब बेची जा रही है। शराब बिक्री के स्थानों पर दिनभर नशेड़ियों का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे महिलाओं, बुजुर्गों और राहगीरों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। महिलाओं का कहना है कि कई बार शराब के नशे में लोग सार्वजनिक स्थानों पर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, जिससे गांव का वातावरण प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि बगदरा क्षेत्र से होकर खुटिया, कटंगी, लिंगा, अमेड़ा, रट्टा और परसवाड़ा सहित कई गांवों के लोग आवागमन करते हैं। शराब पीने वाले लोग अक्सर सड़क पर ही वाहन खड़े कर देते हैं, जिससे यातायात प्रभावित होता है। वाहन हटाने या रास्ता देने की बात कहने पर कई बार विवाद की स्थिति भी निर्मित हो जाती है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस संबंध में पूर्व में नवेगांव थाना पुलिस को भी शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ अपेक्षित सख्त कार्रवाई नहीं होने से उनके हौसले बढ़ते जा रहे हैं। परिणामस्वरूप गांव में शराब का कारोबार लगातार फल-फूल रहा है। ग्रामीणों ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि गांव में बढ़ती शराबखोरी का सबसे अधिक दुष्प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ रहा है। कई युवा नशे की गिरफ्त में आते जा रहे हैं, जिससे उनका भविष्य प्रभावित हो रहा है। वहीं शराब के कारण गांव में आए दिन विवाद, झगड़े और पारिवारिक कलह की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि गांव में अवैध रूप से शराब बेचने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए तथा गांव को अवैध शराब कारोबार से मुक्त कराया जाए, ताकि ग्रामीणों को सुरक्षित और शांतिपूर्ण वातावरण मिल सके।

कृषि कार्य शुरू होते ही डीजल की किल्लत, ट्रैक्टर चालकों और किसानों में भारी आक्रोश

आधुनिक खेती पर लगा 'ब्रेक', डिब्बों में डीजल न मिलने से खेतों में ही थम गये ट्रैक्टर

ट्रैक्टर संचालकों ने प्रशासन से पेट्रोल पंपों में स्टाक रखकर पर्याप्त माला में डिब्बों में डीजल देने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

क्षेत्र में मानसूनी बारिश की दस्तक से ठीक पहले जहां एक ओर किसानों ने खरीफ सीजन की तैयारियों के तहत खेतों की सफाई और जुताई का कार्य शुरू कर दिया है। वहीं दूसरी ओर डीजल की भारी किल्लत ने उनकी चिंताओं को बढ़ा दिया है। वर्तमान में कृषि यंत्रों के संचालन के लिए पर्याप्त ईंधन न मिलने से ट्रैक्टर चालक बेहद परेशान हैं। जबकि वर्तमान समय में सभी किसान परंपरागत खेती को छोड़कर पूरी तरह से ट्रैक्टर, रोटावेटर और कल्टीवेटर जैसे आधुनिक कृषि यंत्रों पर निर्भर हो चुके है और इन आधुनिक कृषि यंत्रों के माध्यम से कृषि कर रहे है। ये यंत्र डीजल से ही चलते है, लेकिन वर्तमान समय में डीजल की किल्लत बढ़ गई है। वहीं प्रशासन के द्वारा डिम्बों में डीजल देने पर रोक लगा दिया है जिसके कारण पेट्रोल पंपों में डिम्बों में डीजल नही मिल पा रहा है। ऐसी स्थिति में ट्रैक्टर मालिक व चालक ट्रैक्टर लेकर पेट्रोल पंप डीजल भरवाने के लिए पहुंच रहे हैं। जिससे पेट्रोल पंप में ट्रैक्टरों की लंबी लाईन लग रही है और कुछ अव्यवस्था होने से कर्मचारियों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही नगर मुख्यालय के कुछ पेट्रोल पंपों में डीजल भी खत्म हो चुका है। जिसकी जानकारी लगते ही जिस पेट्रोल पंप में डीजल मिल रहा है उस पंप पर क्षेत के ट्रैक्टर संचालक ट्रैक्टर व डिम्बा लेकर डीजल के लिए बड़ी संख्या में पहुंच रहे है। मंगलवार की रात में एकाएक मानपुर स्थित पेट्रोल पंप में डीजल भरवाने वाले ट्रैक्टर सहित अन्य चौपहिया वाहनों की भीड़ लग गई और लोग चौपहिया वाहन व डिम्बा लेकर बड़ी संख्या में डीजल के लिए पहुंचे जिससे अव्यवस्था होने से कर्मचारियों सहित सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं पर्याप्त माला में डीजल नही मिलने के कारण ट्रैक्टर संचालकों को खासा परेशानियो का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही कृषि कार्य भी प्रभावित हो रहा है, जिससे किसानों में शासन और प्रशासन के प्रति रोष देखा जा रहा है। किसानों एवं ट्रैक्टर मालिकों ने शासन-प्रशासन से पेट्रोप पंपों में स्टाक रखकर पर्याप्त माला में डीजल डिम्बों में देने की मांग की है।

परंपरागत से आधुनिक खेती की ओर बढ़े, पर अब ईंधन का संकट

गौरतलब है कि सरकार पिछले कई वर्षो से लगातार आधुनिक खेती को बढ़ावा दे रही है। सरकार की अपीलों और सहूलियतों के बाद अब क्षेत का आम किसान भी अपनी परंपरागत खेती (बैलों के माध्यम से) को छोड़कर पूरी तरह से ट्रैक्टर, रोटावेटर और कल्टीवेटर जैसे आधुनिक कृषि यंत्रों पर निर्भर हो चुका है। वर्तमान में बारिश का समय नजदीक है और यह समय किसानों के लिए बेहद मूल्यवान है। यदि सही समय पर खेतों की जुताई न हुई, तो बुआई प्रभावित होना तय है। ऐसे समय पर डीजल की किल्लत ने किसानों के सामने बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। वहीं ट्रैक्टर संचालकों और किसानों के सामने सबसे व्यावहारिक समस्या पेट्रोल पंपों पर डिब्बों (कैन) में डीजल देने पर लगा प्रतिबंध है। किसानों का कहना है कि कई बार खेत में काम करते समय अचानक ट्रैक्टर या अन्य कृषि यंत्रों का ईंधन खत्म हो जाता है। भारी-भरकम कृषि उपकरणों को लेकर बार-बार पेट्रोल पंप तक आना संभव नहीं होता। ऐसे में डिब्बे या जरकीन में ईंधन लाकर ही वाहनों में डाला जाता है। लेकिन पेट्रोल पंपों द्वारा डिब्बों में डीजल देने पर रोक लगा दी गई है। इस प्रतिबंध के कारण दूर-दराज के खेतों में चल रहे ट्रैक्टर जहां के तहां खड़े हो जायेगें और किसान ईंधन के लिए भटकने को मजबूर हैं। क्षेत्र के किसानों और ट्रैक्टर मालिकों ने जिला प्रशासन और शासन से गुहार लगाई है कि जब तक कृषि कार्य (जुताई और बुआई) का सीजन चल रहा है, तब तक डीजल की आपूर्ति सुचारू की जाये। साथ ही किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए डिब्बों में डीजल न देने संबंधी कड़े नियमों में अस्थाई रूप से शिथिलता (ढील) बरती जाये। ताकि खेतों में खड़े वाहनों तक ईंधन पहुंचाया जा सके और कृषि कार्य प्रभावित न हो सके।

डिम्बों में पर्याप्त माला में दिया जाये डीजल - महेश

महेश महेरकर ने बताया कि वर्तमान में खरीफ सीजन के लिए कृषि कार्य शुरू हो चुका है और किसान खेतों की जुताई करवा रहे है और वर्तमान में सभी किसान आधुनिक यंत्रों से खेती करते है जिसमें ट्रैक्टरों की आवश्यकता पड़ती है। लेकिन लालबर्रा क्षेत्र में कुछ पेट्रोल पंपों में डीजल खत्म हो चुका है यानि की डीजल की किल्लत बनी हुई है जिससे किसान व ट्रैक्टर मालिक दोनों परेशान है। साथ ही यह भी बताया कि डिम्बों में डीजल देने पर रोक लगा दी गई है और पेट्रोल पंपों में डीजल खत्म होने की जानकारी मिली थी। जिसके बाद पेट्रोल पंप पहुंचे थे लेकिन कुछ लोग ट्रैक्टर एवं डिम्बे लेकर डीजल लेने पहुंचे थे और एक ही पेट्रोल पंप में डीजल उपलब्ध होने के कारण भीड़ अधिक होने एवं अव्यवस्था की स्थिति बन गई थी। साथ ही बाकी अन्य पंपों पर डीजल नहीं होने से शर्मा पेट्रोल पंप पर अचानक दबाव बढ़ गया है। श्री महेरकर ने बताया कि वर्तमान में डीजल की मांग बढ़ गई है लेकिन कुछ महीनों से डीजल की किल्लत बनी हुई है जिससे वर्तमान में कृषि कार्य प्रभावित हो रहे है। अगर डिम्बों में डीजल नही मिलेगा तो ट्रैक्टर जहां के वहां ही खड़े रहे जायेगें इसलिए प्रशासन से मांग है कि पेट्रोल पंपों में स्टाक रखकर पर्याप्त माला में डिम्बों में डीजल दिये जाये।

मकान के सामने बाथरूम करने से मना करने पर पड़ोसी ने पति-पत्नि पर किया जानलेवा हमला, दोनों घायल

घायलों का अस्पताल में उपचार जारी, पीड़ितों ने पुलिस पर लगाया कार्यवाही न करने का आरोप, पुलिस ने दर्ज किया काउंटर मामला

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के आमाटोला में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां मकान के सामने बाथरूम करने से मना करने जैसी मामूली बात पर एक पड़ोसी ने क्रूरता की हदें पार कर दीं। आरोपी ने पति-पत्नि पर जानलेवा हमला करते हुए लोहे के कत्ता से सिर पर वार कर दिया, जिससे दोनों घायल हो गये। जिसके बाद घायलों को तत्काल लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आमाटोला (पांढरवानी) निवासी ४० वर्षीय श्रीमती अनिता उइके और उनके पति राधेलाल उइके (जो पेशे से मजदूर हैं) का मंगलवार की रात में उनके पड़ोस में रहने वाले शकील खान से विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि शकिल खान अक्सर राधेलाल के मकान के सामने बाथरूम करता था, जिसे पूर्व में भी कई बार मकान के सामने बाथरूम न करने समझाईश भी दी गई है। इस गंदगी और असुविधा से परेशान होकर मंगलवार की रात श्रीमती अनिता उइके ने शकिल को मकान के सामने बाथरूम करने से मना किया। इसी बात को लेकर अनिता और शकील की पत्नि के बीच बहस होने लगी। विवाद की आवाज सुनकर शकिल खान अचानक मकान के अंदर से लोहे का कत्था (औजार) लेकर बाहर निकला और उसने सीधे अनिता के सिर पर वार कर दिया। हमला इतना घातक था कि अनिता लहूलुहान हो गई। जिसकी आवाज सुनकर अनिता को बचाने के लिए उनका पति राधेलाल उइके बीच-बचाव करने आया, तो शकील ने उसके साथ भी मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी है। जिसके बाद घायल पति-पत्नि थाने पहुंचकर घटना की जानकारी पुलिस को देकर जानलेवा हमला करने वाले व्यक्ति पर कठोर कार्यवाही की मांग की है। वहीं पीड़ित परिवार ने पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि पुलिस आरोपी पर उचित और सख्त कार्यवाही नहीं कर रही है। वहीं इस मामले में पुलिस का कहना है कि पीड़िता महिला की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। चूंकि विवाद दोनों पक्षों के बीच हुआ था इसलिए पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर काउंटर मामला पंजीबध्द कर मामले की जांच शुरू कर रही है।

मारपीट करने वाले व्यक्ति पर कठोर कार्यवाही करें पुलिस प्रशासन - अनिता

पीड़िता श्रीमती अनिता उइके ने बताया कि मंगलवार की रात में वह और उनके पति अपने घर पर थे। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला शकील नामक व्यक्ति घर के ठीक सामने बाथरूम करने लगा। जिसका विरोध पर पहले उसकी पत्नि ने विवाद की, उसके बाद शकील आया और मुझे एवं मेरे पति को धारदार कत्ता से सिर पर वार कर दिया जिससे सिर में चोटें आई है। श्रीमती उइके ने बताया कि पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा दिये है, लेकिन कोई कार्यवाही नही हो रही है, पुलिस प्रशासन से मांग है कि हम पर जानलेवा हमला करने वाले व्यक्ति पर कठोर कार्यवाही करें।

सांई मंदिर का भक्तिभाव के साथ मनाया गया पांचवा स्थापना दिवस

पनबिहरी से शिर्डी वाले सांई बाबा की निकाली गई पालकी यात्रा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत पनबिहरी के वार्ड नं. २ स्थित सांई मंदिर में २ जून को मंदिर का पांचवा स्थापना दिवस भक्तिभाव एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम सांई मंदिर के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर दोपहर में शिर्डी वाले सांई बाबा की विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात् हवन-पूजन प्रारंभ हुआ। जिसमें बाबा के श्रध्दालुओं के द्वारा हवनकुण्ड में पुर्णाहुति डालकर धर्मलाभ अर्जित किये। जिसके बाद शाम ७ बजे मंदिर से सांई बाबा की पालकी शोभायात्रा डीजे की धुन पर निकाली गई। यह शोभायात्रा ग्राम के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए वापस कार्यक्रम स्थल पहुंची जहां आरती के बाद महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस दौरान दिनभर श्रध्दालुजन मंदिर में पहुंचकर सांई बाबा की विधि-विधान से पूजन अर्चन कर धर्मलाभ अर्जित किये, जिसके चलते मंदिर में दिनभर भक्तजनों की भीड़ रही। चर्चा में शिर्डी सांई बाबा मंदिर के पदाधिकारी संतोष यादव ने बताया कि पनबिहरी के वार्ड नं. २ में सांई मंदिर का निर्माण कर २ जून २०२२ को शिर्डी वाले सांई बाबा की मुर्ति की स्थापना की गई थी एवं मुर्ति स्थापना के चार वर्ष पूर्ण होने पर २ जून को मंदिर का पांचवा स्थापना दिवस भक्तिभाव एवं धूमधाम के साथ मनाया गया है। इस अवसर पर विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है एवं शाम ७ बजे मंदिर प्रांगण से सांई बाबा की पालकी याला निकाली गई जो ग्राम के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंची जहां सांई बाबा की आरती करने के पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया और शिर्डी वाले सांई बाबा से प्रार्थना करते है कि सभी के जीवन में सुख, समृध्दि बनाये रखे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।

'आरोह २०२६' समर कैंप का समापन समारोह ५ को

विश्व पर्यावरण दिवस पर खेल, पर्यावरण और प्रतिभाओं का होगा संगम

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। औल्याकंहार फिजीकल क्लब (एपीसी) में गत दिवस से जारी खेल प्रशिक्षण शिविर 'आरोह २०२६ समर कैंप'' का विश्व पर्यावरण दिवस के दिन ५ जून को समारोहपूर्वक समापन किया जायेगा। गत दिवस से जारी इस खेल प्रशिक्षण शिविर में बच्चों एवं खिलाड़ियों को खेल के बारे में प्रशिक्षण दिया जा रहा है और बच्चें व खिलाड़ी खेल की बारीकियां सीख रहे है। आयोजन समिति के मुख्य संयोजक ओमप्रकाश बिसेन ने बताया कि एक माह से जारी खेल प्रशिक्षण शिविर 'आरोह २०२६ समर कैंप' का समापन समारोह कार्यक्रम की तैयारी पुरी कर ली गई है और कार्यक्रम का उद्देश्य केवल शिविर का समापन करना नहीं बल्कि पूरे प्रशिक्षण काल में अनुशासन, समर्पण और निरंतर अभ्यास करने वाले नन्हे एवं युवा खिलाड़ियों का सम्मान और उत्साहवर्धन करना भी है। समारोह के दौरान खिलाड़ियों द्वारा विभिन्न खेल विधाओं का आकर्षक एवं जीवंत प्रदर्शन किया जायेगा। जिससे उनके प्रशिक्षण, कौशल और मेहनत की झलक देखने को मिलेगी। इसके साथ ही शिविर के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अतिथियों के हस्ते सम्मानित एवं पुरस्कृत भी किया जायेगा।

पर्यावरण जागरूकता रैली से होगा कार्यक्रम का शुभारंभ

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कार्यक्रम की शुरूआत प्रातः ५.३० बजे फिजिकल क्लब परिसर से जागरूकता रैली के रूप में होगी। यह रैली बड़ी पनबिहरी, छोटी पनबिहरी और लालबर्रा होते हुए वन विभाग कार्यालय पावर हाउस पहुंचेगी। इस रैली में वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी बच्चों को पर्यावरण संरक्षण, वन संपदा और विभागीय कार्यप्रणाली से अवगत करवायेगें एवं बच्चों के साथ संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किया जायेगा। जिससे उन्हें प्रकृति संरक्षण और पर्यावरणीय जिम्मेदारियों की बेहतर समझ मिल सके। वहीं पर्यावरण दिवस के अवसर पर औल्याकन्हार फिजिकल क्लब परिसर में औल्याकंहार की सरपंच श्रीमती प्रेमलता बिसेन, पंचगण, वन विभाग के कर्मचारी, क्लब पदाधिकारी एवं बच्चों की उपस्थिति में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। इस पहल के माध्यम से बच्चों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी और प्रकृति से जुड़ाव का संदेश दिया जायेगा। वहीं शाम ५ बजे से फिजिकल क्लब मैदान में मुख्य मंचीय कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। इस अवसर पर खिलाड़ियों का सम्मान, सांस्कृतिक एवं खेल प्रदर्शन सहित कई प्रेरणादायी गतिविधियां आयोजित की जायेगी। इस अवसर पर क्षेत के समस्त जनप्रतिनिधि, समाजसेवियों, खेल प्रेमियों, अभिभावकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने तथा खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने की अपील सरपंच श्रीमती प्रेमलता बिसेन ने की है।

दिलीप बागड़े बतौर वनक्षेत्रपाल छिंदवाड़ा जिले में देंगे अपनी सेवाए

म.प्र.वन एवं वन्य प्राणी संरक्षण कर्मचारी संघ ने दी बिदाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वन क्षेत्रपाल महाविद्यालय बालाघाट में पदस्थ रहते हुए वन कर्मचारी के मार्गदर्शक तथा प्रत्येक विषम परिस्थिति में कर्मचारियों के हितों के लिए सदैव तत्पर रहने वाले दिलीप बागड़े को वन क्षेत्रपाल के पद पर पदोन्नति मिली है।जिसपर गौरव चौधरी मुख्य वन संरक्षक बालाघाट द्वारा स्टार अलंकृत कर नवीन पदस्थापना छिंदवाड़ा जिला अंतर्गत बटकाखापा परिक्षेत्र का पदभार ग्रहण करने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई।मध्य प्रदेश वन एवं वन्य प्राणी संरक्षण कर्मचारी संघ जिला बालाघाट की ओर से बिदाई समारोह आयोजित कर दिलीप बागड़े के डिप्टी रेंजर से रेंजर पद पर पदोन्नत होने एवं नवीन पदस्थापना हेतु पदभार ग्रहण करने के लिए स्मृति चिन्ह भेंट कर सह सम्मान बिदाई दी गई।बिदाई समारोह में वक्ताओं ने कहा कि आपके कुशल नेतृत्व, अनुभव एवं कर्म निष्ठा से विभाग को नई दिशा एवं ऊर्जा प्राप्त होगी।आशा है कि नवीन दायित्वों के साथ-साथ वे पुर्ववत बालाघाट जिले के कर्मचारियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे तथा उनके सुख-दुख एवं विषम परिस्थितियों में सदैव सहयोग प्रदान करते रहेंगे।आयोजित बिदाई समारोह के दौरान मध्य प्रदेश वन एवं वन्य प्राणी संरक्षण कर्मचारी संघ के संभागीय अध्यक्ष रोशन पड़वार, जिला अध्यक्ष श्रीराम घरते, जिला महासचिव नारायण सिंह टेकाम, जिला उपाध्यक्ष सचिन पदमे, तहसील अध्यक्ष शरीफ़ खान, शारदा प्रसाद ब्रम्हे, अयाज अली, सतीश दांडेकर सहीत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल रहे।

जब योजना अच्छी है तो दबाव क्यों... ?, कर्मचारियों का वेतन रोकना गलत - भाऊराम

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जिला कांग्रेस कमेटी के जिला सचिव भाऊराम गाड़ेश्वर ने विज्ञप्ति जारी कर भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली पर कड़ा प्रहार किया है। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार द्वारा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं लागू तो की जा रही हैं, लेकिन उनका क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर सही तरीके से करने के बजाय कर्मचारियों पर अनुचित दबाव बनाया जा रहा है। सरकार अपनी वाहवाही लूटने के लिए प्रशासनिक तंत्र का दुरूपयोग कर रही है। श्री गाड़ेश्वर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के अंतर्गत अधिकारी और कर्मचारियों पर जबरन टारगेट थोपे जा रहे हैं। लक्ष्य पूरा न होने की स्थिति में कर्मचारियों का वेतन तक रोकने की धमकियां दी जा रही हैं, जो पूरी तरह से तानाशाही रवैया है। सरकारी कर्मियों को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर योजनाओं के आंकड़े बढ़ाना किसी भी तरह से न्यायसंगत नहीं है। श्री गाड़ेश्वर ने कहा कि यदि कोई योजना वास्तव में जनहितैषी और सही है, तो सरकार को केवल उसका व्यापक प्रचार-प्रसार करना चाहिए। जब आम जनता को योजना के वास्तविक लाभ समझ में आयेंगे, तो वे स्वयं आगे बढ़कर इसका लाभ उठायेंगे। जनता के कल्याण के नाम पर कर्मचारियों का उत्पीड़न बंद होना चाहिए और लोकतंत्र में योजनाओं को स्वैच्छिक आधार पर ही जनता तक पहुंचाया जाना चाहिए।

भाजपा नेता सुनील पिपरेवार ने अपनी ही परिषद पर लगाए मनमानी और अनदेखी के आरोप

परिषद में बैठे जिम्मेदार जनप्रतिनिधि करते है भेदभाव–सुनील पिपरेवार

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। पूर्व पार्षद और भाजपा नेता सुनील पिपरेवार ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि हम बड़े लोग तो अपने मनोरंजन के साधन ढूंढ लेते है। कुछ मोबाइल पर कुछ टीवी पर तो कुछ दोस्तो के साथ अपना समय बीता कर अपना मन बहला लेते है। लेकिन बच्चों के लिए खिलौने होते है पार्क होते है इनसे ही बच्चे अपना मन बहलाते है। पार्क में कई झूले होते है जो बच्चों के लिए लगाए जाते है इन पर बच्चे खेलकर काफी खुश होते है। अगर गार्डन पर लगे झूले ही जर्जर हालात और नाजुक स्थिति पर हो तो कब हादसा हो जाए कुछ कहा नहीं जा सकता । कुछ ऐसा ही वारासिवनी गांधी बाल उद्यान का हाल है जहां बच्चों के लिए लगे झूले की दयनीय स्थिति पर है और परिषद में बैठे जिम्मेदार लोग खामोश बैठे हुए है।

टूटे झूलो से हो सकता है बड़ा हादसा

श्री पिपरेवार ने बताया कि नगर के वार्ड नं.५ स्थित गांधी बाल उद्यान बालाघाट जिले का सर्वश्रेष्ठ गार्डन कहलाता है। इस बगीचे में रोजाना सुबह शाम सैकड़ों की संख्या में शुद्ध हवा के साथ ही प्राकृतिक सुंदरता को देखने आना जाना है। लेकिन इस बगीचे में मेंटनेंस और देखरेख के मामले में नपा फिसड्डी हैं की उद्यान में महात्मा गांधी की प्रतिमा के चारों ओर सुरक्षा की दृष्टि से स्टील की रेलिंग लगाई गई थी। जो वर्तमान में पूरी तरह टूट गई हैं लेकिन अभी तक इसकी मरम्मत की ओर जिमेदारों का कोई ध्यान नही गया हैं। यही नही इस उद्यान में महिला और पुरुष के व्यायाम के लिए लाखों रुपये खर्च कर एक्सरसाइज उपकरण लगाए गए थे जो देखरेख के अभाव में खस्ताहाल हो गए है।

असामाजिक शोहदों की वजह से घूमने आई महिलाओं को बेहद शर्मशार होना पड़ता है

श्री पिपरेवार ने बताया कि इस उद्यान में महिलाओं और युवतियों की सुरक्षा के पर्याप्त व्यवस्था ना होने की वजह से असामाजिक शोहदों के अमर्यादित हरकतों का शिकार होना पड़ता है। जिस ओर किसी भी जिम्मेदार का ध्यान नही हैं ,उन्होंने बताया कि कई बार इन असामाजिक शोहदों की वजह से परिवारों के साथ घूमने आई महिला सदस्यों को बेहद शर्मशार होना पड़ता हैं।

दिव्यांग कर्मचारियों के भरोसे हैं बगीचे की व्यवस्था

श्री पिपरेवार ने बताया कि नपा ने यहाँ दो कर्मचारियों की तैनाती व्यवस्था बनाने और बगीचे की देखरेख की लिए रखा हैं । लेकिन दोनों ही कर्मचारी दिव्यांग हैं जबकि बगीचे जैसी स्थल पर देखरेख के लिए हर तरह से सामान्य कर्मचारी को रखना चाहिए । लेकिन लगता हैं नपा के पास करीब दो सौ कर्मचारियों में से एक भी कोई ऐसा सामान्य कर्मचारी नही है। जिसकी तैनाती बगीचे में की जाए इसलिए इन दो दिव्यांग कर्मचारियों की नियुक्ति की गई हैं।

नगर के कई वार्डो में नहीं होती साफ सफाई

श्री पिपरेवार ने कहा कि वॉर्ड नं. ५ में रैन बसेरे के सामने की नाली के कचरे से लबलबा रही हैं। महीनों से नाली सफाई नहीं हो रही हैं और यदि साफ हो भी गई तो फिर कचरा उठने में भी कई कई दिन लग जाते हैं। उन्होंने बताया कि शहर में कचरा उठाने वाले साईकल रिक्शों की सालों से रिपेरिंग ना होने की वजह से कचरा उठाने वाले कर्मचारियों को पूरे शहर में भारी भरकम कचरे से भरे हुए रिक्शों को पैदल ही खींचना पड़ता है। जिससे वे लोग भी काफी व्यथित है,लेकिन उनकी कोई सुनवाई ना होने और काम से निकाल दिए जाने के डर से बिना शिकवे शिकायत के अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहे है। लेकिन इनके ऊपर बैठे जिम्मेदार कर्मचारी को इससे कोई लेना देना नही हैं। नगर में कई स्थानों की स्ट्रीट लाइट भी महीनों से बंद पड़ी है। शिकायत के बाद भी परिषद में मुँह दिखाई से काम किया जाता है।

करोड़ों की लागत से बना पुल लेकिन अंधेरे में डूबी सुविधा

पुल पर प्रकाश व्यवस्था के अभाव से रातो में शराबियों का बना रहता है अड्डा-संदीप बाघमारे

पद्मेश न्यूज। रामपायली/ वारासिवनी। रामपायली और बिठली के बीच चंदन नदी पर निर्मित करोड़ों रुपये की लागत वाला पुल क्षेत्र के लिए आवागमन की दृष्टि से एक बड़ी सौगात साबित हुआ है। इस पुल के निर्माण से ना केवल रामपायली और बिठली के बीच की दूरी और कठिनाइयां कम हुई हैं, बल्कि आसपास के सैकड़ों गांवों के लोगों को भी आवागमन की बेहतर सुविधा प्राप्त हुई है। लेकिन विकास की इस महत्वपूर्ण परियोजना पर एक बड़ा सवाल खड़ा हो गया है क्या बिना मूलभूत सुविधाओं के विकास को पूर्ण माना जा सकता है। जनपद सदस्य रजनीश नकासे ने चर्चा के दौरान बताया कि पुल

निर्माण तो हो गया लेकिन आज तक यहां पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं की गई है। शाम ढलते ही पूरा पुल और आसपास का क्षेत्र अंधेरे में डूब जाता है जिससे राहगीरों, महिलाओं, विद्यार्थियों और वाहन चालकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। श्री नकासे ने बताया कि रात के समय पुल पर प्रकाश व्यवस्था नहीं होने के कारण यह स्थान असामाजिक तत्वों और शराबियों का नया ठिकाना बनता जा रहा है। इससे आम नागरिकों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। यदि समय रहते उचित कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में यह स्थिति और गंभीर रूप ले सकती है। वहीं ग्राम सरपंच संदीप बाघमारे ने बतया कि किसी भी पुल या सड़क परियोजना की सफलता केवल उसके निर्माण से नहीं बल्कि उससे जुड़ी सहायक सुविधाओं से भी तय होती है। सड़क सुरक्षा मानकों के अनुसार पुलों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुरक्षा संकेतक और निगरानी व्यवस्था होना आवश्यक है। ऐसे में करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद प्रकाश व्यवस्था का अभाव योजना की पूर्णता पर प्रश्नचिह्न लगाता है। चंदन नदी पर बना यह पुल प्राकृतिक सौंदर्य के बीच स्थित है। यदि पुल पर आधुनिक एलईडी लाइटें आकर्षक सजावटी प्रकाश व्यवस्था और सौंदर्यीकरण कार्य किए जाएं तो यह क्षेत्र की पहचान बन सकता है। क्षेत्र के नागरिकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि पुल पर शीघ्र प्रकाश व्यवस्था स्थापित करने के लिए विशेष बजट उपलब्ध कराया जाए। साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे और नियमित निगरानी की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए।

डॉ. आंबेडकर मंगल भवन के सामने अनियंत्रित होकर पलटी ट्रैक्टर ट्रॉली

ट्राली का एंगल टूटने से हुआ हादसा, चालक ने सूझबूझ से पलटने से बचाया ट्रैक्टर, कोई जनहानि नहीं

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के व्यस्ततम रामपायली मार्ग पर बुधवार की दोपहर एक बड़ा सड़क हादसा होने से टल गया। डॉ.बी आर आंबेडकर मंगल भवन के सामने मुख्य मार्ग पर धान से भरी एक ट्रैक्टर.ट्रॉली अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर पलट गई। ट्रॉली पलटते ही उसमें लदी धान की बोरियां पूरी सड़क पर बिखर गई जिससे मार्ग पर आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया। गनीमत यह रही कि घटना के वक्त कोई अन्य वाहन या राहगीर इसकी चपेट में नहीं आया अन्यथा एक बड़ी जनहानि हो सकती थी।

बीच सड़क पर पलटी धान से भरी ओवरलोड ट्रॉली

प्राप्त जानकारी के अनुसार इन दिनों क्षेत्र में रबी फसल की कटाई के बाद किसानों के द्वारा अपनी उपज को बेचने के लिए लगातार परिवहन किया जा रहा है जिससे सड़कों पर यातायात का दबाव काफी बढ़ गया है। बुधवार को ग्राम कोथुरना निवासी किसान राहुल सोलंकी की धान की उपज को ट्रैक्टर क्रमांक एमपी ५० ए ए १०३१ में लादकर वारासिवनी की एक राइस मिल में ले जाया जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों और उपलब्ध जानकारी के मुताबिक ट्रैक्टर की ट्रॉली में क्षमता से कहीं अधिक धान की बोरियां भरी गई थीं। ट्रॉली के चारों किनारों पर ऊंची लकड़ियां बांधकर निर्धारित क्षमता से करीब दो गुना अधिक ऊंचाई तक बोरियों की छल्ली लगाई गई थी और उसे रस्सी के सहारे बांधा गया था। उक्त ओवरलोड ट्रैक्टर को चालक सुखचंद सुलाखे चला रहा था। दोपहर करीब ३ बजे जैसे ही ट्रैक्टर रामपायली मार्ग पर आंबेडकर मंगल भवन के सामने पहुंचा अत्यधिक दबाव के कारण ट्रॉली के पीछे के दरवाजे का एक किनारा अचानक उखड़ गया। दरवाजा खुलते ही पूरी ट्रॉली का संतुलन बिगड़ गया और वह अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर ही पलट गई। ट्रॉली पलटते ही चीख पुकार की स्थिति बन गई लेकिन चालक सुखचंद सुलाखे ने सूझबूझ दिखाते हुए ट्रैक्टर को पलटने से बचा लिया। व्यस्त मार्ग होने के बावजूद हादसे के वक्त कोई राहगीर बगल से नहीं गुजर रहा था जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। दुर्घटना के बाद सड़क अवरुद्ध हो गयी लोगो ने दूसरे साइड से आवागमन किया करीब एक घंटे तक यह मुख्य मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध रहा। घटना के तुरंत बाद चालक और उसके साथ मौजूद मजदूर ने स्थानीय लोगों की मदद से सड़क पर बिखरी बोरियों को हटाने और ट्रॉली को सीधा करने का कार्य शुरू किया जिसके बाद यातायात बहाल हो सका।

कोथुरना से राईस मिल धान की बोरिया जा रही थी - सुखचंद सुलाखे

ट्रैक्टर चालक सुखचंद सुलाखे ने बताया की हम ग्राम कोथुरना से धान भरकर वारासिवनी की संचेती राइस मिल जा रहे थे। अचानक ट्रॉली के पीछे के दरवाजे का किनारा टूटने से संतुलन बिगड़ गया और ट्रॉली पलट गई। अच्छी बात यह रही कि इस दुर्घटना में किसी को चोट नहीं आई है। ट्रैक्टर को पलटने से बचा लिया गया था और बोरियों को किनारे कर रास्ता साफ करने का प्रयास किया गया।

विकास के दावों के बीच बदहाली के आंसू रो रहा सरंडी का यात्री प्रतीक्षालय

भीषण गर्मी में पेड़ और दुकानों की छांव में बस का इंतजार करने को मजबूर राहगीर

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। विकास और आधुनिक सड़कों के दावों के बीच जमीनी हकीकत आज भी राहगीरों और ग्रामीणों के लिए मुश्किलें खड़ी कर रही है। कुछ ऐसा ही नजारा वारासिवनी से कटंगी मार्ग पर देखने को मिल रहा है। जहां ग्राम सरंडी के मुख्य टर्निंग पर बना यात्री प्रतीक्षालय अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। देखरेख के अभाव में यह प्रतीक्षालय अब खंडहर में तब्दील होने की कगार पर पहुंच चुका है। जिसके कारण यात्रियों और राहगीरों को इस तपती भीषण गर्मी में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

सड़क ऊंची हुई पर नीचे दब गई व्यवस्थाएं

प्राप्त जानकारी के अनुसार वारासिवनी कटंगी मार्ग पर रेलवे अंडर ब्रिज से ग्राम सरंडी के लिए एक मुख्य सड़क निकलती है। इसी टर्निंग पर यात्रियों की सुविधा के लिए वर्षों पहले एक यात्री प्रतीक्षालय का निर्माण कराया गया था। परंतु कुछ वर्ष पूर्व हुए सड़क निर्माण के बाद मुख्य मार्ग काफी ऊंचा हो गया जिससे यह प्रतीक्षालय सड़क की सतह से थोड़ा नीचे धंस गया है। निर्माण एजेंसी और संबंधित विभाग ने सड़क तो चमका दी लेकिन इस सार्वजनिक भवन को उसके हाल पर ही छोड़ दिया। वर्तमान स्थिति यह है कि देखरेख और रखरखाव के अभाव में पूरा यात्री प्रतीक्षालय परिसर बेतहाशा उग आई कटीली झाड़ियों से घिर चुका है। भवन के भीतर और आसपास गंदगी का अंबार लगा हुआ है। भवन की दीवारें और छत जर्जर हो चुकी हैं यह प्रतीक्षालय अब यात्रियों के बैठने योग्य ना रहकर असामाजिक तत्वों या मवेशियों का अड्डा और एक अनुपयोगी खंडहर मात्र बनकर रह गया है। यात्री प्रतीक्षालय के बंद और जर्जर होने का सबसे बड़ा खामियाजा स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों को भुगतना पड़ रहा है। वर्तमान में पड़ रही भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप में यात्रियों के पास सिर छुपाने की कोई सुरक्षित जगह नहीं है। मजबूरन महिलाओं बच्चों और बुजुर्गों को सड़क किनारे किसी पेड़ की छांव तलाशनी पड़ती है या फिर निजी दुकानों के सामने खड़े होकर घंटों यात्री वाहनों का इंतजार करना पड़ता है। विदित हो कि वारासिवनी कटंगी मुख्य मार्ग से करीब १ किलोमीटर अंदर ग्राम सरंडी बसा हुआ है। यह मार्ग बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां से सीधा रास्ता नेवरगांव, लोहारा, कोपे और लालबर्रा जैसे बड़े ग्रामीण क्षेत्रों के लिए निकलता है। इन गांवों के लोग कटंगी या अन्य शहरों की ओर जाने के लिए इसी शॉर्टकट मार्ग से होकर सरंडी टर्निंग पर आते हैं और यहीं से बस या अन्य यात्री वाहन पकड़ते हैं। प्रतिदिन यहां से दर्जनों लोग अपनी मंजिलों के लिए सफर शुरू करते हैं, जिन्हें हर दिन इस अव्यवस्था से दो.चार होना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि जब सड़क का निर्माण या चौड़ीकरण किया जा रहा था तब निर्माण कंपनी और संबंधित विभाग या जिम्मेदार एजेंसी को इस बात पर ध्यान देना चाहिए था कि सड़क ऊंची होने से इस सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान ना पहुंचे। नियमानुसार इसकी मरम्मत कर इसे दोबारा जनउपयोगी बनाया जाना था लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने इसे पूरी तरह नजर अंदाज कर दिया। आज तक यहां सुधार कार्य के नाम पर एक ईंट भी नहीं रखी गई है। सड़क किनारे अपनी बारी का इंतजार कर रहे यात्रियों और सरंडी के ग्रामीणों ने शासन प्रशासन के प्रति गहरा आक्रोश व्यक्त कर जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि इस समस्या को गंभीरता से लिया जाए। जर्जर हो चुके यात्री प्रतीक्षालय की सुध लेकर तत्काल इसकी झाड़ियों को साफ कराया जाए। भवन की मरम्मत कर इसे नए सिरे से उपयोग योग्य बनाया जाए, ताकि आने वाले समय में यात्रियों को मौसम की मार और इस असुविधा से निजात मिल सके।

यात्री प्रतीक्षालय में अव्यवस्था का आलम बना हुआ है-फुलेश्वरी

यात्री फुलेश्वरी मूर्खे ने बताया कि मैं सरण्डी रहती हूं वारासिवनी हमें जाना है तो हम यहां पर खड़े हैं और बस का इंतजार कर रहे हैं। इस धूप में हमें यात्री प्रतीक्षालय नहीं होने के कारण खड़ा होना पड़ रहा है पुराना यहां पर एक प्रतीक्षालय है परंतु वह दबा हुआ है। यहां पर हमारे बैठने और पीने के पानी की व्यवस्था होनी चाहिए परंतु कुछ नहीं है। गांव से यहां तक का सफर कर खड़े रहते हैं बस का इंतजार करते हैं ज्यादा थकान होने पर जमीन पर ही बैठ जाते हैं। अकेले सरण्डी ही नहीं अन्य गांव के भी लोग यहीं से बस पकड़ने आते हैं यहां पर किसी प्रकार से बैठने की व्यवस्था नहीं है और ना ही कोई सुविधा है। जहां अच्छा लगे वहां खड़ा रहेकर यात्री वाहन का इंतजार करना पड़ता है।

यात्री प्रतीक्षालय है की मरम्मत कर सुविधा जनक बनाया जायें-रविंद्र गौतम

राहगीर रविंद्र गौतम ने बताया कि यहां सरंडी के मोड पर यात्री प्रतीक्षालय काफी दिनों से अस्त.व्यस्त पड़ा हुआ है। वारासिवनी से कटंगी रोड़ जब यहां पर बनाई गई तो रोड़ थोड़ी ऊंची हो गई प्रतीक्षालय हल्का दब गया। सरण्डी के आगे करीब आधा दर्जन ग्राम के लोग इसी मार्ग से आकर कटंगी क्षेत्र के लिए यहां पढ़ते हैं। अभी बहुत ज्यादा धूप है तो यह पेड़ की छांव में खड़े रहते हैं सड़क विभाग एवं एजेंसी के द्वारा यात्री प्रतीक्षालय पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है ना ही उसकी मरम्मत साफ सफाई कुछ भी नहीं की गई है। जबकि यह होना था कि यात्रियों को सहूलियत हो परंतु यह वृक्ष के नीचे बैठ रहे हैं इसके लिए जिम्मेदार संबंधित विभाग है उन्हें देखना चाहिए कि हमने सड़क बनाई है रोड किनारे यात्री प्रतीक्षालय है तो इसकी सुविधा करें या कहां क्या होना चाहिए। यह उनकी जिम्मेदारी है हम चाहते हैं कि या जो पुराना यात्री प्रतीक्षालय है इसकी मरम्मत की जाए ताकि लोगों को सुविधा मिल सके।

अवैध वसूली मामले में सातवां फरार आरोपित चढ़ा पुलिस के हाथ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी पुलिस ने बुधवार को अवैध वसूली मामले में फरार चल रहे सातवें आरोपित फारुख खान बालाघाट निवासी को हिरासत में लिया है आरोपित को न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस ने बताया कि ग्राम खैरी निवासी हंसराज लिल्हारे ने पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में शिकायत की थी कि कुछ लोगों ने उसे धमकी देकर उससे जबरन वसूली की गई थी। जिस पर खैरलांजी थाने में शिकायत जांच पत्र क्रमांक ९९६/२०२६ ९ मई २०२६ आई थी। जिसमें आवेदक हंसराज के कथन सीडीआर लोकेशन काल डिटेल कैनरा बैंक की जानकारी बातचीत की पेन ड्राइव में रिकार्डिंग सुनने का पंचनामा वन विभाग से जानकारी में पाया गया कि १२ मार्च सुबह से १२ बजे पिंडकेपार में था। जहां प्रफ्फुल चित्रिव व ब्रजेश मिश्रा निवासी रामपायली, अलीम खान, फारुख खान व अभिषेक सोनी निवासी बालाघाट और सोनझरा निवासी संतोष शिवलाल व एक अन्य ने आवेदक हंसराज लिल्हारे को डरा धमका कर और मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हुए उससे दो लाख रुपये की मांग की गई। जिसके बाद आरोपितों ने आवेदक से ९० हजार रुपये फोन पे के माध्यम से आनलाइन लिए। शिकायत पर हुई जांच पश्चात शिकायत सही पाए जाने पर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस ने बीएनएस २०२३ की धारा ३०८,५ और धारा २९६ बी के तहत अपराध पंजीबद्ध कर पूर्व में छह आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया था। जो जमानत पर रिहा हो गए है। बुधवार को मुखबिर की सूचना पर फरार सातवां आरोपित फारुख खान बालाघाट निवासी को गिरफ्तार कर उसे वारासिवनी न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे जमानत मिल गई। बताया जा रहा है कि पुलिस ने अवैध वसूली बाजों पर जब से शिकंजा कसना शुरू किया है, उसके बाद से ग्रामीण अंचलों के लोगों को थोड़ी बहुत राहत मिलने लगी है। क्योंकि अब ऐसा कार्य करने वाले लोग भी इस तरह की वारदात करने से पहले हजारों बार सोचेंगे और दूर रहने का प्रयास करेंगे।

धान के कटोरे से सेब के बागानों तक-हक की लड़ाई और हाशिए पर खेती

आजादी के अमृतकाल से गुजरते भारत में आज जय जवान, जय किसान का नारा केवल राजनीतिक रैलियों और दीवारों पर लिखे विज्ञापनों तक सिमट कर रह गया है। सच तो यह है कि जिसे हम देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहते हैं, वह कृषि क्षेत्र आज नीतिगत उपेक्षा, आर्थिक विसंगतियों, ढांचागत विकास के क्रूर अंतर्विरोधों और जलवायु परिवर्तन के जानलेवा चक्रव्यूह में फंसा हुआ है। देश का पेट भरने वाला अन्नदाता आज अपने ही वजूद को बचाने के लिए एक ऐसे दर्दनाक मोड़ पर खड़ा है, जहाँ व्यवस्था चमचमाते शहरों की चकाचौंध में गांवों की सिसकियों को सुनना भूल गई है। उत्तर के मैदानी इलाकों से लेकर पूर्वोत्तर की वादियों, मध्य भारत के आदिवासी अंचलों, दक्षिण के सूखे पठारों और हिमालय की सर्द घाटियों तक, हर राज्य के किसान की आँखों में एक ही बेबसी और व्यवस्था के खिलाफ एक गहरी टीस साफ देखी जा सकती है। इसी अन्याय के खिलाफ अब देश की सर्वोच्च अदालत की दहलीज पर व्यवस्था के गणित को सीधी चुनौती दी गई है। देश के अन्नदाताओं को न्याय दिलाने के लिए सिफा (कंसोर्टियम ऑफ इंडियन फार्मर्स एसोसिएशन) के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री प्रकाश पोहरे जी के नेतृत्व में एक ऐतिहासिक जनहित याचिका (ब्हुरु) सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई है, जिसका एक ही संकल्प है कि किसान अब मजबूर नहीं, आत्मनिर्भर और मजबूत बने। इस पूरे मिशन को सिफा के संस्थापक, श्री पी. चेंगल रेड्डी जी का मार्गदर्शन मिल रहा है। देश के 60 से अधिक किसान संगठनों का नेतृत्व करने वाला सिफा पिछले 17 सालों से भारतीय कृषि की दशा और दिशा बदलने में जुटा है। एक गौरवशाली अम्ब्रेला ऑर्गेनाइजेशन के तौर पर, सिफा ने निरंतर संघर्ष किया है और आज न्याय के इस धर्मयुद्ध में प्रख्यात वकील प्रशांत भूषण जी निस्वार्थ भाव से किसानों के साथ खड़े हैं, क्योंकि वो जानते हैं कि यह लड़ाई देश की मिट्टी बचाने की लड़ाई है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस पुकार को स्वीकार कर लिया है, जो इस संघर्ष की सच्चाई का सबसे बड़ा प्रमाण है। अदालत में पहुँचने वाली हर सौ याचिकाओं में से मुश्किल से दो स्वीकार होती हैं, और इस याचिका का स्वीकार होना ही किसानों की पहली और बड़ी जीत है। आखिर सवाल यह है कि अगर आज किसी सरकारी कर्मचारी की तनख्वाह को 15 साल पुराने स्तर पर लाकर खड़ा कर दिया जाए, तो क्या उसका चूल्हा जलेगा? फिर पूरी दुनिया की भूख मिटाने वाला हमारा किसान खुद तंगहाली की बेड़ियों में क्यों जकड़ा है? साल 2012 में जो कपास 10,000 रुपये क्विंटल बिकती थी, आज डेढ़ दशक बाद उसकी न्यूनतम समर्थन मूल्य (स्वक्ष) घटाकर सिर्फ 8,110 रुपये क्यों कर दी गई? जब खाद, बीज, कीटनाशक और डीजल सब महंगे हैं, तो किसान की मेहनत कौड़ियों के भाव क्यों आंकी जा रही है? किसानी द्वारा की जा रही आत्महत्याएँ कोई इत्तेफाक नहीं हैं, बल्कि ये गलत नीतियों द्वारा किया गया क्रूर शिकार हैं। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट से साफ कहा गया है कि स्वक्ष सिर्फ कागज पर लिखी कोई संख्या नहीं, बल्कि किसान का कानूनी अधिकार होना चाहिए, क्योंकि बिना कानूनी गारंटी की स्वक्ष बिना धार की तलवार जैसी है। यदि हम उत्तर और पश्चिम भारत के उन राज्यों पर नजर डालें जिन्हें हम समृद्ध कहने की भूल कर बैठते हैं, तो पंजाब और हरियाणा आज इसी नीतिगत और प्राकृतिक त्रासदी का सामना कर रहे हैं। इन राज्यों ने कभी हरित क्रांति के दौर में अपनी मिट्टी की परवाह किए बिना पूरे देश का पेट भरने के लिए अपने खेतों को झोंक दिया था।

मनुष्य आजीवन कामनाओं का दास बना रहकर लोभ, मोह, माया, क्रोध व काम में फंसा रहता है

चाह गई चिंता मिटी, मनुआ बे परवाह।
जिनको कछू न चाहिए, वे साहन के साह।।

वर्ष 1972 में अपना प्रेम फिल्म का आनंद बख्शी द्वारा लिखित गीत, कुछ तो लोग कहेंगे लोगों का काम है कहना, छोड़ो बेकार की बातों में कहीं बीत ना जाए रैना तथा बड़े बुजुर्गों की कहावतों को व्यवहारिक जीवन में सटीक सत्यता को सिद्ध होते हुए हम अपने दैनिक जीवन में कई बार सुनते, देखते और महसूस करते रहते हैं परंतु फिर भी उनकी दी हुई सटीक सीख, प्रेरणा और मंत्रों का उपयोग नहीं करके अपनी परेशानी का सारा दोष अपने प्रतिद्वंदीयों, आस-पड़ोस, और आगे कुछ समझ नहीं आया तो ईश्वर अल्लाह पर धकेल देते हैं, मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र माननता हूँ कि यह हमारी सबसे बड़ी मूर्खता है। बड़े बुजुर्गों की कहावतें- आप बैल मुझे मार, दूर के ढोल सुहाने लगते हैं, एक उंगली दूसरे पर उठाते ही तीन उंगलियां तुम्हारी तरफ उठती है, अपनी मस्ती में मस्त रहो सहित अनेक कहावतें जीवन में सटीक बैठती है क्योंकि हमारे दैनिक जीवन में अनेक साधारण बातें और संदेहर हमारे दिनचर्या में परेशानी खड़ी करते हैं इसलिए उनसे बचनें हमें बेपरवाही मंत्र का उपयोग करना होगा। इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से बेपरवाह होने और उसके गुण दोषों पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम चिंता, परेशानी को दूर करने बेपरवाह होने का अस्त्र अपनाने की करें तो,लगातार चिंता और संदेह हमें प्रतिदिन परेशान कर सकते हैं और हमारे तनाव का स्तर भी बढ़ा सकते हैं। यह भावनाएँ और उच्च तनाव स्तर हमको कुछ भी करने से और अपनी पसंद की चीजों का आनंद लेने से बाधित कर सकती हैं। अपने मस्तिष्क का थोड़ा सा ध्यान रखिए कि निष्पक्षता भावनात्मक प्रतिबद्धता के समय ही सबसे अच्छी तरह से प्रदर्शित होती है। यह अपनी भावनाओं को छुपाने और लोगों को भयभीत न होने देने की सर्वश्रेष्ठ विधि है। यह आपको किसी मजबूत तथा पाषाण जैसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित कर सकती है।लोगों की भावनाओं के प्रति संवेदनशील रहिए। बहुत अधिक बेपरवाही से लोगों को चोट पहुँच सकती है और वे आपसे दूर हो सकते हैं। दुर्भाग्यवश, यह आपके प्रिय को भी, यदि आप सावधान नहीं रहे तो, आपसे दूर कर सकता है करके हम बेपरवाह बन सकते हैं और चीजों को स्वयं को परेशान नहीं करने दे सकते हैं। हम तो मजबूत चीजों से बने हैं और हमको कुछ भी गिरा नहीं सकता है।

मनुष्य के लिये आरे के समान है 'माया'

साथियों बात अगर हम बेपरवाह नहीं होने याने परवाह करने वाले की करें तो, वे लोग जो उतने बेपरवाह नहीं हैं (आप कह सकते हैं, परवाह करने वाले), अपने जीवन को दूसरों की कही हुयी विधि से बदलने में व्यस्त हैं। वे दूसरों के द्वारा स्वीकार किए जाने, और प्रेम किए जाने के लिए इतना कठोर प्रयास करते हैं ताकि सब कुछ बिल्कुल वैसा ही हो जाये। संक्षेप में, वे बहुत अधिक परवाह करते हैं।और उन चीज़ों के बारे में, जिनका कुछ अर्थ ही नहीं है। इस जीवन शैली की, और दूसरों के जीवन की हम नकल न करें, अपनी शैली से जीवन जिएँ। हमें दूसरों के कहने की तो परवाह तो बिल्कुल नहीं करना चाहिए- हमें वही करना चाहिए जिससे हमको प्रसन्नता मिले।

साथियों बात अगर हम बेपरवाही में अपनें शारीरिक लैंग्वेज को ढालने की करें तो, हमें अपने हाव भाव का ध्यान रखिए- कभी कभी हम चाहे जितनी शांति और धैर्य की बातें करें, हमारे हाव भाव से रहस्य खुल जाता है। हमारी आवाज़ तो निकलती है, कोई बात नहीं। चिंता मत करिए, मगर हमारे कानों से धुआँ निकल रहा होता है और मुट्ठियाँ बंधी होती हैं। यह कोई छुपी बात नहीं होगी क्योंकि सभी लोग असलियत तो समझ ही जाएँगे। इसलिए जब हम बेपरवाही से बोल रहे हों, तब सुनिश्चित करें कि हमारा शरीर भी उसका समर्थन करे। हमारा शरीर कैसे स्थापित होगा, यह हमारी परिस्थिति पर निर्भर करेगा। जब तकहम चिंतित और परेशान (और बेपरवाह नहीं) होंगे तब मुख्य बात यह होगी कि हमारी मांसपेशियाँ तनी होंगी। यदि हम सोचते हैं कि हमारे हाव भाव से बात खुल जाएगी, तब अपने शरीर को ऊपर से नीचे तक देखिये और जानबूझ कर यह तय करिए कि हर भाग शांत रहे। यदि ऐसा नहीं हो, तब उसे ढीला करिए। मानसिक बेपरवाही यहीं से आएगी।

साथियों बात अगर हम बेपरवाह पर रहीम के दोहे और उसके अर्थ की करें तो

चाह गई चिंता मिटी, मनुआ बे परवाह।
जिनको कछू न चाहिए, वे साहन के साह।।

इसका अर्थ-

एक कामना पूरी होती है तो दूसरी कामना सिर उठाती है। कामनाओं को कैसे सिद्ध किया जाए, इसी चिंता में मनुष्य घुलता रहता है। वह जीवन को पूरी समग्रता से नहीं जी पाता। वह आजीवन कामनाओं का दास बना रहकर लोभ, मोह, माया, क्रोध व काम में फंसा रहता है। उसका एक पल भी शांतिपूर्वक व्यतीत नहीं होता। इसके विपरित रहीम कहते हैं, यदि कामना न रहे, चाह का लोप हो जाए तो चिंता से मुक्ति मिल जाती है। सिर से सारा बोझ उतर जाता है और मन निश्चिंत और लापरवाह हो जाता है। सच तो यह है कि जिनको कुछ नहीं चाहिए होता, जो कामना रहित होते हैं, वे शाहों के भी शाह होते हैं।

साथियों बात अगर हम बेपरवाह होने के अर्थ को स्वयं को गंभीरता से ना लेने, हर स्थिति में हास्य खोजने की करें तो,स्वयं को (या किसी भी और चीज़ को) बहुत गंभीरता से नां लें- सारा जीवन तब कहीं अधिक सरल हो जाता है जब हमर इस निर्णय पर पहुँच जाते हैं कि कोई भी बात इतनी बड़ी नहीं है। हम सभी इस धरती पर एक रेत के कण के समान हैं और यदि सब कुछ हमारे हिसाब से ठीक नहीं हो रहा है, तब मान लीजिये कि ऐसा ही होना था। बुरी चीज़ें होंगी और अच्छी चीज़ें भी अवश्य ही होंगी। इसके बारे में परेशान क्यों हुआ जाये? हर स्थिति में हास्य खोजिए- बेपरवाह होने का अर्थ यह नहीं है कि आप प्रसन्न नहीं रहेंगे, इसका अर्थ है कि आप जल्दी ही परेशान, नाराज़, या तनावग्रस्त नहीं हो जाएंगे। और यह किया कैसे जाएगा? जब प्रत्येक वस्तु हास्यप्रद हो, तब यह अच्छी शुरुआत होगी। जिस प्रकार से हर बात में कुछ अच्छी बात अवश्य होती है, अधिकांश चीज़ों में हास्य का पुट भी होता ही है।अपनी ढेरों भावनाओं का प्रदर्शन मत करिए- बेपरवाह की परिभाषा ही है कि वह लगभग 24/7 धैर्यवान और शांत बने रहें। आप हल्की फुली रुचि या प्रसन्नता प्रदर्शित कर सकते हैं-या थोड़ी निराशा और परेशानी भी-परंतु अंदर से आपमें गहरी झील जैसी जैसी शांति बनी रहती है। इसका अर्थ यह नहीं है कि आप भावना रहित या ठंढे रहेंगे, यह तो शांत रहने की बात है। साथियों बात हम बेपरवाह होने पर ध्यान रखने वाली बातों की करें तो, निष्पक्षता भावनात्मक प्रतिबद्धता के समय ही सबसे अच्छी तरह से प्रदर्शित होती है। यह अपनी भावनाओं को छुपाने और लोगों को भयभीत न होने देने की सर्वश्रेष्ठ विधि है। यह हमको किसी मज़बूत तथा पाषाण जैसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित कर सकती है। लोगों की भावनाओं के प्रति संवेदनशील रहिए। बहुत अधिक बेपरवाही से लोगों को चोट पहुँच सकती है और वे आपसे दूर हो सकते हैं। दुर्भाग्यवश, यह आपके प्रिय को भी, यदि आप सावधान नहीं रहे तो, आपसे दूर कर सकता है

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि बेपरवाह, साधारण बातों और संदेह से खुद को परेशानी से बचाने बेपरवाह होना एक सटीक मंत्र हैं। साधारण बातों से आए हाईटेंशन को भगाने अपने मस्तिष्क का थोड़ा पुनर्केंद्रीकरण कर बेपरवाही रूपी अस्त्र का प्रयोग जरूरी है

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

टीबी अब लाइलाज नहीं समय पर पहचान और उपचार से संभव है पूरी तरह स्वस्थ जीवन

एक समय था जब टीबी यानी क्षय रोग का नाम सुनते ही मरीज और उसके परिवार में डर का माहौल बन जाता था। लोगों को लगता था कि यह बीमारी जीवन भर पीछा नहीं छोड़ेगी और इसका इलाज संभव नहीं है। जानकारी की कमी और स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव के कारण अनेक मरीज समय पर उपचार नहीं ले पाते थे। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में चिकित्सा विज्ञान ने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज टीबी का प्रभावी इलाज उपलब्ध है और लाखों मरीज पूरी तरह स्वस्थ होकर सामान्य जीवन जी रहे हैं। यही कारण है कि अब टीबी को लाइलाज बीमारी नहीं माना जाता बल्कि समय पर पहचान और नियमित उपचार से इसे पूरी तरह ठीक किया जा सकता है।

टीबी एक संक्रामक रोग है जो मुख्य रूप से फेफड़ों को प्रभावित करता है। यह बीमारी माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस नामक जीवाणु के कारण होती है। संक्रमित व्यक्ति के खांसने छींकने या बोलने के दौरान निकलने वाली सूक्ष्म बूंदों के माध्यम से यह दूसरे लोगों तक फैल सकती है। हालांकि यह बीमारी केवल फेफड़ों तक सीमित नहीं रहती बल्कि शरीर के अन्य अंगों जैसे हड्डियों लिम्फ नोड्स मस्तिष्क और गुर्दों को भी प्रभावित कर सकती है।

भारत लंबे समय से दुनिया में टीबी से सबसे अधिक प्रभावित देशों में शामिल रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 2030 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य रखा है जबकि भारत ने इससे पहले ही टीबी मुक्त बनने का संकल्प लिया था। हालांकि यह लक्ष्य अभी पूरी तरह हासिल नहीं हो पाया है लेकिन सरकार और स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जागरूकता अभियान बेहतर जांच सुविधाएं और मुफ्त उपचार जैसी योजनाओं ने इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

राजस्थान सहित देश के कई राज्यों में टीबी मरीजों की पहचान के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। 24 मार्च से शुरू किए गए 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत हाई रिस्क गांवों और क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर स्क्रीनिंग की जा रही है। आधुनिक तकनीक से लैस पोर्टेबल एक्स रे मशीनों का उपयोग किया जा रहा है जो गांव गांव पहुंचकर लोगों की जांच कर रही हैं। इन मशीनों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सॉफ्टवेयर लगा है जो मौके पर ही टीबी की आशंका का संकेत दे सकता है। इससे संदिग्ध मरीजों की पहचान तेजी से हो रही है और उन्हें समय पर उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है।

टीबी की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि लोग शुरुआती लक्षणों को सामान्य बीमारी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। दो सप्ताह से अधिक समय तक लगातार खांसी रहना टीबी का प्रमुख संकेत माना जाता है। इसके अलावा बुखार का बार बार आना रात में अत्यधिक पसीना आना वजन कम होना भूख न लगना सीने में दर्द होना सांस फूलना थकान बने रहना और बलगम में खून आना भी इसके महत्वपूर्ण लक्षण हैं। यदि किसी व्यक्ति में ये लक्षण दिखाई दें तो तुरंत जांच करानी चाहिए। समय पर जांच होने से बीमारी गंभीर होने से पहले ही पकड़ में आ जाती है।

आज टीबी की जांच पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान और सटीक हो गई है। न्यूक्लिक एसिड एम्प्लीफिकेशन टेस्ट जैसी आधुनिक जांच तकनीकों के माध्यम से कुछ ही समय में रोग की पुष्टि की जा सकती है। देशभर में सैकड़ों आधुनिक मशीनें स्थापित की गई हैं जिनसे छिपे हुए मरीज भी सामने आ रहे हैं। इससे संक्रमण के प्रसार को रोकने में मदद मिल रही है और मरीजों को शीघ्र उपचार मिल रहा है।

टीबी के इलाज में सबसे महत्वपूर्ण बात नियमित दवा सेवन है। सरकार की ओर से टीबी मरीजों को मुफ्त दवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। उपचार की अवधि सामान्यत: छह महीने या उससे अधिक हो सकती है जो बीमारी की गंभीरता पर निर्भर करती है। कई बार मरीज शुरुआती सुधार के बाद दवाएं लेना बंद कर देते हैं जिससे बीमारी दोबारा उभर सकती है और दवाओं के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो सकती है। इसलिए चिकित्सकों की सलाह के अनुसार पूरा उपचार लेना अत्यंत आवश्यक है।

पोषण भी टीबी उपचार का महत्वपूर्ण हिस्सा है। संतुलित आहार शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और मरीज को जल्दी स्वस्थ होने में सहायता करता है। पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन विटामिन और खनिज तत्वों का सेवन लाभकारी होता है। सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत टीबी मरीजों को पोषण सहायता भी प्रदान की जाती है ताकि उपचार के दौरान उन्हें आवश्यक पोषण मिल सके।

टीबी को लेकर समाज में फैली भ्रांतियां भी एक बड़ी समस्या रही हैं। कई लोग इस बीमारी को सामाजिक कलंक के रूप में देखते हैं जिसके कारण मरीज अपनी बीमारी छिपाने की कोशिश करते हैं। इससे उपचार में देरी होती है और संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है। आवश्यकता इस बात की है कि टीबी को एक सामान्य इलाज योग्य बीमारी के रूप में देखा जाए और मरीजों को सामाजिक सहयोग तथा मानसिक समर्थन दिया जाए।

कोविड महामारी के दौरान टीबी नियंत्रण कार्यक्रमों पर भी असर पड़ा था जिससे कई मरीज समय पर जांच और उपचार से वंचित रह गए। लेकिन अब स्वास्थ्य विभाग फिर से सक्रिय होकर व्यापक स्तर पर जांच अभियान चला रहा है। गांवों और दूरदराज क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं ताकि कोई भी मरीज उपचार से वंचित न रहे।

टीबी के खिलाफ लड़ाई केवल सरकार या स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि इसमें पूरे समाज की भागीदारी आवश्यक है। यदि किसी व्यक्ति में लक्षण दिखाई दें तो उसे जांच के लिए प्रेरित करना चाहिए। परिवार और समुदाय का सहयोग मरीज के आत्मविश्वास को बढ़ाता है और उपचार पूरा करने में मदद करता है।

आज चिकित्सा विज्ञान और सरकारी प्रयासों की बदौलत टीबी का सफल उपचार संभव है। लाखों लोग इस बीमारी को हराकर स्वस्थ जीवन जी रहे हैं। इसलिए टीबी के लक्षण दिखने पर घबराने की नहीं बल्कि तुरंत जांच और उपचार शुरू कराने की जरूरत है। जागरूकता समय पर पहचान नियमित दवा सेवन और संतुलित पोषण के माध्यम से टीबी को पूरी तरह हराया जा सकता है। यदि समाज और स्वास्थ्य तंत्र मिलकर प्रयास करें तो टीबी मुक्त भारत का सपना भी निश्चित रूप से साकार हो सकता है।

-ललित गर्ग

क्लिक से पहले सोचें- सोशल मीडिया सुरक्षा के मूल मंत्र।

-सुनील कुमार महला

आज का युग सोशल नेटवर्किंग साइट्स, इंटरनेट,एआइ का युग है और कहना गलत नहीं होगा कि आज के समय में सोशल मीडिया बच्चों और किशोरों के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। हालांकि, इसके अनेक लाभ हैं, लेकिन इसके बढ़ते दुष्प्रभावों को लेकर दुनिया भर में चिंता भी बढ़ रही है। इसी कारण संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग ने बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नई मार्गदर्शिका जारी की है।इस क्रम में बहरहाल,यहां पर पाठकों को बताता चलूं कि संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय ने हाल ही में बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा सही रखना(गेटिंग चिल्ड्रेन्स सेफ्टी आनलाइन राइट) नामक एक मार्गदर्शिका (गाइडलाइंस) जारी की है। इसका उद्देश्य सोशल मीडिया और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को बच्चों तथा किशोरों के लिए अधिक सुरक्षित बनाना है। अब यहां प्रश्न यह उठता है कि आखिर यह मार्गदर्शिका क्यों जारी की गई है? तो इस प्रश्न का सीधा सा और सटीक उत्तर यह है कि आज बच्चे और किशोर इंटरनेट पर कई प्रकार के खतरों(जैसा कि संयुक्त राष्ट्र ने कहा है) का सामना कर रहे हैं, जैसे कि साइबर बुलिंग, ऑनलाइन यौन शोषण और उत्पीड़न,गोपनीयता (प्राइवेसी) का उल्लंघन, हिंसक, अश्लील या आत्महत्या को बढ़ावा देने वाली सामग्री, सोशल मीडिया की लत बढ़ाने वाले फीचर (इनफाइनाइट स्क्राल, आटो-प्ले, लगातार नोटिफिकेशन आदि) भ्रामक जानकारी और हेट स्पीच आदि। हाल फिलहाल, यदि हम यहां पर पर इस मार्गदर्शिका की प्रमुख बातों की बात करें तो इसमें सेफ बाइ डिजाइन सिद्धांत को अपनाने की बात कही गई है। अर्थात ऐसे प्लेटफॉर्म्स की डिजाइन ही ऐसी हो कि बच्चों की सुरक्षा पहले से सुनिश्चित हो। वास्तव में, केवल बच्चों को सोशल मीडिया से प्रतिबंधित करना ही पर्याप्त नहीं है। इसके लिए प्लेटफॉर्म कंपनियों को अपने एल्गोरिद्म और फीचर्स सुरक्षित बनाने होंगे। इतना ही नहीं, बच्चों का डेटा संग्रह और उसका व्यावसायिक उपयोग सीमित करने की आवश्यकता हैं तथा इसमें यह भी कहा गया है कि उनकी निजता की भी रक्षा की जानी चाहिए।सरल शब्दों में कहें तो आयोग का यह मानना है कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को इस तरह डिजाइन किया जाना चाहिए कि बच्चों की सुरक्षा, निजता और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता मिले।हानिकारक सामग्री, ऑनलाइन शोषण और साइबर बुलिंग को रोकने के लिए मजबूत निगरानी और शिकायत तंत्र विकसित किए जाने की आवश्यकता हैं। यह भी कहा गया है कि सरकारों को ऐसे कानून और नियम बनाने चाहिए जो बच्चों के डिजिटल अधिकारों और सुरक्षा दोनों को सुनिश्चित करें। संयुक्त राष्ट्र का यह कहना है कि बच्चों को इंटरनेट से दूर करना ही समस्या का समाधान नहीं है। उन्हें शिक्षा, संवाद और जानकारी के लिए डिजिटल दुनिया तक पहुंच भी चाहिए। इसलिए आवश्यक है कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बच्चों के लिए सुरक्षित, जिम्मेदार और अधिकार-आधारित डिजिटल वातावरण तैयार करें। कहना गलत नहीं होगा कि वास्तव में यह मार्गदर्शिका सरकारों, टेक कंपनियों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के लिए एक दिशा-निर्देश है, ताकि किशोरों को ऑनलाइन दुनिया के खतरों से बचाते हुए उन्हें सुरक्षित डिजिटल वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

यहां पर यह गौरतलब है कि विश्व में कई देशों ने 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर प्रतिबंध लगाने या उसे नियंत्रित करने की दिशा में कदम उठाए हैं।पाठक जानते होंगे कि ऑस्ट्रेलिया ने इस संबंध में कानून भी बना दिया है, जबकि फ्रांस, स्पेन, यूनान, डेनमार्क, इंडोनेशिया और मलेशिया जैसे देश भी ऐसे उपायों पर काम कर रहे हैं। हालांकि कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि पूर्ण प्रतिबंध लगाने से बच्चे अधिक जोखिम वाले और अनियंत्रित ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की ओर जा सकते हैं, जिससे खतरे और बढ़ सकते हैं। हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि पिछले कुछ सालों में भारत में भी इंटरनेट और सोशल मीडिया का उपयोग करने वाले बच्चों की संख्या तेजी से बढ़ी है। सच तो यह है कि देश में स्मार्टफोन और सस्ते इंटरनेट की उपलब्धता ने बच्चों को कम उम्र में ही डिजिटल दुनिया से जोड़ दिया है। हाल के एनुअल स्टेटस आफ एजुकेशन रिपोर्ट(एएसईआर)-2024 सर्वेक्षण के अनुसार 14-16 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 82त्र बच्चे स्मार्टफोन चलाना जानते हैं, जबकि 76त्र बच्चे सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं। लगभग 90त्र बच्चों के घरों में स्मार्टफोन उपलब्ध है। भारत में 2024 की शुरुआत तक 75 करोड़ से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता और 46 करोड़ से अधिक सोशल मीडिया उपयोगकर्ता थे, जिससे बच्चों की ऑनलाइन भागीदारी भी तेजी से बढ़ी है। बढ़ती डिजिटल पहुंच ने बच्चों को शिक्षा, जानकारी और संवाद के नए अवसर दिए हैं, लेकिन इसके साथ साइबर बुलिंग, ऑनलाइन शोषण, गोपनीयता के खतरे, फर्जी जानकारी और डिजिटल लत जैसी चुनौतियां भी बढ़ी हैं। इसी कारण बच्चों को ऑनलाइन सुरक्षा, डिजिटल साक्षरता और जिम्मेदार सोशल मीडिया उपयोग आज एक महत्वपूर्ण सामाजिक और नीतिगत विषय बन गया है।पाठक जानते हैं कि कोरोना महामारी के बाद ऑनलाइन शिक्षा और डिजिटल गतिविधियों के विस्तार से बच्चों की इंटरनेट पर निर्भरता काफी बढ़ गई है। कई रिपोर्टों के अनुसार लंबे समय तक सोशल मीडिया का उपयोग बच्चों की एकाग्रता, सोचने-समझने की क्षमता और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। साइबर बुलिंग, ऑनलाइन शोषण, भ्रामक जानकारी और अनुचित सामग्री तक पहुंच जैसी समस्याएं भी गंभीर चिंता का विषय हैं।ऐसी स्थिति में केवल प्रतिबंध लगाना पर्याप्त समाधान नहीं माना जा सकता। आवश्यकता इस बात की है कि बच्चों को सुरक्षित डिजिटल वातावरण उपलब्ध कराया जाए। अभिभावकों की निगरानी, डिजिटल साक्षरता, सोशल मीडिया उपयोग की समय-सीमा, ऑटोप्ले और अनंत स्क्रॉलिंग जैसी सुविधाओं पर नियंत्रण तथा बच्चों के लिए सुरक्षित ऑनलाइन प्लेटफॉर्म विकसित करना महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। भारत की परंपरा संतुलन और समग्र दृष्टिकोण की रही है, इसलिए यहां भी ऐसा समाधान खोजने की जरूरत है जो बच्चों को इंटरनेट के लाभों से वंचित किए बिना उन्हें सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रख सके।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। माँग की सुस्तता से बुधवार को खाद्य तेलों में बाजार नरमी के रहे। तिलहनों में सोयाबीन मजबूत रहा। दलहनों में चना बाजार लटक पर रहे। किराना जिंसों में सामान्य ग्राहकी के बीच शक्कर में बाजार मजबूती बनाये रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार उठाव की सुस्तता के बीच बुधवार को खाद्य तेलों में बाजार नरमी के रहे। तिलहनों में सोयाबीन बाजार सुस्ती दिखा गये। दलहनों में चना मामूली लटक पर देखा गया। उधर, किराना जिंसों में शक्कर मजबूती पर रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4240-4330, खोपरा गोला 370-410, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1150-1350, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, बाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (320) 950-1000, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2200-2250, (160) 2500-2550, (200) 2300-2350, (250) 2600-2650

तेल- सींगदाना 1610-1630, मुम्बई 1630, राजकोट तेलिया 2505-2510, सोया साल्वेंट 1420-1425, सोया रिफाइंड 1480-1490, कपास्या 1500, धूलिया 1505, कड़ी 1510,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1550, मुम्बई पाम 1490, मुम्बई सोया 1510,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8300, रायडा 6800-7200, सोयाबीन 7000, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6150-6200, एवरेज 6000-6050, विशाल 6050-6100, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6100-6200, एवरेज 5900-6000, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7300-7400, मूंग पुराना बोल्ड 7900-8100, मीडियम 7600-7800, एवरेज 7000-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7700-7800, एवरेज 7200-7300, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7500-7600, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2450-2475, लोकवन एवरेज 2600-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2450-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2050-2100, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम रही। दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 251000, चाँदी (99) 250900, टंच 250100, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 149000,

रुपया गिरावट पर बंद

मुम्बई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 44 पैसे टूट कर 95.70 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपये में गिरावट दर्ज की गयी। आज सुबह दुनिया की 6 प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दिखाने वाला डॉलर इंडेक्स बढ़कर 99.24 के स्तर पर पहुंच गया। डॉलर की इस मजबूती का प्रभाव भारतीय मुद्रा पर भी पड़ा, वहीं पिछले कारोबारी सत्र में रुपया 0.28 फीसदी की गिरावट के साथ डॉलर के मुकाबले रुपया 95.27 के स्तर पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 303, निफ्टी 77 अंक नीचे आया

मुम्बई। एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुए। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट ईरान-अमेरिका तनाव के कारण दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आई है। , आज दिग्गज आईटी कंपनी इन्फोसिस, टीसीएस के अलावा टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक के शेयर टूट गये। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 303.67 अंक फिसलकर 74,346.17 अंकों पर बंद हुआ। जबकि, एनएसई का निफ्टी 50 इंडेक्स भी 77.95 अंक नीचे आकर 23,405.60 अंकों पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से केवल 11 कंपनियों के शेयर ही ऊपर आये। वहीं अन्य सभी 19 कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। दूसरी ओर निफ्टी की केवल 19 कंपनियों के शेयर ही तेजी के साथ बंद हुए। वहीं 30 शेयर गिरे। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल इंडिगो के शेयर आज सबसे ज्यादा 1.57 फीसदी उछले जबकि, टीसीएस के शेयर सबसे ज्यादा 8.43 फीसदी गिरे। वहीं सेंसेक्स की अन्य कंपनियों की बात करें तो आज आईसीआईसीआई बैंक , ट्रेंट , पावर ग्रिड 1.01 प्रतिशत, कोटक महिंद्रा बैंक , एचडीएफसी बैंक , एक्सिस बैंक , भारती एयरटेल , टाटा स्टील के शेयर तेजी के साथ बंद हुए। दूसरी ओर टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक समेत ये नीचे आये। इसके अलावा इन्फोसिस, आईटीसी, एलएंडटी , बजाज फाइनेंस, अडाणी पोर्ट्स , एशियन पेंट्स , बजाज फिनसर्व , टाइटन , बीईएल 0.31, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अल्ट्राटेक सीमेंट , एनटीपीसी , हिंदुस्तान यूनिलीवर, मारुति सुजुकी के शेयर गिरे। इससे पहले आज सुबह बाजार बुधवार को गिरावट के साथ खुला।

कपास आयात शुल्क हटने से भारतीय बाजार में गिरावट, कपड़ा उद्योग को राहत

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्र सरकार ने हाल ही में विदेशी कपास पर लगने वाले आयात शुल्क को हटाया है, जिसका उद्देश्य टेक्सटाइल और गारमेंट उद्योग पर बढ़ते दबाव को कम करना था। एक ओर जहां फैसले से कपड़ा उद्योग को राहत मिली है, वहीं दूसरी ओर घरेलू बाजार में भारतीय कपास की मांग और कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। आयात शुल्क हटने के बाद भारतीय कपास की कीमतें तेजी से गिरी हैं। मिल मालिक अब विदेश से सस्ता कपास मंगाना पसंद कर रहे हैं। ताजा जानकारी के अनुसार, कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) ने अपनी नई फसल के कपास की कीमत में प्रति गांठ 700 रुपये की कटौती की है। इसके बावजूद, केवल 700 गांठ खरीदने की मांग आई, जो मुख्य रूप से मिल मालिकों की ओर से थी, जो दिखाता है कि घरेलू कपास की खरीदारी काफी धीमी हो गई है। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में कपास के वायदा भाव में कुछ उतार-चढ़ाव देखा गया है। आईसीई पर कपास के वायदा भाव में 1.68 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जो लगभग 77.44 सेंट प्रति पाउंड पर रहा। फरवरी की शुरुआत से इसमें 47 फीसदी की तेजी देखी गई थी, हालांकि हाल के दिनों में इसमें थोड़ी गिरावट आई है, लेकिन यह अभी भी भारतीय मिलों के लिए एक आकर्षक विकल्प बना हुआ है। केंद्र सरकार ने 11 प्रतिशत के आयात शुल्क को 1 जून से 31 अक्टूबर तक के लिए अस्थायी रूप से हटाया है। सरकार का कहना है कि इस फैसले से भारतीय किसानों के हितों का ध्यान रखा गया है, क्योंकि यह नई खरीफ फसल आने तक ही प्रभावी रहेगा। हालांकि, इस फैसले से घरेलू कीमतों में आई कमी ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है, जो अपनी उपज के उचित दाम को लेकर आशंकित हैं।

कच्चे तेल की महंगाई से बढ़ी चिंता, पेट्रोल-डीजल के दाम 2.5 रुपये और बढ़ संकेत

नई दिल्ली। एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी और पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर साफ दिख रहा है। ब्रेंट क्रूड की कीमतें फिर से 100 डॉलर प्रति बैरल के पास पहुंच गई हैं, जिससे तेल विपणन कंपनियों पर आर्थिक दबाव बढ़ गया है। इसके बाद रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने अनुमान जताया है कि कंपनियों के बढ़ते घाटे को कम करने के लिए पेट्रोल और डीजल के दामों में करीब 2.5 रुपये प्रति लीटर की अतिरिक्त वृद्धि हो सकती है। देश में 15 मई से अब तक पेट्रोल और डीजल की कीमतों में चार चरणों में बढ़ोतरी हो चुकी है। इस दौरान दोनों ईंधनों के दाम कुल मिलाकर करीब 7.5 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ चुके हैं। सबसे पहले 15 मई को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 3 रुपये प्रति लीटर का इजाफा हुआ था। इसके बाद 19 मई को करीब 90 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई। 23 मई को पेट्रोल 87 पैसे और डीजल 91 पैसे प्रति लीटर महंगा किया गया, जबकि 25 मई को पेट्रोल के दाम 2.61 और डीजल के दाम 2.71 रुपये प्रति लीटर बढ़ाए गए। यदि क्रिसिल का अनुमान सही साबित होता है, तब कुल बढ़ोतरी करीब 10 रुपये प्रति लीटर तक हो सकती है। बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक कच्चे तेल की कीमत में प्रति बैरल 10 डॉलर की वृद्धि होने पर तेल कंपनियों की लागत में करीब 6 रुपये प्रति लीटर का अतिरिक्त बोझ बढ़ जाता है। इसकारण कंपनियां लगातार दबाव में हैं और कीमतों में और संशोधन की संभावना बनी हुई है। वहीं ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी का असर केवल वाहन चालकों तक सीमित नहीं रहता। डीजल महंगा होने से माल ढुलाई, परिवहन और लॉजिस्टिक्स की लागत बढ़ती है, इसका असर खाद्यान्न, सब्जियों, फलों, दूध और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर पड़ता है। क्रिसिल के अनुसार अब तक हुई 7.5 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि से खुदरा महंगाई दर पर करीब 0.36 प्रतिशत का अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। यदि कीमतों में कुल बढ़ोतरी 10 रुपये तक पहुंचती है तो महंगाई पर इसका प्रभाव 0.48 प्रतिशत तक हो सकता है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपको सिखाएगा कि रिश्तों को संभालने में शब्दों की ताकत कितनी बड़ी होती है। आपकी एक मुस्कान और शांत व्यवहार घर के माहौल को पूरी तरह बदल सकता है। कामों में जल्दबाजी या लापरवाही करने से बाद में उलझनें बढ़ सकती हैं, इसलिए हर कदम सोच-समझकर बढ़ाएं। यदि आप किसी नए काम की शुरुआत करना चाहते हैं, तो समय आपके पक्ष में दिखाई दे रहा है।

वृषभ- आज आपको अपने पैसों और फैसलों दोनों पर खास नजर रखने की जरूरत है। निवेश करने से पहले हर पहलू को अच्छे से समझ लें, क्योंकि छोटी-सी गलती आगे परेशानी बढ़ा सकती है। प्रॉपर्टी या लोन से जुड़े मामलों में सकारात्मक खबर मिल सकती है। किसी कानूनी मामले में भी परिस्थितियां आपके पक्ष में जाती दिख रही हैं। आज प्रभावशाली लोगों से मुलाकात हो सकती है, जो भविष्य में आपके लिए नए रास्ते खोलेंगी।

मिथुन- आज परिवार और अपनों का साथ आपको मानसिक सुकून देगा। लंबे समय से मन में चल रही कोई इच्छा पूरी हो सकती है, जिससे आपका उत्साह बढ़ेगा। घर में मेहमानों की आवाजाही से माहौल खुशियों से भरा रहेगा। जीवनसाथी हर परिस्थिति में आपका साथ देंगे, लेकिन निजी बातें हर किसी से साझा करने से बचें। बिजनेस में थोड़ी भागदौड़ रह सकती है, हालांकि आय में बढ़ोतरी के संकेत भी साफ दिखाई दे रहे हैं। छोटी परेशानियों को दिल पर लेने के बजाय मुस्कुराकर आगे बढ़ें।

कर्क- आज आपको बेवजह के विवादों और बहस से दूरी बनाकर रखनी होगी। सरकारी कामों में फायदा मिलने के योग हैं, इसलिए जरूरी कागजात और योजनाओं पर ध्यान दें। यात्रा या किसी मुलाकात के दौरान ऐसी जानकारी मिल सकती है, जो भविष्य में आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित होगी। विरोधियों की बातों में आने के बजाय अपने आत्मविश्वास को मजबूत बनाए रखें। काम की गति तेज रहेगी और आपकी समझदारी कई मुश्किलों को आसान बना देगी।

सिंह- आज आर्थिक मामलों में राहत और खुशी दोनों मिलने के संकेत हैं। व्यापार में लाभ के अवसर बनेंगे और रुका हुआ धन भी वापस मिल सकता है। परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताकर मन हल्का महसूस करेगा। किसी पुराने मित्र से मुलाकात दिल को खुश कर सकती है। हालांकि संतान की पढ़ाई या भविष्य को लेकर थोड़ी चिंता बनी रह सकती है।

कन्या- आज आपका मन दूसरों की मदद करने और अच्छे कार्यों में लगेगा। समाज में आपकी छवि मजबूत होगी और लोग आपकी सराहना करेंगे। पुरानी गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही बिल्कुल न करें और खान-पान पर नियंत्रण रखें।

तुला- आज आपकी नेतृत्व क्षमता लोगों को प्रभावित करेगी। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी और साथी के साथ रिश्ता पहले से ज्यादा मजबूत महसूस होगा। किसी रुके हुए काम में देरी होने से थोड़ी निराशा हो सकती है, लेकिन जल्द ही परिस्थितियां आपके पक्ष में आती नजर आएंगी। नई डील या अनुबंध भविष्य में अच्छा लाभ दे सकते हैं। आपकी मीठी वाणी और समझदारी आज कई लोगों का दिल जीत लेगी।

वृश्चिक- आज धैर्य और समझदारी आपके सबसे बड़े हथियार साबित होंगे। खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी रहेगा, वरना बजट बिगड़ सकता है। परिवार में खुशखबरी या किसी नए सदस्य के आने से माहौल उत्साहित रहेगा। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतें। किसी मित्र या सहयोगी की मदद से आर्थिक समस्या का हल निकल सकता है।

धनु- आज का दिन उत्साह और नई योजनाओं से भरा रहेगा। जीवनसाथी के साथ अच्छा तालमेल रहेगा और भविष्य को लेकर महत्वपूर्ण बातचीत हो सकती है। माता-पिता के आशीर्वाद से लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा होने की संभावना है। कामों को योजना बनाकर करेंगे, तो दिन बेहद सफल रहेगा।

मकर- आज आपको हर कदम सोच-समझकर उठाना होगा। दूसरों के मामलों में ज्यादा दखल देने से बचें। आपके अंदर भरपूर ऊर्जा रहेगी और आप अपने काम तेजी से पूरे करेंगे। नई प्रॉपर्टी, वाहन या जमीन खरीदने के लिए दिन शुभ माना जा सकता है। परिवार का सहयोग मिलेगा और माता-पिता का आशीर्वाद आपके कई रुके हुए काम पूरे करवा सकता है।

कुंभ- आज भाई-बहनों और करीबी दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। पुराने दोस्तों से मुलाकात पुरानी यादें ताजा कर सकती है। बिजनेस और नौकरी में किसी अनजान व्यक्ति की सलाह मानने से बचें। विद्यार्थियों के लिए दिन खास रहेगा, विशेषकर जो विदेश में पढ़ाई का सपना देख रहे हैं।

मीन- आज का दिन खुशियों और राहत से भरा रहेगा। परिवार में यदि कुछ समय से तनाव चल रहा था, तो बातचीत के जरिए स्थितियाँ सुधर सकती हैं। नए लोगों से मुलाकात भविष्य में अच्छे अवसर लेकर आ सकती है। सरकारी कामों में सफलता मिलने के संकेत हैं। हालांकि खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। पिता या किसी बड़े की बात बुरी लगे, तो उसे दिल से लगाने के बजाय शांत मन से समझने की कोशिश करें।

शब्दजाल - 8279

ब	क	दो	यु	ला	प	ब	रे	ली	झ	क
ज	ल	ल	प	आ	रिं	पू	ना	दि	शा	ऊ
अं	इ	रा	म	सं	ग	ल	श	र	न	ल
क	कु	दा	म	धा	ब	रा	प	ख	श	र
क	ति	ब	न	पु	क	र	ल	ग	वी	इ
ब	स्ती	ल	लि	व	र	र्त	ऐ	ढ़	प	ला
ती	अ	ल	श	या	प	म	ज	कौ	ला	ह
क	ली	अ	ब	त	क	म	प्प	न	श	बा
क	ग	थो	तें	व	ज	ज	द	शा	जू	द
द	ढ़	ल	प	आ	रं	र्त	ऐ	वें	प	रु
थो	त	सा	बि	ज	नौ	र	जा	एं	प	क

शब्द जाल में उत्तर प्रदेश के 10 जिलों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं

आगरा,अलीगढ़,इलाहबाद,आजमगढ़, बस्ती, बलिया, बलरामपुर, बरेली, बिजनौर, लखनऊ.

शब्दजाल - 8278 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7223

1		2		3	■	4		5	■
	■		■	6			■	7	8
	■	9			■	10	11	■	
■	12		■	■	13	■	14	15	■
16		■	17				■	18	
	■	19		■		■	20		■
■	21	■	22		■	23		■	24
25				■	26	■	27	28	
■		■	29	30		■	■		■
31			■		■	32			

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, राखी, की 'एक रास्ता है' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली फिल्म-३
६. सनी देओल, रवीना की 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-३
७. 'मैं तुझसे मिलने आई मंदिर जाने के बहाने' गीत वाली की फिल्म-२
९. संजयदत्त, पूजा की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राज बब्बर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की' गाना वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'जिंदगी के खेल में' गाना वाली अनिल कपूर, माधुरी की फिल्म-२
२०. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक कौन था?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-२
२३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. जीतेंद्र, जया की 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी, जया की फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीव, राखी की एक फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनीलदत्त, किशोर साहू की फिल्म-४
३. 'सुंदरा सुंदरा' गाना वाली फिल्म-३
४. फिल्म जिसमें शाहरुख ने गूंगे की भूमिका की थी-३
५. 'राहों में उड़ती जाए बिछड़े' गीत वाली फिल्म-२
८. 'जीवनमृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका?-२
११. 'अबके बरस वे हाल हैं' गीत किस म्यूजिक एलबम का है?-२
१२. 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'बिन सावन झूला झूलूं' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' में गोविंदा की नायिका कौन थी?-२
१७. 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२० 'आंखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मैंने दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२
२६. लकी अली, गौरी की एक फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
३०. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7222

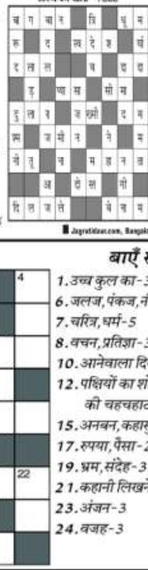

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

4 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.02 बजे से
चंद्र	मकर में	कर्क	08.16 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	10.32 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.44 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला	14.55 बजे से
शुक्र	मिथुन में	वृश्चिक	17.09 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.25 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.30 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	23.17 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मीन	00.50 बजे से
		मेष	02.20 बजे से
		वृष	04.00 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 155 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ पक्ष कृष्ण
तिथि चतुर्थी 23.31 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराषाढ़ा 03.42 बजे रात्र को समाप्त।
योग शुक्ल(शुक्र) 09.03 बजे को समाप्त।
करण बव 10.28 बजे तदनन्तर बालव 23.31 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 18.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 24'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872730
जूलियन दिन 2461195.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज तारीख 18

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक		अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक	
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक		चर	07.11 से 08.43 बजे तक	
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक		रोग	08.43 से 10.15 बजे तक	
चर	10.19 से 11.47 बजे तक		काल	10.15 से 11.47 बजे तक	
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक		लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक	
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक		उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक	
काल	02.43 से 04.11 बजे तक		शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक	
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक		अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभफल श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः तुष-माश

एक सामान्य गृहस्थ था. उसकी धर्म-ध्यान में बड़ी रुचि थी. अपने परिवार का भरण-पोषण करने के साथ-साथ वह संतों का सत्संग किया करता था. अच्छी-अच्छी पुस्तकें पढ़ा करता था. एक दिन वह कहीं जा रहा था कि रास्ते में एक ओर को लोगों की भीड़ देखकर वहां चला गया. एक मुनि उपदेश दे रहे थे. वह खड़े होकर उनका प्रवचन सुनने लगा. वह शरीर और आत्मा के संबंध में बोल रहे थे, कह रहे थे: "बहुत-से लोग समझते हैं कि आदमी मर जाता है तो शरीर के साथ आत्मा भी मर जाती है. ऐसा नहीं है. आत्मा अमर है. जिस प्रकार पुरानी हो जाने पर सर्प अपनी केंचुली उतारकर नई केंचुली धारण कर लेता है, उसी प्रकार शरीर के पुराने और जीर्ण हो जाने पर आत्मा नया शरीर धारण कर लेती है. याद रखो, यह शरीर मंदिर है और आत्मा उसमें ईश्वर है. आत्मा की आराधना के लिए शरीर अनिवार्य है. पर दोनों को मिलाओ मत. दोनों अलग-अलग हैं." गृहस्थ ने यह सब सुना और आगे बढ़ गया. तरह-तरह के विचार उसके मन में उठ रहे थे. वह उनमें एकदम खो गया. अचानक उसे ठोकर लगी वह गिर गया. उसकी विचार-धारा टूट गई. उठकर चलने लगा. उसे ध्यान आया कि रास्ते में एक साधु मिले थे, लेकिन उसका मस्तिष्क कुछ ऐसा हो गया कि उसे याद नहीं आया कि उन्होंने क्या कहा था. उसने याद करने की बहुतेरी कोशिश की, लेकिन विस्मरण इतना हो गया कि वह उसका सूत्र नहीं पकड़ पाया. कुछ देर चलने पर एक गांव आया. वहां किसी घर के बाहर बैठी एक स्त्री कुछ कर रही थी. उसने पूछा, "बहन, तुम क्या कर रही हो!" वह बोली, "तुष-माश." (मैं उड़द की दाल के छिलके उतार रही हूं.) स्त्री का इतना कहना था कि उसे साधु का उपदेश याद आ गया. स्त्री ने उसे बोध दिया कि शरीर और आत्मा एक नहीं हैं, भिन्न हैं. उसे यह भी याद आया कि साधु ने 'मैं' और 'तू' का गुर बताया था, जिस प्रकार 'मैं' और 'तू' दो हैं, उसी प्रकार शरीर और आत्मा हैं. स्त्री का वचन उसके भीतर इतना प्रवेश कर गया कि वह उसे जीवन भर नहीं भूला.

सूडोकु नवताल- 7532

सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7531 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8747

■	1	2		■	■	3	■	4
5	■		■	6			■	
7					■	8	9	
■	■		■	10	11	■		■
12	13		14	■	15	16		
■		■	17	18		■		■
19		20	■	21				22
	■	23			■		■	
	■		■	■	24			■

बाएँ से दाएँ

1. उच्च कुल का-3
6. जलज,पंकज,नीरज-3
7. चरित्र,धर्म-5
8. वचन,प्रतिज्ञा-3
10. आनेवाला दिन-2
12. पक्षियों का शोर, पक्षियों की चहचहाट -4
15. अनबन,कहासुनी-4
17. रुपया,पैसा-2
19. भ्रम,संदेह-3
21. कहानी लिखनेवाला-5
23. अंजन-3
24. वजह-3

ऊपर से नीचे

2. अधिवर्ष,29 फरवरी वाला वर्ष-2,3
3. कंठ,गला-3
4. लाज,लज्जा-3
5. विवाह,ब्याह-2
6. सोना,धतूरा-3
9. टेका,आसरा-3
11. बुरी आदत-2
13. रेखा,लाइन-3
14. हत्या,मर्डर-2
16. नवचंद्राकार -5
18. अनुकृति-3
19. भला कार्य-3
20. घर,गृह,निवास-3
22. युद्ध,संग्राम -2

शब्द पहेली -8746 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

वन अमले ने दबिश देकर सूअर के मांस सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी पश्चिम सामान्य लांजी वन अमले को मुखबिर के द्वारा शिकायत प्राप्त हुई कि कोचेवाही बीट के ग्राम टेमनी अन्तर्गत कुछ लोगों के द्वारा वन्य प्राणी जंगली सुअर को मारकर उनका मांस पकाया जा रहा है। सूचना प्राप्त होते ही वन अमले के द्वारा दबिश देकर सूअर के मांस को पकाने के पूर्व ही वन विभाग ने मांस सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया वहीं एक अन्य आरोपी फरार बताया जा रहा है। इस संबध में प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्य वन संरक्षक गौरव चौधरी भावसे, वनमण्डलाधिकारी नित्यानंदम एल, दक्षिण सामान्य, उपवनमण्डलाधिकारी राकेश कुमार अडकने उपवनमण्डल के निर्देशानुसार 3 जून 2026 को पश्चिम लांजी सामान्य परिक्षेत्र अन्तर्गत कोचेवाही बीट के ग्राम टेमनी में मुखबीर से प्राप्त सूचना पर आरोपी जितेन्द्र पिता दशरथ वाडिवा उम्र 20 वर्ष निवासी टेमनी के घर मे वन अमले ने छापामार कार्यवाही करते हुये जंगली सूअर का लगभग 3 किलो मांस बरामद किया गया है। उक्त आरोपी के साथ ही दो अन्य आरोपी भी हिरासत में लिये गये है जिनमें शंकर पिता रूपचंद्र (50) निवासी चौंदाटोला, और महेन्द्र पिता भागचंद्र (50) निवासी टेमनी शामिल है। तीनों ही आरोपियों को कार्यालय वन परिक्षेत्र में लाया जाकर आवश्यक कानूनी कार्यवाही पूर्ण कर आरोपियों के विरूद्ध वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। एसडीओ राकेश अडकने ने बताया

कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि वन परिक्षेत्र के कोचेवाही बीट के टेमनी में जंगली सुअर का मांस पकाकर खाने की तैयारी की जा रही है। जिसके बाद वन परिक्षेत्र अधिकारी सपन ताम्रकार, डिप्टी रेंजर दिलीप उके, रविन्द्र सोनवाने वनक्षेत्रपाल, पवन पटले, वनकर्मी विशाल आसटकर, भरत नेवारे, सीमा घोरमारे, रत्नकला भलावी, मकेन्द्रसिंह तोमर, राहुल और सुरेश की टीम गांव पहुंची। जहां उन्होंने जंगली सुअर के मांस को पकाने की तैयारी में जुटे टेमनी निवासी जितेन्द्र पिता दशरथ वाडिवा (20), चौंदाटोला निवासी पकड़ा। जिनके पास से जंगली सुअर का तीन किलो मांस मिला है। एसडीओ राकेश अडकने ने बताया कि मुख्य आरोपी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है, जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वन अमले ने अपील की है कि वन्य प्राणी भी इंसानो की ही तरह जीव है। इनकी रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का एक महत्वपूर्ण संवैधानिक और नैतिक कर्तव्य है।

अवैध बोर उत्खनन के आरोप में दीपक धनवले के खिलाफ मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। लांजी। तहसील लांजी क्षेत्र के ग्राम बिंझलगांव में अवैध रूप से बोर उत्खनन करने के मामले में दीपक धनवले नामक व्यक्ति के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लांजी के पत्र के आधार पर तहसीलदार लांजी ने थाना प्रभारी लांजी को ज्ञापन भेजकर कार्रवाई के निर्देश दिए थे। आरोपी दीपक धनवले पिता राजकुमार धनवले, जाति लोधी, निवासी ग्राम किरनापुर (तहसील किरनापुर, जिला बालाघाट) पर आरोप है कि उन्होंने 1 जून 2026 को रात करीब 10:17 बजे ग्राम बिंझलगांव में अनतराम जीवतोडे की आबादी भूमि (खसरा नंबर 39) के निकट बोर मशीन से अवैध बोरिंग कराई। जिसे तहसीलदार द्वारा जप्ती कार्यवाही कर पुलिस अभिरक्षा में पुलिस थाना लांजी में खड़ा किया गया है। यह कार्य बिना अनुमति के किया गया, जो मध्य प्रदेश पेयजल परिरक्षण (संशोधन) अधिनियम 2022 का उल्लंघन है। जिस पर अनुविभागीय दंडाधिकारी लांजी एवं तहसीलदार लांजी के पत्र के आधार पर थाना लांजी में आरोपी दीपक धनवले के विरुद्ध धारा 223(ए) बीएनएस तथा धारा 3/9 मध्य प्रदेश पेयजल परिरक्षण (संशोधन) अधिनियम 2022 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले की विवेचना शुरू कर दी गई है। राजस्व विभाग के अधिकारियों ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत पुलिस को सूचित किया। अवैध बोरिंग से भूजल स्तर प्रभावित होने और पेयजल संरक्षण नियमों के उल्लंघन का मामला सामने आया है।

कलेक्टर ने ली पंजीयन अधिकारियों एवं एसडीएम की बैठक

अवैध कालोनियों के पंजीयन प्रतिबंधों पर की गई चर्चा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने 03 जून को पंजीयन विभाग के जिला पंजीयक, उप पंजीयक एवं सभी एसडीएम की बैठक लेकर जिले में अवैध कालोनियों के पंजीयन के संबंध में विस्तार से चर्चा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में जिला पंजीयक श्रीमती कीर्ति असाटी, बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी, तहसीलदार सुनील वर्मा उपस्थित थे। वारासिवनी, बैहर, कटंगी, लांजी, किरनापुर एवं परसवाड़ा के एसडीएम वीडियो कांफ्रेस के माध्यम से बैठक में उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि किसी भी कॉलोनाइजर को नगरीय क्षेत्रों में नगर पालिका अधिनियम एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत राज अधिनियम का पालन करना होगा। नगरीय आवास एवं विकास विभाग की अनुमति के बाद ही कालोनी का पंजीयन कराया जायेगा। अवैध कालोनी का पंजीयन नहीं किया जायेगा। बैठक में राजस्व एवं पंजीयन अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जिन कॉलोनाइजरों की कॉलोनियां अवैध श्रेणी में हैं और वे उन्हें वैध कराना चाहते हैं, तो वे निर्धारित विधिक प्रक्रियाओं को पूर्ण करें। सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद ही संबंधित कॉलोनियों पर लगाए गए प्रतिबंध हटाए जाने पर विचार किया जाएगा। शासकीय पट्टे वाली जमीन का विक्रय नहीं होगा और इसका पंजीयन भी नहीं किया जायेगा। बैठक में सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को निर्देश दिए गये कि वे अपने-अपने क्षेत्र में अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई की वर्तमान स्थिति से प्रशासन को अवगत कराएं। साथ ही संबंधित भूमि के खसरा अभिलेखों के कैफियत कॉलम क्रमांक-12 में आवश्यक प्रविष्टियां दर्ज करना सुनिश्चित करें, ताकि अवैध कॉलोनियों से संबंधित जानकारी राजस्व अभिलेखों में स्पष्ट रूप से दर्ज रहे। यह भी स्पष्ट किया गया कि नियमों के अनुरूप कार्रवाई करते हुए अवैध कॉलोनियों के मामलों में पारदर्शिता और विधिसम्मत प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

धान खरीदी में कम तौल को लेकर किसानों में चिंता

इलेक्ट्रॉनिक कांटो में चीप लगाकर मोबाइल से आपरेट करने की सूचना

पद्मेश न्यूज। लांजी। बालाघाट जिला धान उत्पादन के लिए प्रदेशभर में अपनी विशेष पहचान रखता है। जिले में रबी सीजन के दौरान भी बड़ी मात्रा में धान की खेती की जाती है और अधिकांश किसानों की आय का प्रमुख स्रोत धान ही है। वर्तमान में क्षेत्र के किसानों द्वारा रबी की फसल की कटाई पूरी कर ली गई है तथा उपज की बिक्री का दौर जारी है। इसी बीच लांजी क्षेत्र में धान की तौल को लेकर किसानों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह बात सामने आ रही है कि कई किसान अपनी उपज की तौल स्वयं किए बिना सीधे व्यापारियों को बेच देते हैं। ऐसे मामलों में तौल प्रक्रिया पूरी तरह व्यापारी के भरोसे होने के कारण किसानों को नुकसान होने की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों के अनुसार कुछ स्थानों पर तौल के दौरान उपयोग किए जाने वाले कांटे और बाटों की शुद्धता को लेकर भी सवाल उठे हैं। किसानों का कहना है कि यदि तौल उपकरणों में गड़बड़ी हो तो कुल वजन में कई किलो तक का अंतर आ सकता है, जिससे उत्पादक को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। वहीं कुछ किसान अपनी उपज की पहले से तौल कर रिकॉर्ड रखने के बाद ही बिक्री करते हैं, जिससे उन्हें वास्तविक वजन का पता रहता है। क्षेत्र में यह भी चर्चा है कि पूर्व में कुछ मामलों में तौल संबंधी अनियमितताओं की शिकायतें सामने आई थीं, जिन पर संबंधित अधिकारियों द्वारा कार्रवाई करते हुए जुर्माना भी लगाया गया था। हालांकि इन चर्चाओं की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन इससे किसानों में जागरूकता की आवश्यकता अवश्य महसूस की जा रही है।

किसानों को बरतनी चाहिए सावधानी

कृषि विशेषज्ञों और जागरूक किसानों का मानना है कि फसल बेचने से पहले प्रत्येक किसान को अपनी उपज की सही तौल कर लेनी चाहिए तथा उसका रिकॉर्ड सुरक्षित रखना चाहिए। तौल के समय स्वयं उपस्थित रहना, प्रमाणित कांटे का उपयोग सुनिश्चित करना और वजन की रसीद प्राप्त करना भी जरूरी है। इससे किसानों को अपनी मेहनत की उपज का उचित मूल्य प्राप्त होगा और किसी प्रकार के आर्थिक नुकसान से बचाव हो सकेगा। धान उत्पादन में अग्रणी बालाघाट जिले के किसानों के लिए यह आवश्यक है कि वे उपज विक्रय के दौरान पूरी सतर्कता बरतें और तौल प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करें, ताकि उनकी मेहनत का पूरा लाभ उन्हें मिल सके।

जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी विद्यालयों के प्राचार्यों की ली बैठक

निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्य पूर्ण करने के निर्देश, लापरवाही पर कार्यवाही की दी गई चेतावनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट जिले के सभी शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों में नए शैक्षणिक सत्र की तैयारियों को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय ने मंगलवार 3 जून को जिले के सभी शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्राचार्यों की बैठक लेकर विभिन्न शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन द्वारा निर्धारित सभी कार्य समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं, अन्यथा संबंधित प्राचार्यों के विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बैठक के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी ने विद्यालयों में विद्यार्थियों के नामांकन की स्थिति, अपार आईडी निर्माण, पाठ्यपुस्तकों के वितरण एवं उसकी पोर्टल पर प्रविष्टि, पात्र विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिल वितरण, छात्रवृत्ति भुगतान, विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) के गठन, कर्मचारियों की ई-सेवा पुस्तिका के सत्यापन तथा ई-अटेंडेंस व्यवस्था की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि नए शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ होते ही सभी पात्र विद्यार्थियों का नामांकन सुनिश्चित किया जाए तथा कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। विशेष रूप से आउट ऑफ स्कूल बच्चों की पहचान कर उन्हें पुनः विद्यालय से जोड़ने के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि शिक्षा का अधिकार तभी सार्थक होगा जब प्रत्येक बच्चा विद्यालय पहुंचे और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करे।

श्री उपाध्याय ने पाठ्यपुस्तकों के वितरण कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कहा कि सभी विद्यार्थियों को समय पर पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएं तथा वितरण की जानकारी निर्धारित पोर्टल पर तत्काल दर्ज की जाए। इसी प्रकार अपार आईडी निर्माण एवं छात्रवृत्ति संबंधी लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में जल संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन को लेकर भी विशेष चर्चा की गई। जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि राज्य शासन द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विद्यालयों में जल संरक्षण से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जाएं तथा विद्यार्थियों को जल बचाने के प्रति जागरूक किया जाए। उन्होंने विद्यालय परिसरों में स्वच्छता, वर्षा जल संचयन और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित कार्यक्रमों के आयोजन पर भी बल दिया।

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून के अवसर पर सभी विद्यालयों में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत व्यापक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं अभिभावकों की सहभागिता से अधिक से अधिक पौधे लगाए जाएं तथा उनके संरक्षण की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून के अवसर पर विद्यालयों में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित करने तथा विद्यार्थियों की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर विद्यार्थियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए।

बैठक में ई-अटेंडेंस व्यवस्था की समीक्षा करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति दर्ज करने के निर्देश दिए। साथ ही कर्मचारियों की ई-सेवा पुस्तिकाओं के सत्यापन कार्य को भी प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने को कहा। बैठक के अंत में श्री उपाध्याय ने प्राचार्यों से कहा कि शासन की सभी योजनाओं और निर्देशों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जिन विद्यालयों में कार्यों के निष्पादन में अनावश्यक विलंब या लापरवाही पाई जाएगी, वहां संबंधित अधिकारियों एवं प्राचार्यों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए सभी कार्यों को गुणवत्तापूर्वक और समयबद्ध तरीके से पूरा करने का आह्वान किया।

मोडकन टेंभरे जी का निधन

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम देवलगांव निवासी मोडकन पिता जग्गु टेंभरे जी का 79 वर्ष की आयु में अस्वस्थता के चलते 3 जून को शाम 6:30 बजे निधन हो गया। आप अपने एक पुत्र, तीन पुत्रियों, नाती पोतो से भरा पुरा परिवार छोड़ स्वग सिधार गये। आपका अंतिम संस्कार आज 4 जून को प्रातः 10 बजे स्थानीय मोक्षधाम देवलगांव में किया जायेगा। आपके निधन पर नाते रिश्तेदारो, ईष्ट मित्रो, ग्रामीण जनों के द्वारा शोक श्रृद्धांजलि व्यक्त कर परमपिता परमेश्वर से मृत आत्मा के शांति के लिये तथा इस दुख की घड़ी में परिजनों को संबल प्रदान करने हेतु प्रार्थना की है।

लांजी में "पद्मेश"

इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें

Mo. 8319969927

राज्यसभा की एक सीट, कांग्रेस में कई दावेदार

भोपाल। मध्य प्रदेश से राज्यसभा की तीन सीटों के लिए चुनावी प्रक्रिया निर्णायक दौर में पहुंच गई है। 8 जून तक नामांकन दाखिल होने हैं और कांग्रेस के हिस्से में आने वाली एकमात्र सीट को लेकर दिल्ली में मंथन तेज हो गया है। पार्टी सूत्रों के अनुसार पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का नाम फिलहाल सबसे मजबूत दावेदार के रूप में उभरकर सामने आया है, हालांकि अंतिम फैसला कांग्रेस आलाकमान के स्तर पर होना है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह सार्वजनिक रूप से तीसरी बार राज्यसभा जाने से इनकार कर चुके हैं। इसके बावजूद पार्टी के भीतर यह चर्चा बनी हुई है कि यदि शीर्ष नेतृत्व चाहे तो उनके नाम पर भी पुनर्विचार हो सकता है। सूत्रों का कहना है कि इस मामले में सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खडगे की राय निर्णायक रहेगी।

कमलनाथ की दावेदारी के 5 आधार

- कांग्रेस के सबसे वरिष्ठ नेताओं में शामिल।
- गांधी परिवार और आलाकमान से मजबूत संबंध।
- राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय भूमिका मिल सकती।
- प्रदेश संगठन में अब भी प्रभावशाली पकड़।
- वरिष्ठ नेतृत्व को सम्मान देने का संदेश जाएगा।

जीतू पटवारी भी सक्रिय

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भले ही सार्वजनिक रूप से खुद को राज्यसभा की दौड़ से बाहर बताते रहे हों, लेकिन पार्टी के भीतर उनके नाम की चर्चा लगातार बनी हुई है। संगठन में उनकी सक्रियता और केंद्रीय नेतृत्व के कुछ नेताओं से करीबी संबंधों को उनके पक्ष में देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि वे भी अपने समर्थन का आधार मजबूत करने में जुटे हैं।

जातीय और क्षेत्रीय संतुलन पर भी नजर

कांग्रेस केवल वरिष्ठता के आधार पर नहीं, बल्कि आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए सामाजिक और क्षेत्रीय समीकरणों का भी आकलन कर रही है। इसी वजह से कई नए नामों पर चर्चा हो रही है। इनमें अरूण यादव, कमलेश्वर पटेल और सज्जन सिंह वर्मा जैसे नेताओं के नाम भी शामिल बताए जा रहे हैं। पार्टी के रणनीतिकार सामान्य, ओबीसी, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्गों के प्रतिनिधित्व के साथ-साथ मालवा, निमाड़, महाकौशल और विंध्य जैसे क्षेत्रों के राजनीतिक संतुलन का भी आकलन कर रहे हैं। ऐसे में उम्मीदवार चयन केवल व्यक्तिगत दावेदारी का नहीं, बल्कि 2028 के राजनीतिक संदेश का भी विषय माना जा रहा है।

दो दिन में तस्वीर साफ होने के संकेत

कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक अगले एक-दो दिनों में उम्मीदवार के नाम पर अंतिम निर्णय होने की संभावना है। फिलहाल कमलनाथ सबसे आगे दिखाई दे रहे हैं, लेकिन आलाकमान यदि संगठनात्मक या सामाजिक संतुलन को प्राथमिकता देता है तो किसी दूसरे नाम पर भी मुहर लग सकती है। यही कारण है कि अंतिम घोषणा तक कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता उम्मीद बनाए हुए हैं।

लद्दाख में गूंजेगा सिंधु महाकुंभ

भोपाल। सिंधु नदी के तट पर सिंधु दर्शन यात्रा के 30 साल पूरे होने के मौके पर 17 से 30 जून 2026 तक लेह लद्दाख में प्रथम सिंधु कुंभ आयोजित होने जा रहा है। जिसमें भारत सहित लगभग 30 देशों के साधकों के शामिल होने की संभावना जताई गई है। वहीं, उज्जैन, मध्य प्रदेश के नेतृत्व वाला केंद्र बनेगा। इसे लेकर राष्ट्रीय मंत्री पुनीत सांखला ने कहा कि यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, सभ्यता और राष्ट्रीय एकता का विराट स्वरूप होगा। सिंधु दर्शन यात्रा की शुरुआत 1997 में लालकृष्ण आडवाणी ने शुरू की। बीते 29 सालों से यह यात्रा जारी है, जिसे संघ के वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार ने आगे बढ़ाया। ये यात्रा लेह लद्दाख में सिंधु नदी के तट पर आयोजित की जाती है। अब यात्रा के 30वें वर्ष को एक विशेष सम्मान देते हुए इसे प्रथम सिंधु कुंभ के रूप में आयोजित किया जा रहा है। पुनीत सांखला कहते हैं कि अभी देश के 4 प्रमुख कुंभ-महाकुंभ तय तिथि पर होते हैं। वहीं, सिंधु नदी के तट पर शुरू होने से आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम भारत निर्मित कुंभ के रूप में इतिहास में दर्ज होगा।

सनातन संस्कृति का होगा प्रदर्शन

पुनीत सांखला बताते हैं कि सिंधु नदी केवल एक जलधारा नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की पहचान है। हिन्दू, हिंदुस्तान और इंडिया जैसे नामों की जड़ें भी सिंधु से जुड़ी मानी जाती हैं। ऐसे में सिंधु नदी के तट पर आयोजित महाकुंभ भारतीयों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का कार्य करेगी। इसके साथ ही आयोजन कई तरह से महत्वपूर्ण माना जा रहा है इसमें सनातन संस्कृति और भारतीय परंपराओं का प्रदर्शन, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता का संदेश, अलग अलग धर्मों और परंपराओं का समन्वय, सीमांत क्षेत्रों के प्रति जनजागरण, लद्दाख की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत का परिचय हो सकेगा।

उज्जैन बनेगा मध्य प्रदेश के नेतृत्व वाला केंद्र

बीते दिनों उज्जैन पहुंचे लद्दाख के पूर्व सांसद जामयांग ने कहा था कि इस कुंभ में उज्जैन मध्य प्रदेश के नेतृत्व वाला केंद्र बनेगा। क्योंकि मध्य प्रदेश में विशेष रूप से मालवा क्षेत्र में लगभग 15 जिलों में सिंधु दर्शन समितियां गठित हो चुकी हैं। 1 समिति से लगभग 500 सदस्य भी इस कुंभ में शामिल होंगे, तो यह एक सफल आयोजन होगा। इसके लिए उज्जैन सहित प्रदेश के अलग अलग जिलों की धार्मिक और सांस्कृतिक झांकियां भी प्रस्तुत हों, ऐसी योजना बनाई जाए। जिससे मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित हो सके।

प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र होगा कुंभ

सिंधु महाकुंभ में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं, पर्यटकों को लद्दाख की अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता देखने का मौका मिलेगा। जहां पैंगोंग लेक की मनमोहक सुंदरता, द्रास जैसे विश्व के सबसे ठंडे क्षेत्रों में एक का भ्रमण कर सकेंगे। इसके साथ ही नुब्रा वैली और सीमांत क्षेत्रों की भौगोलिक विशेषताओं की समझ भी बढ़ेगी।

भोपाल के होम्योपैथिक कॉलेज में गुपचुप भर्ती

भोपाल। शासकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय में प्राध्यापक, सह-प्राध्यापक और सहायक प्राध्यापक के पदों पर सेडमैप के जरिए चल रही भर्ती प्रक्रिया एक बार फिर गंभीर विवादों और संशयों के घेरे में आ गई है। प्रदेश के योग्य आयुष चिकित्सकों और अभ्यर्थियों ने इस पूरी चयन प्रक्रिया को अत्यंत अपारदर्शी और संदिग्ध बताते हुए भारी आक्रोश व्यक्त किया है। मामले में कई अभ्यर्थियों ने शासन को लिखित शिकायत भेजकर इस संदिग्ध भर्ती पर तत्काल रोक लगाने और नियुक्तियां मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग या यूपीएससी के माध्यम से कराने की मांग की है। शिकायत के अनुसार, पिछले साल भी इन्हीं पदों पर इसी तरह की गुपचुप भर्ती की कोशिश हुई थी, जिसका तीखा विरोध होने पर अधिकारियों ने

सरकारी स्कूल में एडमिशन के बदल रहे नियम

मध्य प्रदेश के प्राइवेट स्कूलों के स्टूडेंट्स को भी फायदा

भोपाल। मध्यप्रदेश में संचालित सांदीपनि स्कूलों में जल्द ही प्राइवेट स्कूलों में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स भी एडमिशन ले सकेंगे। राज्य सरकार इन स्कूलों में एडमिशन को लेकर जल्द ही बदलाव करने जा रही है। प्रदेश में अभी 370 सांदीपनि स्कूल संचालित हैं। इन स्कूलों की बेहतर व्यवस्थाओं को देखते हुए प्राइवेट स्कूलों में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स भी इन स्कूलों में एडमिशन के लिए प्रयास कर रहे हैं, लेकिन अभी तक इन स्कूलों में सिर्फ सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों को ही एडमिशन दिया जा रहा है। हालांकि, राज्य सरकार जल्द ही इस नियम में बदलाव करने जा रही है।

प्रदेश में सांदीपनि स्कूलों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। प्रदेश में अभी 274 सांदीपनि स्कूल हैं, इसमें से 96 स्कूल जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित किए जाते हैं, जबकि बाकी स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा चलाए जा रहे हैं। प्रदेश में 92 सांदीपनि स्कूलों की बिल्डिंग निर्माण का काम पूरा हो चुका है। अब दूसरे चरण में 200 नए सांदीपनि स्कूलों का निर्माण कार्य चल रहा है। इस पर करीबन 3600 करोड़ रुपए का खर्च किया जाएगा।

हाईटेक हो रहे सांदीपनि स्कूल

लोक शिक्षण संचालनालय के ज्वाइंट डायरेक्टर प्रमोद सिंह के मुताबिक, सांदीपनि स्कूलों में लगातार गुणत्मक सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं। स्कूलों के नए भवनों का काम भी तेजी से किया जा रहा है। इन स्कूलों में शिक्षकों की पदस्थापना पहले ही कर दी गई है। इसके अलावा स्मार्ट क्लास, डिजिटल लर्निंग, हिंदी के अलावा अंग्रेजी माध्यम से भी पढ़ाई कराई जा रही है।

पहले नहीं था प्राइवेट स्कूलों के छात्रों के लिए प्रावधान

2021 में शुरू हुई इस योजना का पूर्व में नाम सीएम राइज रखा गया था। शुरूआत से ही स्कूल में प्रवेश संबंधी नियमों में प्राइवेट स्कूलों में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को एडमिशन दिए जाने का प्रावधान नहीं है। यह नियम उन छात्रों पर भारी पड़ रहा है, जो अब इन स्कूलों में एडमिशन लेना चाहते हैं। हालांकि, स्कूल शिक्षा विभाग अब जल्द ही इस नियम में बदलाव करने जा रहा है। अब सरकारी स्कूलों के बच्चों के अलावा प्राइवेट स्कूलों के बच्चों को भी इन स्कूलों में एडमिशन मिल सकेगा। हालांकि, यह सीटों की उपलब्धता, कक्षा के स्तर और अन्य पात्रता शर्तों के आधार पर तय किया जाएगा।

डॉ. मोहन देश के पहले सीएम, जिन्होंने काफिले में शामिल की ईवी, दिया पीएम मोदी का संदेश

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मितव्ययता की अपील का लगातार पालन कर रहे हैं। इसके मद्देनजर उन्होंने 3 जून को बड़ा फैसला किया। वे देश के पहले ऐसे मुख्यमंत्री बन गए हैं, जिन्होंने अपने काफिले में इलेक्ट्रिक व्हीकल शामिल किया है। दरअसल, मुख्यमंत्री के काफिले में अब महिंद्रा कंपनी की एक्सईवी.9ई इलेक्ट्रिक कार शामिल की गई है। कंपनी के दावे के मुताबिक यह कार एक बार चार्ज करने पर 500 किमी का सफर तय करती है। सीएम डॉ. यादव इस ईवी से मुख्यमंत्री निवास से स्टेट हैंगर भोपाल तक गए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की नई कार को एमपी02 वीवी 2047 नंबर मिला है। इस नंबर में वीवी का अर्थ विकसित भारत से लगाया जा रहा है। जबकि, 2047 को प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के लक्ष्य के प्रतीक के तौर पर देखा जा रहा है। कार में 360 डिग्री कैमरा सहित सारी आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। इस कार से सफर करके मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पर्यावरण संरक्षण का संदेश देंगे। गौरतलब है कि इसके ड्राइवरों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया।

पर्यावरण संरक्षण और सौर ऊर्जा पर सीएम डॉ. मोहन का फोकस

बता दें, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पर्यावरण संरक्षण और सौर ऊर्जा को लेकर काफी संवेदनशील हैं। इन दोनों के लिए वे नई-नई योजनाओं पर काम कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अलग-अलग जगह गिद्धों और मगरमच्छों को छोड़ा। उनका मानना है कि कोई भी विकास बिना पर्यावरण संरक्षण के अधूरा है। वे मानते हैं कि सौर ऊर्जा से उत्पन्न विकल्प देश-दुनिया को विकास का नया मार्ग दिखा सकते हैं।

कई बार पेश की सादगी की मिसाल

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दौरे के दौरान मितव्ययता का लगातार ध्यान रख रहे हैं। हाल ही में उन्होंने इंदौर में एचआर ग्रीन से राजवाड़ा तक स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ टेम्पो ट्रेवलर बस में सफर किया। उससे पहले सिंगरौली दौरे के दौरान वे टूरिस्ट बस में बैठकर कार्यक्रम स्थल पहुंचे थे। बता दें, पहले सीएम डॉ. यादव के काफिले में गाड़ियों की संख्या को भी घटाकर कम कर दिया गया है।

जीएसटी विभाग अब नागरिकों से लेगा टैक्स चोरी की जानकारी

-ऑनलाइन ही कोई भी नागरिक दे सकेगा विभाग को सूचना, इस सूचना पर हुई कार्रवाई की भी मिलेगी नागरिकों को जानकारी

-इनफॉरमेशन मॉड्यूल के रूप में एक पारदर्शी व्यवस्था तैयार

भोपाल। प्रदेश का जीएसटी विभाग अब नागरिकों से टैक्स चोरी की जानकारी लेगा। इसके लिए विभाग के द्वारा इनफॉरमेशन मॉड्यूल के रूप में एक पारदर्शी व्यवस्था तैयार की गई है। इस व्यवस्था के तहत अब कोई भी नागरिक विभाग को टैक्स चोरी की सूचना दे सकेगा और संबंधित नागरिक को उसे सूचना पर की गई कार्रवाई की जानकारी भी मिलेगी।

जीएसटी विभाग के द्वारा अपने राजस्व संग्रहण में इजाफा करने की दृष्टि से अब नए कदम उठाने का काम किया जा रहा है। मध्यप्रदेश वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा राज्य में कर अपवंचन की रोकथाम, राजस्व संग्रहण में वृद्धि तथा नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक नवीन इन्फॉर्मेशन मॉड्यूल विकसित किया गया है। यह मॉड्यूल नागरिकों को कर चोरी, फर्जी बिलिंग, बिना बिल के व्यापार, अवैध गोदाम, कर संबंधी अनियमितताओं एवं अन्य संदिग्ध गतिविधियों की सूचना सीधे विभाग तक सुरक्षित एवं सरल माध्यम से उपलब्ध कराने की सुविधा प्रदान करेगा। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस मॉड्यूल के माध्यम से प्राप्त सूचनाओं का विभाग द्वारा विश्लेषण एवं सत्यापन किया जाएगा तथा आवश्यकतानुसार नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्राप्त सूचनाओं के निराकरण की स्थिति एवं विभाग द्वारा की गई कार्रवाई से संबंधित जानकारी भी नागरिक पोर्टल पर उपलब्ध डैशबोर्ड के माध्यम से साझा की जाएगी, जिससे इस पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित हो सकें। नागरिकों द्वारा प्रदान की गई उपयोगी एवं तथ्यात्मक जानकारी राज्य के राजस्व संरक्षण, कर अपवंचन पर प्रभावी नियंत्रण तथा कर प्रशासन को अधिक पारदर्शी एवं उत्तरदायी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। विभाग के द्वारा अपने टैक्स कलेक्शन को बढ़ाने और टैक्स की चोरी को रोकने के लिए जनता की सहभागिता को सुरक्षित करने की दृष्टि से यह कदम उठाया गया है।

कैबिनेट की बैठक में हुआ था हंगामा

राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में जीएसटी कलेक्शन को लेकर हंगामा हो गया था। इस बैठक में प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा था कि पिछले साल देश के सभी राज्यों में जीएसटी कलेक्शन बहुत ज्यादा बढ़ गया था तब मध्य प्रदेश में यह कलेक्शन तुलनात्मक रूप से कम रहा था। इस स्थिति पर सवाल उठाते हुए उन्होंने इसका जवाब मांगा था। इसके बाद प्रदेश के कुछ अन्य मंत्रियों ने भी इसी बैठक में इस स्थिति पर चिंता जताई थी। कैबिनेट की बैठक में हुए इस हंगामा के बाद विभाग के द्वारा राजस्व के संग्रहण में नागरिकों की सहभागिता को सुनिश्चित करने के लिए यह नया कदम उठाया गया है।

नागरिकों की सहभागिता जरूरी

आयुक्त, वाणिज्यिक कर अनय द्विवेदी का कहना है कि वाणिज्यिककर विभाग चाहता है कि नागरिक राज्य के हित में इस मॉड्यूल का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करें तथा कर अपवंचन की रोकथाम एवं राजस्व वृद्धि में सहभागी बनें। नागरिकों की सक्रिय सहभागिता से राज्य में निष्पक्ष एवं पारदर्शी व्यापारिक वातावरण को बढ़ावा मिलेगा। इससे शासन की विकास योजनाओं के लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

आंतरिक मूल्यांकन 30 की जगह होगा 40

- उच्च शिक्षा में बड़े बदलाव की तैयारी

भोपाल। मध्य प्रदेश का उच्च शिक्षा विभाग आने वाले समय में शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था में कई बड़े बदलाव करने की तैयारी कर रहा है। विभाग का फोकस अब एआई आधारित शिक्षण, डिजिटल मूल्यांकन, ऑनलाइन उपस्थिति और विद्यार्थियों की डिजिटल शैक्षणिक पहचान पर है। हाल ही में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में इन बदलावों की रूपरेखा पर मंथन किया गया है। सबसे बड़ा बदलाव परीक्षा और मूल्यांकन व्यवस्था में देखने को मिल सकता है। विभाग उत्तर पुस्तिकाओं के शत-प्रतिशत डिजिटल वैलिडेशन की दिशा में काम कर रहा है। इसके लागू होने के बाद कॉपियों की जांच और मूल्यांकन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, तेज और विश्वसनीय होने की उम्मीद है। इससे परिणामों में देरी और मूल्यांकन संबंधी शिकायतों में भी कमी आ सकती है। उच्च शिक्षा विभाग वर्तमान मूल्यांकन प्रणाली की समीक्षा भी कर रहा है। अभी 30 प्रतिशत आंतरिक मूल्यांकन और 70 प्रतिशत लिखित परीक्षा का प्रावधान है, लेकिन इसे 40:60 करने पर विचार किया जा रहा है। यदि ऐसा होता है तो विद्यार्थियों की नियमित पढ़ाई, प्रोजेक्ट कार्य और कक्षा में सहभागिता को अधिक महत्व मिलेगा।

विभाग एआई को उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने की दिशा में काम कर रहा है। महाविद्यालयों में एआईसे जुड़े सर्टिफिकेट कोर्स संचालित किए जा रहे हैं, ताकि विद्यार्थी नई तकनीकों को समझ सकें और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप खुद को तैयार कर सकें। साथ ही एआई टूल्स के जिम्मेदार और रचनात्मक उपयोग पर भी जोर दिया जा रहा है। विद्यार्थियों के लिए अपार आईडी तैयार करने का काम भी तेजी से चल रहा है। इसके जरिए छात्रों का पूरा शैक्षणिक रिकॉर्ड एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध रहेगा। इससे प्रवेश, अंकसूची, प्रमाण-पत्र और अन्य शैक्षणिक प्रक्रियाएं आसान हो सकेंगी।

मोबाइल ऐप से दर्ज होगी उपस्थिति

विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए 'सार्थक ऐप' आधारित उपस्थिति प्रणाली लागू करने की तैयारी की जा रही है। इससे कॉलेजों में उपस्थिति की निगरानी आसान होगी और कक्षाओं में नियमित सहभागिता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

भारतीय भाषाओं में भी मिलेगा पढ़ाई का विकल्प

नई शिक्षा नीति के तहत तेलुगु, तमिल, मराठी समेत विभिन्न भारतीय भाषाओं में पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को उनकी पसंद और सुविधा के अनुसार शिक्षा उपलब्ध कराना है। उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि तकनीक आधारित शिक्षा केवल प्रशासनिक सुधार का माध्यम नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को वैश्विक अवसरों से जोड़ने का भी सशक्त साधन है।

32 हजार संविदाकर्मियों की हड़ताल जारी

भोपाल। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत कार्यरत प्रदेश के करीब 32 हजार संविदाकर्मियों की हड़ताल लगातार जारी है। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर कर्मचारी प्रदेशभर में प्रदर्शन कर रहे हैं। बुधवार को भोपाल स्थित जेपी अस्पताल के बाहर भी संविदाकर्मियों ने धरना देकर शासन के खिलाफ विरोध जताया। संविदाकर्मियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो आठ जून को मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा। कर्मचारियों का कहना है कि वे वर्षों से स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है। संविदाकर्मी नेता राकेश मिश्रा ने बताया कि प्रदेश के सभी 52 जिलों में हड़ताल जारी है। उनका आरोप है कि वर्ष 2023 में बनाई गई संविदा नीति को प्रशासन द्वारा प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया जा रहा है।

मांगें नहीं मानीं तो 8 जून को सीएम आवास घेरेंगे

- हड़ताल पर बैठे राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदाकर्मियों ने कहा....

भोपाल (ईएमएस)। प्रदेश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत कार्यरत करीब 32 हजार संविदा कर्मचारी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं। भोपाल के जेपी अस्पताल के बाहर बुधवार को भी कर्मचारियों ने धरना-प्रदर्शन किया। वहीं, कई जगहों पर हड़ताल के कारण अस्पतालों में काम प्रभावित होने की सूचना भी मिली है। संविदा कर्मियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो 8 जून को मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा। कर्मचारियों का कहना है कि वे सालों से स्वास्थ्य सेवाओं में जरूरी भूमिका निभा रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याओं की लगातार अनदेखी की जा रही है। शिवराज सरकार में मांगों पर सहमति जताई गई थी, लेकिन बाद में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। संविदा कर्मी अजय अवस्थी ने कहा कि प्रदेश के सभी 52 जिलों में हड़ताल जारी है। उनका आरोप है कि 2023 की संविदा नीति को प्रशासन सही तरीके से लागू नहीं कर रहा है। इसी के विरोध में कर्मचारी सार्वजनिक रूप से धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदेशभर में अलग-अलग तरीकों से अपनी आवाज उठा रहे हैं, ताकि उनकी मांगें शासन तक पहुंच सकें। संविदा कर्मी कामिनी मेहरा ने बताया कि सभी कर्मचारी 25 मई से हड़ताल पर हैं। 8 जून को मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में संविदा कर्मचारियों के लिए नीति बनाई गई थी, लेकिन इसके बाद उस पर कोई ठोस काम नहीं हुआ। कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर आंदोलन तेज कर दिया है और सीएम आवास घेराव की तैयारी शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि मांगें पूरी नहीं होने पर अब बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

- कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ संवाद में अजय सिंह बोले

हम भाजपा से नहीं, अपनों से हारते हैं

- यह पार्टी के लिए आखिरी मौका, कांग्रेस को 2028 चुनाव जीतने कुर्बानी देनी होगी

भोपाल। प्रदेश के पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने बुधवार को हरदा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया। आगामी विधानसभा चुनाव 2028 के लिए एकजुटता का मंत्र देते हुए उन्होंने कहा कि यह चुनाव कांग्रेस के लिए आखिरी मौका होगा। जीत दर्ज करने के लिए पार्टी के सभी नेताओं को अपना अहम छोड़कर थोड़ी कुर्बानी देनी होगी। पार्टी की अंदरूनी खींचतान पर बेबाकी से बोलते हुए अजय सिंह ने कहा कि चुनाव आते ही कांग्रेस का हर नेता दावेदार बन जाता है या किसी का पट्ठा बन जाता है। इसी वजह से कांग्रेस भाजपा से नहीं, बल्कि अपनों से ही चुनाव हार जाती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से स्थानीय और ज्वलंत मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की अपील की। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कांग्रेस 2028 का चुनाव नहीं जीती, तो केवल आगे की पंक्तियों में बैठे लोग ही दिखाई देंगे। इसके बाद पीछे की लाइन हमेशा के लिए खाली हो जाएगी।

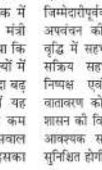

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा पीसीसी चीफ जीतू पटवारी को लेकर दिए गए बयान की अजय सिंह ने कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि जिस तरह की भाषा का मुख्यमंत्री ने प्रयोग किया है, उसे देखकर नहीं लगता कि वह महाकाल की नगरी से आते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी संवेदनशील प्रदेश के मुखिया को ऐसी भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। खासकर किसी दूसरी पार्टी के अध्यक्ष के लिए ऐसे बयान बिल्कुल उचित नहीं हैं।

घर बैठे कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने की व्यक्तिगत मुहिम

मीडिया से चर्चा के दौरान अजय सिंह ने बताया कि प्रदेश भर के जिलों में जाकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मिलना उनकी व्यक्तिगत मुहिम का हिस्सा है। इसका मुख्य उद्देश्य पार्टी को पहले से अधिक मजबूत और संगठित करना है। वह घर बैठे नेताओं को आम जनता की लड़ाई लड़ने के लिए फिर से तैयार कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा। सिंह ने कहा कि कांग्रेस के प्रधानमंत्रियों और मुख्यमंत्रियों ने हमेशा अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के लिए योजनाएं बनाईं। वहीं, वर्तमान में देश चला रहे गुजराती बंधु पूरे देश को अडानी के हाथों सौंपने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं को देश के मुद्दों पर लड़ रहे राहुल गांधी से प्रेरणा लेने की सलाह दी।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा का प्रदेशव्यापी जनसंपर्क अभियान

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रदेशभर में विशेष जनसंपर्क एवं जनकल्याण कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित करने का निर्णय लिया है। भाजपा प्रदेश कार्यालय मंत्री श्याम महाजन के अनुसार, '12 साल विश्वास के, विकास के, जन कल्याण के' अभियान के तहत 5 जून से 21 जून 2026 तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने गरीब, शोषित एवं वंचित वर्गों के कल्याण, किसानों के सशक्तिकरण, महिला सशक्तिकरण तथा विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। इसी उपलब्धि को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जाएगा। अभियान की शुरुआत 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम के साथ होगी। इसके अंतर्गत प्रत्येक मंडल में वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा तथा विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं सामाजिक संगठनों को भी इससे जोड़ा जाएगा। इसके बाद 8 जून से 14 जून तक विशेष जनसंपर्क अभियान संचालित किया जाएगा। इस दौरान केंद्रीय मंत्री, सांसद, विधायक, प्रदेश पदाधिकारी एवं विभिन्न मोर्चों के कार्यकर्ता जनता के बीच पहुंचकर केंद्र सरकार की उपलब्धियों की जानकारी देंगे। अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण एवं स्वच्छता कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा, जिसमें विशेष रूप से प्लास्टिक अपशिष्ट की सफाई पर जोर दिया जाएगा। वहीं 11 जून से 12 जून के मध्यम मीडिया संवाद, 12 जून से 18 जून तक जन कल्याण शिविर 15 से 18 जून तक सभागार बैठकें, 19 जून से 20 जून तक प्राकृतिक खेती कार्यशालाएं और 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर अभियान की समाप्ति की जाएगी। प्रदेश नेतृत्व ने सभी जिला अध्यक्षों को निर्देशित किया है कि वे अभियान को प्रभावी एवं व्यापक बनाते हुए अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित करें, ताकि मोदी सरकार की 12 वर्षों की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं का संदेश समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे एकदिवसीय में पाकिस्तान को 41 रन से हराकर सीरीज में 1-1 से वापसी की

लाहौर। जोश इंगलिस और कैमरन ग्रीन की अच्छी बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में मेजबान पाकिस्तान को 41 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है। वहीं पहले एकदिवसीय में पाक टीम जीती थी। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए इस दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवरों में 9 विकेट खोकर 231 रन बनाये। इंगलिस ने 51 जबकि ग्रीन ने 53 रन बनाये।

इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान पाक टीम 44 ओवर में केवल 190 रनों पर ही आउट हो गयी। इस मैच में टॉस जीतकर पाकिस्तान ने मेहमान टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया।

ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत बेहद खराब रही, जहां पहली ही गेंद पर ओपनर एलेक्स कैरी शाहीन अफरीदी का शिकार बने और बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। इसके बाद मैथ्यू शॉर्ट 15 और मार्नस लाबुशेन 5 रन बनाकर आउट हो गए। इससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 10.4 ओवर में 3 विकेट पर 51 रन हो गया। इसके बाद कप्तान जोश इंगलिस और कैमरन ग्रीन ने पारी को संभाला। इंगलिस ने 74 गेंदों में 51 रनों की कप्तानी पारी खेली, जबकि ग्रीन ने 92 गेंदों में 53 रन बनाए। मैट रेनशॉ ने तेजी से 43 गेंदों में 43 रन और ओलिवर पीक ने 32 गेंदों में 31 रनों का योगदान दिया, जिससे ऑस्ट्रेलियाई टीम निर्धारित 50 ओवरों में 9 विकेट खोकर 231 रन बनाने में सफल रही। पाकिस्तान की ओर से शाहीन अफरीदी ने 3 विकेट जबकि स्पिनर अराफात मिन्हास ने 10 ओवर में 27 रन देकर 2 अहम विकेट लिए। अबरार अहमद और हारिस रऊफ को भी 2-2 विकेट मिले।

जीत के लिए 232 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की टीम की शुरुआत भी खराब रही। सलामी बल्लेबाज साहबजादा फरहान 3 और माज सदाकत 0 पर आउट हो गए। अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम भी केवल 16 रन बनाकर अपना विकेट खो बैठे। विकेटकीपर गाजी गौरी ने 37 रन बनाय पर दूसरे छोर से कोई बड़ा साथ नहीं मिल सका। सलमान आगा 7 और अब्दुल समद 2 रन बनाकर आउट हुए। अनुभवी शादाब खान और युवा अराफात मिन्हास ने मिलकर पारी को संभालने का प्रयास किया। कप्तान शादाब खान ने 104 गेंदों में 71 रन बनाए, जिसमें 3 छक्के और 1 चौका शामिल था। अराफात मिन्हास ने भी 33 रन बनाये। पाकिस्तान की पूरी टीम 44 ओवर में महज 190 रनों पर आउट हो गई। वहीं ऑस्ट्रेलिया की तरफ से तेज गेंदबाज नाथन एलिस ने 9 ओवर में 33 रन देकर 4 विकेट लिए, जबकि स्पिनर मैथ्यू शॉर्ट ने 3 विकेट लिए।

अर्जुन तेंदुलकर ने ऑलराउंड प्रदर्शन कर अपनी टीम को जीत दिलायी

मुम्बई । यहां खेली जा रही मुंबई टी20 लीग में अर्जुन तेंदुलकर ने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। इससे पहले आईपीएल में एक ही मैच खेल पाये अर्जुन ने यहां हुए चौथे मुकाबले में 'एआरसीएस अंधेरी' की ओर से खेलते हुए अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी कर अपनी टीम को जीत दिलायी। अर्जुन ने इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए छक्का जड़कर अपनी टीम को 14 ओवरों में ही जीत दिला दी। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान श्रेयस अय्यर की सोबो मुंबई फाल्कन्स को 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में में फाल्कन्स की टीम 18.2 ओवर में केवल 126 रन ही बना पायी। एआरसीएस अंधेरी की ओर से शिवम दुबे ने 17 रन देकर 3 विकेट और अजय मिश्रा ने 27 रन देकर 3 विकेट लिए।

इसके बाद एआरसीएस अंधेरी ने 14 ओवर में ही 5 विकेट खोकर 127 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

इस मुकाबले में एआरसीएस अंधेरी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए सोबो मुंबई फाल्कन्स को 18.2 ओवर में केवल 126 रनों पर ही समेट दिया। फाल्कन्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही।

सलामी बल्लेबाज ईशान मूलचंदानी सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हो गये। वहीं कप्तान श्रेयस अय्यर भी केवल 5 रन ही बना पाये। आदित्य तारे ने इसके बाद 39 गेंदों में 6 चौके व 2 छक्कों की मदद से शानदार 59 रन बनाये पर अन्य बल्लेबाज विफल रहे। अर्जुन तेंदुलकर ने 3 ओवर में केवल 21 रन देकर वेदांत गोरे को 4 रनों पर ही पेवेलियन भेज दिया। सोबो मुंबई फाल्कन्स की पूरी टीम 18.2 ओवर में केवल 126 रनों पर ही आउट हो गयी।

जीत के लिए मिले 127 रनों के आसान से लक्ष्य का पीछा करने उतरी एआरसीएस अंधेरी की शुरुआत भी खराब रही। आयुष जेठवा शुन्य पर ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद सलामी बल्लेबाज दिव्यांश सक्सेना ने पारी संभाली और 33 गेंदों में 4 चौके व 3 छक्के लगाकर 50 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं प्रगनेश ने 26 रन जबकि प्रसाद पवार ने 21 रन बनाये। कप्तान शिवम दुबे 16 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद अर्जुन तेंदुलकर ने तेजी से बल्लेबाजी कर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। उन्होंने दो गेंदों में एक छक्के के साथ नाबाद 7 रन बनाकर टीम को 14 ओवर में ही 5 विकेट पर 127 रनों तक पहुंचा दिया।

कैप्सी और हीथर की शानदार बल्लेबाजी से इंग्लैंड ने तीसरे टी20 में भारतीय टीम को हराया

टांटन। इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम ने भारतीय टीम को तीसरे टी20 मुकाबले में 6 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली है। इंग्लैंड टीम की जीत में एलिस कैप्सी और हीथर नाइट ने मुख्य भूमिका निभाई। इन दोनो ने ही अर्धशतकीय पारियां खेलीं। इस मैच में भारतीय महिला टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान हरमनप्रीत कौर के अर्धशतक 56 रनों की पारी से निर्धारित 20 ओवरों में 180 रन बनाए थे। इसके बाद मेजबान टीम ने ये लक्ष्य 18.3 ओवर में ही 184 रन बनाकर हासिल कर लिया।

इंग्लैंड की ओर से कैप्सी ने 43 गेंद में 9 चौके और 3 छक्के लगाकर सबसे अधिक 82 रन बनाये। वहीं हीथर नाइट ने 42 गेंद में 10 चौके लगाकर नाबाद 70 रन बनाये। लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। उसने केवल 38 रनों पर ही अपने 3 विकेट खो दिये। इसके बाद कैप्सी और नाइट ने पारी को संभाला ।

वहीं भारतीय टीम की तरफ से गेंदबाजी अच्छी नहीं रही। अरुनधति रेड्डी और क्रांति गौड़ के अलावा और कोई भी विकेट नहीं ले पायी। इन दोनों ने 2-2 विकेट लिए पर अन्य गेंदबाज असफल रहे।

वहीं इससे पहले भारतीय टीम की बल्लेबाज भी उम्मीद के अनुसार नहीं रही। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 40 गेंद में नाबाद 56 रन बनाकर टीम को 180 रन तक पहुंचाया। हरमनप्रीत के अलावा टीम यस्तिका भाटिया और दीप्ति शर्मा ने 32-32 व जेमिमा रोड्रिग्स ने 29 रन बनाये। वहीं अन्य बल्लेबाज असफल रहीं।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय टीम के खिलाफ घरेलू सीरीज का कार्यक्रम घोषित किया

22 अक्टूबर से 1 दिसंबर तक खेले जाएंगे मुकाबले

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने इस साल के अंत में भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ होने वाली घरेलू सीरीज के लिए कार्यक्रम घोषित कर दिया है। भारतीय टीम अक्टूबर में न्यूजीलैंड दौरे पर पहुंचेगी जहां उसे पांच टी20, पांच एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय और दो टेस्ट मैचों की एक लंबी सीरीज खेलेगी। इस प्रकार कुल 12 मुकाबले पांच अलग-अलग स्थलों पर खेले जाएंगे, जिसकी शुरुआत 22 अक्टूबर से होगी और यह 1 दिसंबर तक चलेगी।

यह पहली बार होगा जब न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम अपनी धरती पर भारत के खिलाफ एक साथ तीन अलग-अलग प्रारूपों में 12 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। भारतीय टीम साल 2019 के बाद पहली बार न्यूजीलैंड की धरती पर टेस्ट सीरीज के लिए पहुंचेगी। साल 2022 के बाद यह भारतीय टीम का पहला सीमित ओवरों का दौरा होगा।

भारतीय टीम अपने न्यूजीलैंड दौरे की शुरुआत में पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। पहला टी20 मुकाबला 22 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा, जिसके बाद दूसरा टी20 भी 24 अक्टूबर को उसी मैदान पर खेला जाएगा। वहीं सीरीज का तीसरा मैच 27 अक्टूबर को वेलिंगटन में और चौथा टी20 30 अक्टूबर को ऑकलैंड में, और पांचवां व अंतिम टी20 1 नवंबर को हैमिल्टन में खेला जाएगा। टी20 सीरीज के बाद, दोनों टीमें पांच मैचों की एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सीरीज में खेलेगी। एकदिवसीय सीरीज का पहला मुकाबला 4 नवंबर को ऑकलैंड में खेला जाएगा। वहीं दूसरा एकदिवसीय मुकाबला 7 नवंबर को वेलिंगटन में खेला जाएगा। तीसरा मैच 10 नवंबर को हैमिल्टन में होगा। अंतिम दो एकदिवसीय मुकाबले माउंट माउंगानुई में 13 नवंबर और 15 नवंबर को खेले जाएंगे वहीं अंत में दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी। पहला टेस्ट मैच 19 से 23 नवंबर तक वेलिंगटन में खेला जाएगा, जो दोनों टीमों के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से महत्वपूर्ण होगा। दूसरा और अंतिम टेस्ट 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक क्राइस्टचर्च में आयोजित होगा, जिसके साथ भारत का यह दौरा समाप्त होगा। भारत के खिलाफ इस सीरीज के अलावा, न्यूजीलैंड कीवी टीम घरेलू मैदान पर श्रीलंका और बांग्लादेश के खिलाफ भी सीरीज की मेजबानी करेगी, और जनवरी के अंत व फरवरी की शुरुआत में अपने घरेलू सत्र का समापन करेगी।

पहली बार भारतीय टीम की मेजबानी करेगा अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड

सितंबर में खेली जाएगी तीन मैचों की सीरीज

मुम्बई। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) अपनी घरेलू सीरीज के लिए पहली बार भारत की मेजबानी करने जा रहा है। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की ये टी20 सीरीज इसी साल सितंबर में नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेली जाएगी। हालांकि अभी कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है पर माना जा रहा है कि 13, 16 और 19 सितंबर को ये मुकाबले होंगे। एसीबी अपने देश में राजनीतिक अस्थिरता और सुरक्षा चिंताओं के कारण पिछले एक दशक से अपने घरेलू मुकाबले भारत और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों में आयोजित करता आ रहा है। बीसीसीआई और एसीबी के बीच अच्छे संबंध हैं, बीसीसीआई ने पूर्व में भी आयरलैंड, श्रीलंका और जिम्बाब्वे जैसे छोटे बोर्डों की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए कई बार सीरीज खेली हैं

अफगानिस्तान की टीम अभी 6 जून से भारतीय टीम के साथ एक टेस्ट और तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। वहीं इसके बाद वह भारतीय टीम की मेजबानी करना चाहती है। इसको लेकर दोनों बोर्डों के बीच सहमति बन गयी है और कुछ औपचारिकताओं के पूरे होते ही इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी जाएगी।यदि अफगानिस्तान की टीम सितंबर में अरुण जेटली स्टेडियम में टीम इंडिया की मेजबानी करती है, तो दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के कार्यक्रम में बदलाव किया जा सकता है। बीसीसीआई ने एसीबी और दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के बीच इस सीरीज के लिए अफगानिस्तान को घरेलू मैदान की उपलब्धता को लेकर मध्यस्थता की है। वहीं डीडीसीए भी अपनी दिल्ली प्रीमियर लीग टी20 का कार्याक्रमक इसी के अनुसार तैयार कर रहा है। यह पहला अवसर नहीं होगा जब अफगानिस्तान ने भारत के किसी स्टेडियम को अपने घरेलू मैदान के रूप में इस्तेमाल किया हो। इससे पहले, अफगानिस्तान ने 2017 में ग्रेटर नोएडा में आयरलैंड की मेजबानी की थी और फिर 2018 में देहरादून में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज की मेजबानी की थी।

नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में भारत के प्रज्ञाननंदा जीते, गुकेश हारे

ओस्लो । यहां आयोजित नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में भारत को मिली जुली सफलता मिली है। जहां भारतीय युवा ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए विश्व के नंबर एक खिलाड़ी और मेजबान देश नार्वे के मैग्नस कार्लसन को शिकस्त दी। वहीं भारत के ही डी गुकेश को फ्रांस के अलीरेज़ा फ़िरोजा के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा है। प्रज्ञाननंदा की खिताबी उम्मीदें बनी हुई हैं पर गुकेश की समाप्त हो गयी हैं। प्रज्ञाननंदा ने कार्लसन को क्लासिकल बाजी में उन्हें दूसरी बार मात दी अब उनके इस टूर्नामेंट में पहले भारतीय चैंपियन बनने की उम्मीदें बढ़ी हैं। एलीट डबल राउंड-रॉबिन प्रतियोगिता में इसभारतीय खिलाड़ी ने पहले भी कार्लसन को क्लासिकल बाजी में शिकस्त दी थी।

इस जीत से प्रज्ञाननंदा अब 12 अंक लेकर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं दूसरी ओर इस हार से कार्लसन की आठवीं बार नॉर्वे शतरंज खिताब जीतने की उम्मीदें टूटी हैं। अब केवल दो दौर का खेल बचा हुआ है और ऐसे में मौजूदा चैंपियन कार्लसन का जीतना संभव नहीं है। वहीं दूसरी ओर गुकेश की तीसरी हार के साथ ही उनके खिताब जीतने की उम्मीदें तकरीबन खत्म हैं। गुकेश को फ्रांस के अलीरेज़ा फ़िरोजा ने क्लासिकल मुकाबले में हराया। इससे अलीरेज़ा 13 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। .गुकेश के अभी केवल आठ अंक हैं और वह अपने अगले दो मैचों में क्लासिकल में जीतने पर भी अधिकतम 14 अंक तक ही पहुंच सकते हैं।

फ्रैंचाइजी के लिए बेहद महंगे साबित हुए ऋषभ, हर रन लाखों रुपये का पड़ा

मुम्बई। लखनऊ सुपर जायंट्स क्रिकेट टीम के कप्तान ऋषभ पंत आईपीएल के 19 वें सत्र में असफल रहे। वह फ्रैंचाइजी के लिए बेहद महंगे साबित हुए। उनके एक-एक रन के लिए उसे लाखों रुपये चुकाने पड़े। ऋषभ कप्तानी के साथ ही बल्लेबाजी में भी विफल रहे। इससे उनकी टीम लखनऊ सुपर जायंट्स का प्रदर्शन बेहद खराब रहा और टीम अंकतालिका में अंतिम स्थान पर रही। एक बल्लेबाज और कप्तान के तौर पर ऋषभ अपनी टीम को कोई लाभ नहीं पहुंचा सके। यहां तक कि उगर उनको मिलने वाली रकम का आंकलन करें तो फैंचाइजी के लिए उनका हर एक रन लाखों रुपये का पड़ा है। ये सामने आया है कि ऋषभ के एक-एक रन की कीमत लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए करीब 8.65 लाख रुपये रही। उन्हें 27 करोड़ रुपये पर रखा गया था।

कप्तान ने 14 मैचों में कुल 312 रन बनाए। इस प्रकार देखा जाये तो उनका प्रति रन 8,65,384 रुपये का रहा है।

पिछले साल आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में फैंचाइजी ने ऋषभ को 27 करोड़ रुपये में खरीदा था। उस सत्र में, उन्होंने 14 मैचों में केवल 269 रन बनाए थे। इन आंकड़ों के आधार पर, 2025 में उनके प्रत्येक रन की कीमत 10 लाख 3 हजार 717 रुपये से भी अधिक रही थी, जिसने फैंचाइजी के लिए वह काफी महंगे साबित हुए थे।

अगर हम पिछले दो सत्र के प्रदर्शन को एक साथ देखें, तो ऋषभ ने कुल 54 करोड़ रुपये की सैलरी पर 581 रन बनाए हैं। इस प्रकार, उनके हर एक रन की औसत कीमत 9 लाख 29 हजार 432 रुपये प्रति रन बैठती है। यह आंकड़ा लीग के सबसे महंगे खिलाड़ियों में से एक होने के बाद भी उनके बेहद खराब प्रदर्शन को दिखाता है।

उनकी कप्तानी में, टीम 2025 में प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई, और 2026 में भी यही हुआ। वह अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर रही। 2026 में सुपर जायंट्स ने 14 में से सिर्फ 4 मैच जीते, जबकि 2025 में 6 मुकाबले। कुल 28 मैचों में से केवल 10 जीत का खराब रिकॉर्ड उनके कप्तानी छोड़ने का मुख्य कारण बताया है।

फीफा विश्वकप में खेलते नजर आयेंगे भारतीय मूल के ये चार फुटबॉलर

कोलकाता । 11 जून से अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में शुरु हो रही फीफा विश्कपकप फुटबॉल को लेकर दुनिया भर की तरह ही भारत में भी फुटबॉल प्रशंसक उत्साहित हैं।

देश में इसके प्रसारण को लेकर गतिरोध समाप्त होने से भी फुटबॉल प्रशंसक टीवी पर मैच देखने को लेकर उत्साहित हैं। इस बार विश्वकप में भारतीय मूल के चार खिलाड़ी भी खेलते नजर आयेंगे। ये सभी अलग-अलग देशों की ओर से उतर रहे हैं। भारतीय प्रशंसक भी इन सभी को खेलते हुए देखने का इंतजार कर रहे हैं।

इस बार कुल 48 टीमें विश्व कप में हिस्सा ले रही हैं। विश्वकप में खेलने वाले भारतीय मूल के ये फुटबॉलर हैं

तहसीन जमशीद - 19 वर्षीय विंगर तहसीन जमशीद, जिनका जन्म दोहा में हुआ, लेकिन उनकी जड़ें केरल के कन्नूर जिले से जुड़ी हैं। उनके माता-पिता मलयाली हैं वह कतर टीम से खेल रहे हैं। तहसीन को कतर की प्रारंभिक टीम में शामिल किया गया है, और केरल के प्रशंसकों को पूरी उम्मीद है कि वह अंतिम टीम में भी जगह बना पाएंगे। तहसीन के पिता भी पूर्व फुटबॉलर रह चुके हैं और उन्होंने कतर के लिए अंडर-17 और अंडर-19 स्तर पर खेला है।

सरप्रीत सिंह - न्यूजीलैंड के लिए खेलने वाले सरप्रीत सिंह पर भी सबकी निगाहें होंगी। 27 वर्षीय सरप्रीत एक अटैकिंग मिडफील्डर हैं, जिनके परिवार का संबंध पंजाब के जालंधर से है। वह 2018 से न्यूजीलैंड की सीनियर टीम के लिए खेल रहे हैं और अब तक तीन महत्वपूर्ण गोल दाग चुके हैं।

सैमुअल मुतुसामी - कांगो की टीम में तमिल मूल के खिलाड़ी सैमुअल मुतुसामी को जगह मिली है। 29 वर्षीय यह डिफेंसिव मिडफील्डर पेरिस में जन्मे हैं, उनकी मां कांगो की हैं जबकि पिता तमिल मूल के इंडो-गुआराडेलूपियन हैं। सैमुअल ने 2019 में कांगो के लिए अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था।

निशान वेलुपिल्ले - इस सूची में चौथा नाम निशान वेलुपिल्ले का है, जो ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल हैं। एक विंगर के रूप में खेलने वाले निशान के पिता तमिलनाडु से जुड़े एक मलेशियाई नागरिक हैं, जबकि उनकी मां एंग्लो-इंडियन हैं। यह बात भारतीय फुटबॉल प्रेमियों के लिए और भी खास है क्योंकि 2006 के बाद यह पहला विश्व कप होगा, जिसमें कोई भारतीय मूल का खिलाड़ी दिखाई देगा।

गौरतलब है कि विश्वकप में अंतिम बार विकास धोरासू ने फ्रांस के लिए खेलकर भारत का नाम रोशन किया था। इन चारों खिलाड़ियों का विश्व कप में शामिल होना भारतीय फुटबॉल के लिए एक नया अध्याय खोलेगा और दुनिया भर के भारतीय फैंस को अपनी जड़ों से जुड़े इन सितारों को समर्थन देने का एक अनूठा अवसर मिलेगा।

पांड्या सीओई पहुंचे, रोहित का हो रहा इंतजार

बेंगलुरु । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से पहले रिहैब के लिए बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) पहुंचने को कहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार पांड्या तो यहां पहुंच गये हैं पर रोहित अब तक नहीं पहुंचे हैं।एकदिवसीय सीरीज के लिए दोनों खिलाड़ी भारतीय दल में शामिली हैं हालांकि इनकी भागीदारी का फैसला फिटनेस पर निर्भर करेगा। एक रिपोर्ट के पांड्या एक हफ्ते से अधिक समय तक अपनी रिकवरी प्रक्रिया पूरी करेंगे, जिसके बाद वह भारतीय टीम के साथ जुड़ेंगे।

वहीं आईपीएल के दौरान रोहित भी हैमस्ट्रिंग इंजरी का शिकार हुए थे जबकि पांड्या भी

चोट के चलते मुंबई इंडियंस के लिए कुछ मैचों में अनुपस्थित रहे थे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने इन दोनों खिलाड़ियों को उनकी फिटनेस का आंकलन करने और रिहैब प्रक्रिया से गुजरने के लिए सीओई में बुलाया था। वहां उनकी शारीरिक दक्षता का परीक्षण किया जाएगा। इसमें रिहैब के बाद अगर ये पूरी तरह फिट पाए जाते हैं, तो ही आगामी एकदिवसीय सीरीज में खेलेंगे।रोहित का पूरा ध्यान अगले साल होने वाले एकदिवीसय विश्व कप पर केंद्रित है। वहीं, हार्दिक भी एकदिवसीय और टी20 पर ही ध्यान दे रहे हैं। पांड्या ने पिछले साल मार्च में भारत के लिए आखिरी बार एकदिवसीय मैच खेला था, और उसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं।

भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे श्रृंखला 13 जून से शुरू होगी। पहला वनडे धर्मशाला में 13 जून को खेला जाएगा। दूसरा मैच लखनऊ के इकाना स्टेडियम में 17 जून को और तीसरा मैच 20 जून को चेन्नई में खेला जाएगा।

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में फ्लाप रहीं मंधाना

टांटन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में भी असफल रहीं और 9 गेंदों में 8 रन ही बना पायी। इसी के साथ ही मंधाना के नाम एक ऐसा अनचाहा रिकार्ड दर्ज हो गया है जिसे वह भूलना चाहेंगी। इस सीरीज में वह केवल 40 रन ही बना पायीं। यह इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज में मंधाना का अब तक का सबसे कम स्कोर है। इस पूरी सीरीज में मंधाना का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। पहले मुकाबले में वह खाता भी नहीं खोल पायीं। दूसरे टी20 में उन्होंने 32 रन जबकि तीसरे और अंतिम मैच में 8 रन बनाये। ये इंग्लैंड के खिलाफ किसी भी तीन टी20 मैचों की सीरीज में उनका अब तक का सबसे कम स्कोर है।

सेवानिवृत्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को एसपी ने सम्मनित कर दी विदाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पुलिस अधीक्षक बालाघाट आदित्य मिश्रा द्वारा माह मार्च, अप्रैल एवं मई 2026 में सेवानिवृत्त हुए पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को उनके परिजनों तथा पुलिस परिवार की उपस्थिति में सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। इस अवसर पर सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों का पुष्पमाला, शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया।कार्यक्रम के दौरान सेवानिवृत्त अधिकारी एवं कर्मचारियों ने अपने लंबे सेवाकाल के अनुभव साझा करते हुए पुलिस विभाग में बिताए गए महत्वपूर्ण क्षणों को याद किया।उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान प्राप्त अनुभवों, चुनौतियों तथा उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया।कई अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अपनी सेवाओं के दौरान किए गए कार्यों एवं उस समय की परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए बताया कि किस प्रकार पुलिस विभाग ने उन्हें समाज एवं राष्ट्र सेवा का अवसर प्रदान किया। उन्होंने पुलिस विभाग का हिस्सा बनने को अपने जीवन का गौरवपूर्ण अध्याय बताया।कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी सेवानिवृत्त साथियों के साथ बिताए गए अनुभव साझा किए तथा उनके योगदान की सराहना की। समारोह के दौरान उपस्थित परिजनों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए विभाग द्वारा दिए गए सम्मान एवं आत्मीयता के लिए आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नक्सल अभियान, रक्षित निरीक्षक बालाघाट सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी अपने उद्बोधन में सेवानिवृत्त अधिकारी एवं कर्मचारियों की कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण एवं सेवाओं की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल एवं सुखद भविष्य की कामना की।

प्रत्येक अधिकारी/ कर्मचारी विभाग की अमूल्य धरोहर है- मिश्रा

पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस विभाग में कार्यरत प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी विभाग की अमूल्य धरोहर होता है। सेवानिवृत्ति केवल शासकीय सेवा का समापन है, लेकिन विभाग एवं पुलिस परिवार से उनका संबंध सदैव बना रहेगा। उन्होंने सभी सेवानिवृत्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को स्वस्थ, सुखी एवं शांतिपूर्ण जीवन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भविष्य में किसी भी प्रकार की आवश्यकता होने पर जिला पुलिस बालाघाट सदैव उनके सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए उपलब्ध रहेगी।उन्होंने यह भी आग्रह किया कि पुलिस विभाग में अर्जित अपने अनुभव एवं ज्ञान को समय-समय पर विभाग के साथ साझा करते रहें, ताकि नई पीढ़ी के पुलिसकर्मी उनके अनुभवों से प्रेरणा एवं मार्गदर्शन प्राप्त कर सकें।

जिस आतंक को पाला, अब उसी की मार झेल रहा पाकिस्तान!

नई दिल्ली। पाकिस्तान में आतंकवाद का संकट लगातार गहराता जा रहा है। जिस आतंकवादी नेटवर्क को लेकर देश पर वर्षों से आरोप लगते रहे हैं, अब वही उसके लिए सबसे बड़ी चुनौती बनता दिख रहा है। एक नई रिपोर्ट के मुताबिक मई महीने में पाकिस्तान में आतंकी हिंसा की घटनाओं में 27 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज की मासिक सुरक्षा रिपोर्ट के मुताबिक मई में देशभर में 128 आतंकी हमले हुए, जबकि अप्रैल में यह संख्या 101 थी। रिपोर्ट बताती है कि कुछ समय की गिरावट के बाद आतंकी और उग्रवादी संगठनों ने फिर से अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। मई के दौरान आतंकवादी हमलों में 71 नागरिक, 68 सुरक्षाकर्मी और शांति समितियों के 6 सदस्य मारे गए। वहीं 147 नागरिक, 35 सुरक्षाकर्मी और 3 शांति समिति सदस्य घायल हुए। आंकड़े बताते हैं कि अप्रैल के मुकाबले नागरिक मौतों में 92 फीसदी और सुरक्षाबलों की मौतों में 143 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

आत्मघाती हमलों में बड़ी बढ़ोतरी

रिपोर्ट के मुताबिक, आत्मघाती हमलों में भी बड़ी बढ़ोतरी हुई है। मई में कुल 6 आत्मघाती हमले हुए, जिनमें 4 वाहन आधारित आत्मघाती विस्फोट शामिल थे। इन हमलों में 34 सुरक्षाकर्मी और 9 नागरिक मारे गए। इसके विपरीत मार्च और अप्रैल में केवल एक-एक आत्मघाती हमला दर्ज किया गया था। इससे संकेत मिलता है कि आतंकी संगठन फिर से इस रणनीति का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल कर रहे हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित प्रांत बलूचिस्तान रहा। यहां मई में 71 हमले दर्ज किए गए, जबकि अप्रैल में यह संख्या 34 थी। यानी एक महीने में 109 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। सुरक्षा स्थिति बिगड़ने का असर अपहरण की घटनाओं पर भी दिखाई दिया। देशभर में दर्ज 54 अपहरण मामलों में से 52 अकेले बलूचिस्तान में हुए।

खैबर और बलूचिस्तान में पाकिस्तान आर्मी का ऑपरेशन

हालांकि बढ़ती हिंसा के बीच पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने भी बड़े पैमाने पर आतंकवाद विरोधी अभियान चलाए। पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज के अनुसार मई में सुरक्षा बलों ने 270 आतंकियों को मार गिराया और 15 अन्य को गिरफ्तार किया। मारे गए आतंकियों में 128 पूर्व फाटा क्षेत्र, 62 खैबर पख्तूनख्वा, 71 बलूचिस्तान और एक पंजाब प्रांत में ढेर किए गए। विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान के सामने अब दोहरी चुनौती है। एक तरफ आतंकी संगठनों की बढ़ती ताकत और दूसरी तरफ बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा जैसे संवेदनशील इलाकों में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति। मई के आंकड़े इस बात का संकेत हैं कि देश में आतंकवाद का खतरा कम होने के बजाय फिर से तेजी से बढ़ रहा है।

सोना बेचने की खबरों का आरबीआई ने किया खंडन

-880.52 टन पर स्थिर है देश का गोल्ड रिजर्व

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने उन मीडिया रिपोर्टों को सिरे से खारिज किया है, जिसमें दावा किया गया था कि केंद्रीय बैंक ने हाल के महीनों में अपने स्वर्ण भंडार का एक हिस्सा बेच दिया है। आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि उसके पास मौजूद भौतिक सोने का भंडार पूरी तरह सुरक्षित है और इसमें किसी तरह की कमी नहीं आई है। केंद्रीय बैंक के अनुसार 24 अप्रैल 2026 को समाप्त सप्ताह तक उसका कुल स्वर्ण भंडार 880.52 टन पर स्थिर बना हुआ है।

आरबीआई की यह सफाई तब आई है, जब कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया था कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम करने के लिए केंद्रीय बैंक ने करीब 12 अरब डॉलर मूल्य का सोना बेच दिया है। हालांकि आरबीआई ने इन दावों को पूरी तरह गलत और भ्रामक बताया है। बैंक ने कहा कि उसके स्वर्ण भंडार में किसी प्रकार की कटौती नहीं की गई है और उपलब्ध आधिकारिक आंकड़े इसकी पुष्टि करते हैं। केंद्रीय बैंक द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 2 मई 2025 को समाप्त सप्ताह में भारत का स्वर्ण भंडार 879.58 टन था, जो बाद में बढ़कर 24 अप्रैल 2026 को समाप्त सप्ताह तक 880.52 टन हो गया। इसी तरह 20 मार्च 2026 को समाप्त सप्ताह में यह 880.34 टन था और 3 अप्रैल 2026 तक बढ़कर 880.52 टन पहुंच गया। इसके बाद से यह स्तर अपरिवर्तित बना हुआ है। हालांकि स्वर्ण भंडार की मात्रा में विशेष बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन इसकी कुल कीमत में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। पिछले एक वर्ष में विदेशी मुद्रा भंडार के हिस्से के रूप में रखे गए सोने का मूल्य लगभग 40 अरब डॉलर बढ़कर करीब 120 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इसका प्रमुख कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में लगातार आई तेजी है।

आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार भी मजबूत हुआ है। 2 मई 2025 को समाप्त सप्ताह की तुलना में 24 अप्रैल 2026 तक विदेशी मुद्रा भंडार में लगभग 80 अरब डॉलर की वृद्धि हुई और यह 658 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। आरबीआई ने लोगों से अपील की है कि इसतरह के मामलों में केवल उसकी ओर से जारी आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें। उल्लेखनीय है कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान आरबीआई ने स्पॉट विदेशी मुद्रा बाजार में शुद्ध रूप से 53.13 अरब डॉलर की बिक्री की थी, जो किसी भी वित्त वर्ष में अब तक की सबसे बड़ी नेट डॉलर सेल मानी जा रही है।

जी7 शिखर सम्मेलन में मोदी-ट्रंप मुलाकात की संभावना

नई दिल्ली। अगले सप्ताह होने वाले जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच मुलाकात की संभावना जताई जा रही है। फ्रांस की मेजबानी में 15 से 17 जून तक आयोजित होने वाले इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में दोनों नेताओं की उपस्थिति तय मानी जा रही है। ऐसे में दोनों नेताओं की मुलाकात से दोनों देशों के रिश्तों में छाई धुंध भी छंटने की उम्मीद जागी है। हालांकि अभी तक दोनों देशों की ओर से औपचारिक द्विपक्षीय बैठक की घोषणा नहीं की गई है।

कूटनीतिक सूत्रों के अनुसार भारत और अमेरिका सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं की मुलाकात की संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं। यदि यह बैठक होती है तो पिछले कुछ महीनों से दोनों देशों के संबंधों में दिखाई दे रही दूरी को कम करने की दिशा में इसे अहम कदम माना जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी की फ्रांस के राष्ट्रपति एम्मुएल मैक्रों सहित अन्य जी7 नेताओं के साथ भी अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें होने की संभावना है।

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की पिछली मुलाकात फरवरी 2025 में प्रधानमंत्री के अमेरिका दौरे के दौरान हुई थी। इसके बाद भारत-अमेरिका संबंधों में कुछ मुद्दों को लेकर मतभेद सामने आए। इनमें व्यापारिक नीतियां, भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद और भारत-पाकिस्तान संबंधों पर ट्रंप के कुछ बयान प्रमुख रहे। इन विषयों ने दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संवाद को प्रभावित किया था।

हालांकि हाल के दिनों में रिश्तों में सुधार के संकेत भी मिले हैं। पिछले महीने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की भारत यात्रा के दौरान उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को अमेरिका आने का निमंत्रण दिया था। इससे दोनों देशों के बीच संवाद बढ़ने और सहयोग को नई गति मिलने की संभावनाएं मजबूत हुई हैं। भारत ने अभी तक सार्वजनिक रूप से यह स्पष्ट नहीं किया है कि प्रधानमंत्री मोदी इस निमंत्रण को स्वीकार करेंगे या नहीं।

वर्तमान में भारत और अमेरिका एक व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए बातचीत कर रहे हैं। पिछले एक वर्ष से इस दिशा में लगातार चर्चा चल रही है। रक्षा, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और निवेश जैसे क्षेत्रों में भी दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने की कोशिशें जारी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जी7 सम्मेलन के दौरान मोदी और ट्रंप के बीच मुलाकात होती है तो यह केवल द्विपक्षीय संबंधों के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक और रणनीतिक मुद्दों पर सहयोग के लिहाज से भी महत्वपूर्ण होगी। इसके अलावा दिसंबर में फ्लोरिडा में प्रस्तावित जी20 शिखर सम्मेलन से पहले यह बैठक दोनों देशों की भविष्य की कूटनीतिक दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकती है।

सोनम वांगचुक कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थन में

नई दिल्ली । जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की मांगों और विचारधारा का समर्थन कर दिया है। उन्होंने घोषणा की है कि यदि 5 जून तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा नहीं दिया, तब वे 6 जून को जंतर-मंतर पर सीजेपी के प्रस्तावित प्रदर्शन में शामिल होऊंगा। वांगचुक ने वीडियो संदेश जारी कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उन्होंने सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके से बात की है और बातचीत के बाद उन्हें लगा कि दिपके की मंशा गलत नहीं है, बल्कि वे एक देशप्रेमी हैं और व्यवस्था में बदलाव चाहते हैं। दिपके, जो इस समय अमेरिका में हैं, उन्होंने भी 1 जून को सोशल मीडिया के माध्यम से 6 जून को दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन करने की घोषणा की थी। दिपके ने बताया है कि वे 6 जून को भारत लौटकर और एयरपोर्ट से सीधे पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन जाकर प्रदर्शन की इजाजत मांगूगा।

दिल्ली में आठवीं आर्थिक गणना की तैयारियां शुरू : आर्थिक विकास को मिलेगी नई दिशा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के कारोबारी और उद्यमशील परिदृश्य को बेहतर ढंग से समझने तथा एक नई, प्रगतिशील दिशा देने के उद्देश्य से दिल्ली सरकार ने आठवीं आर्थिक गणना की व्यापक तैयारियां शुरू की हैं। यह पहल शहर में संचालित विभिन्न व्यापार, व्यवसाय और उद्यमशील कृषि इकाइयों की सटीक और विस्तृत सूची तैयार करने पर केंद्रित है, जिससे राजधानी की आर्थिक नब्ज को और करीब से टटोला जा सके। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए दिल्ली सरकार के अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय को केंद्रीय नोडल एजेंसी नियुक्त किया है। योजना विभाग द्वारा जारी आदेशानुसार, दिल्ली के सभी 13 जिले आर्थिक गणना और संबंधित सांख्यिकीय गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए निदेशालय के अधीन उप-एजेंसी के रूप में कार्य कर रहे है। राजस्व विभाग के तहत जिला कार्यालयों में कार्यरत सांख्यिकी अधिकारी और सहायक निदेशालय द्वारा सौंपे गए आर्थिक गणना से संबंधित कार्यों का समन्वय और निरीक्षण होगा। इसके अतिरिक्त, एमसीडी और एनडीएमसी के स्कूल शिक्षक तथा अन्य सरकारी कर्मचारी भी व्यापक गणना अभियान में सहयोग करने वाले हैं, जिससे यह कार्य सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

आईएसआई-अंडरवर्ल्ड आतंकी नेटवर्क मामले में हुजैफा गिरफ्तार

महाराष्ट्र एटीएस और दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की संयुक्त कार्रवाई

मुंबई। संदिग्ध आतंकी नेटवर्क और अंडरवर्ल्ड कनेक्शन से जुड़े मामले की जांच में सुरक्षा एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) और दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने संयुक्त अभियान चलाकर हुजैफा नामक संदिग्ध को मुंबई से गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसियों का आरोप है कि वह पाकिस्तान में बैठे एक हैंडलर के संपर्क में था और आतंकी नेटवर्क से जुड़े लोगों के साथ उसके संबंधों की जांच की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, हुजैफा की गिरफ्तारी के लिए सुरक्षा एजेंसियां पिछले तीन दिनों से महाराष्ट्र के विभिन्न इलाकों में लगातार छापेमारी कर रही थीं। तकनीकी निगरानी और खुफिया सूचनाओं के आधार पर उसके ठिकाने का पता लगाया गया, जिसके बाद बुधवार को मुंबई में उसे हिरासत में ले लिया गया। जांचकर्ताओं का मानना है कि हुजैफा का संबंध भगोड़े अंडरवर्ल्ड सरगना दाऊद इब्राहिम के करीबी सहयोगी सैयद मुद्दसर हुसैन उर्फ मुन्ना झिंगड़ा से था। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार मुन्ना झिंगड़ा वर्तमान में पाकिस्तान में छिपा हुआ है और उस पर भारत में सक्रिय कुछ संदिग्ध आतंकी तत्वों को निर्देश देने का आरोप है। अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में पहले गिरफ्तार किए गए कई संदिग्धों के तार भी मुन्ना झिंगड़ा से जुड़े पाए गए थे। जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि हुजैफा की भूमिका केवल संपर्क सूत्र की थी या वह किसी बड़े नेटवर्क का सक्रिय हिस्सा था। सुरक्षा एजेंसियां अब उसके मोबाइल फोन, डिजिटल उपकरणों और संचार रिकॉर्ड की जांच कर रही हैं। अधिकारियों को उम्मीद है कि पूछताछ से पाकिस्तान स्थित नेटवर्क, फंडिंग चैनलों और अन्य संदिग्ध संपर्कों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। एटीएस और स्पेशल सेल के अधिकारी फिलहाल मामले के विभिन्न पहलुओं की जांच कर रहे हैं।

मानसून और अल नीनो की आशंका के चलते जिलास्तर पर लागू करें प्लान

-डब्ल्यूएमओ की चेतावनी के बाद केंद्र ने सभी राज्यों को जारी किए निर्देश

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विभाग के बाद विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने वैश्विक जलवायु को लेकर चेतावनी दी है। संयुक्त राष्ट्र की इस मौसम एजेंसी के मुताबिक प्रशांत महासागर में तेजी से गर्म हो रहे समुद्री जल के कारण जून से अगस्त के बीच अल नीनो बनने की आशंका 80फीसदी तक है। नवंबर तक इसके 90फीसदी या उससे ज्यादा बने रहने की आशंका है। अल नीनो आगे चलकर और मजबूत हो सकता है। इससे भारत समेत दुनियाभर में सूखा, बाढ़, समुद्री-स्थलीय हीटवेव और मौसम खतरनाक रूप ले सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कृषि मंत्रालय ने राज्यों और संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिया है कि सामान्य से कम मानसून और अल नीनो की आशंका को देखते हुए जिलास्तर पर प्लान लागू करें। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि साथ ही किसानों तक जल्दी जानकारी पहुंचाने के लिए डिजिटल और कॉल सेंटर सेवाओं को मजबूत करें। प्रशांत महासागर के भूमध्यरेखीय क्षेत्र में जब समुद्री हवाएं कमजोर पड़ती हैं, तो दक्षिण अमेरिकी तट का पानी असामान्य रूप से गर्म होने लगता है। समुद्र के पानी के गर्म होने को अल नीनो कहते हैं। यह वैश्विक हवाओं और बादलों के पैटर्न को बदलकर दुनियाभर के मौसम को तहस-नहस कर देता है। डब्ल्यूएमओ के मुताबिक अल नीनो के बावजूद भारत में मानसून बच सकता है, यदि ये दो सिस्टम एक्टिव रहें जिसमें इंडियन ओशन डायपोल- इसे हिंद महासागर का अल नीनो भी कहते हैं। यदि इसका फेज पॉजिटिव हो, तो यह अल नीनो के सूखे के प्रभाव को पूरी तरह खत्म कर भारत में अच्छी बारिश करा सकता है। दूसरा- मैडेन-जूलियन ऑस्सिलेशन- यह बादलों और हवाओं का एक वैश्विक चक्र है जो भूमध्य रेखा पर घूमता रहता है। जब यह भारत के ऊपर से गुजरता है, तो कमजोर मानसून में भी भारी बारिश का दौर लेकर आता है।

डब्ल्यूएमओ के वैज्ञानिकों के मुताबिक समुद्र की सतह के नीचे का पानी सामान्य से 6 डिग्री तक ज्यादा गर्म मिला है। यह चिंताजनक है। समुद्र में जमा यही अतिरिक्त ऊष्मा सतह को गर्म कर रही है, जिससे अलनीनो को रफ्तार मिल रही है। संगठन ने गंभीर सूखे की आशंका जताई है। उसने भारत समेत सभी प्रभावित देशों की सरकारों, कृषि, स्वास्थ्य, ऊर्जा विभागों को युद्ध स्तर पर तैयार रहने को कहा है। समय पर मिली सटीक चेतावनी और पूर्व-तैयारी से ही लाखों जानें बच सकती हैं। इससे पहले साल 2023-24 का अल नीनो इतिहास के पांच सबसे शक्तिशाली दौर में शामिल था, जिसने 2024 में वैश्विक तापमान के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे।

वीबीजीरामजी में बदलाव : अब हर पंचायत की जरूरत अनुसार होंगे विकास कार्य

नई दिल्ली। ग्रामीण विकास की दिशा में बड़ा बदलाव करते हुए केंद्र सरकार ने विकसित भारत रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (वीबीजीरामजी) के तहत पंचायतों के विकास की नई रूपरेखा तैयार की है। अब सभी पंचायतों में एक जैसे विकास कार्य कराने की बजाय उनकी वास्तविक जरूरत, संसाधन, भौगोलिक परिस्थितियों और विकास स्तर के आधार पर योजनाएं बनाई जाएंगी। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने इस संबंध में संशोधित गाइडलाइन राज्यों को भेज दी है और उनसे सुझाव भी मांगे हैं।

नई व्यवस्था को एक जुलाई से लागू करने का प्रस्ताव है। इसके तहत प्रत्येक पंचायत का विस्तृत आकलन कर उसे अलग-अलग श्रेणियों में रखा जाएगा। पंचायत की श्रेणी के आधार पर ही विकास कार्यों को मंजूरी दी जाएगी, जिससे संसाधनों का बेहतर उपयोग और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास सुनिश्चित किया जा सके।

तीन श्रेणियों में बांटी जाएंगी पंचायतें

नई गाइडलाइन के अनुसार पंचायतों को ए, बी और सी श्रेणी में वर्गीकृत किया जाएगा।

श्रेणी ए (पूर्ण विकसित पंचायतें) में वे गांव शामिल होंगे जहां सड़क, बिजली, पेयजल और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाएं पहले से उपलब्ध हैं। ऐसी पंचायतों में अब पारंपरिक निर्माण कार्यों की बजाय आजीविका बढ़ाने वाले स्थायी विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। स्वयं सहायता समूहों के लिए बाजार, कस्टम हायरिंग सेंटर और आधुनिक कचरा प्रबंधन जैसी परियोजनाओं पर विशेष जोर रहेगा।

आधारभूत सुविधाओं की कमी वाली पंचायतें

श्रेणी बी (विकासशील पंचायतें) में वे क्षेत्र आएंगे जहां पहले विकास कार्य हुए हैं, लेकिन अभी भी आधारभूत सुविधाओं की कमी, जल संकट और पलायन जैसी समस्याएं मौजूद हैं। इन क्षेत्रों में जल संरक्षण, ग्रामीण सड़क निर्माण और स्थानीय रोजगार सृजन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी ताकि इन्हें आगे चलकर विकसित श्रेणी में लाया जा सके।

अत्याधिक पिछड़े क्षेत्र वाली पंचायतें

श्रेणी सी (सबसे पिछड़ी पंचायतें) में जनजातीय, पहाड़ी और अत्याधिक पिछड़े क्षेत्र शामिल होंगे, जहां गरीबी, जल संकट और पलायन की समस्या गंभीर है। इन पंचायतों में चेकडैम निर्माण, भूमि सुधार, पौधरोपण और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण जैसे कार्य बड़े पैमाने पर किए जाएंगे। साथ ही ग्रामीणों को गांव में ही अधिक रोजगार उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

फंडिंग मॉडल में भी बदलाव

नई योजना में केवल कार्यों की प्राथमिकताएं ही नहीं बदलेंगी, बल्कि वित्तीय व्यवस्था में भी महत्वपूर्ण बदलाव होगा। पहले की व्यवस्था में अधिकांश वित्तीय भार केंद्र सरकार उठाती थी, जबकि वीबीजीरामजी के तहत केंद्र और राज्य सरकारें 60:40 के अनुपात में खर्च साझा करेंगी। यानी राज्यों को भी कुल लागत का 40 प्रतिशत हिस्सा वहन करना होगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस बदलाव से पंचायतों को स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाएं बनाने के लिए प्रेरणा मिलेगी और विकास कार्यों की प्रभावशीलता बढ़ेगी। अब पंचायतों को केवल रोजगार सृजन के उद्देश्य से प्रस्ताव भेजने के बजाय अपनी वास्तविक जरूरतों और दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों को ध्यान में रखकर कार्ययोजना तैयार करनी होगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में संसाधनों के बेहतर उपयोग और संतुलित विकास का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद है।

6 जून को भारत आ रहा हूं, एयरपोर्ट पर मिलो, हो सकता हूं गिरफ्तार

नई दिल्ली। मुझसे एयरपोर्ट पर मिलो ये मैसेज कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने अपने समर्थकों को भेजा। अभिजीत दीपके 6 जून को अमेरिका से लौटने वाले हैं। भारत आने से पहले उन्होंने दावा किया कि उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है। दीपके ने दिल्ली के जंतर मंतर पर प्रदर्शन का ऐलान किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से बार-बार परीक्षाओं में पेपर लीक के मामले सामने आ रहे, इस विफलता के कारण शिक्षा मंत्री प्रधान को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अभिजीत दीपके ने कहा कि वो शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। इसी को लेकर उन्होंने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का फैसला लिया है। उन्होंने ये भी कहा कि ये विरोध प्रदर्शन अहिंसक और संवैधानिक होगा। दीपके ने कहा कि 6 जून को एयरपोर्ट पर उतरने के बाद वह पैदल चलकर पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन जाएंगे। यहां वह जंतर-मंतर में विरोध प्रदर्शन को लेकर औपचारिक रूप से अनुमति मांगेंगे। उन्होंने अमेरिका से कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि उनके लौटने पर इसके कुछ परिणाम होंगे। हालांकि, उन्हें वापस आने का भी पूरा यकीन है। लेकिन वे आशावादी भी बने हुए हैं।

उन्होंने कहा कि बहुत से ऐसे लोग हैं जिन्होंने अपना समर्थन दिया है और कहा है कि वे इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे। यह विरोध प्रदर्शन कई परीक्षा विवादों के बीच हो रहा है।

भरवेली पंचायत में तख्तापलट पर फैसला आज ?

सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर होगा मतदान, 20 में से,19 पंच, सरपंच के खिलाफ जाता चुके हैं अविश्वास, तख्तापलट के लिए चाहिए 16 मत,विपक्ष के पास 18, अंडरग्राउंड हुए दोनों पक्ष, अपने-अपने समर्थकों को लेकर आज पहुंचेंगे पंचायत भवन,चुनाव में लेंगे हिस्सा

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिला मुख्यालय से महज 5 किमी दूर ग्राम पंचायत भरवेली में बुलाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर आज अँतिम मोहर लग जाएगी।जहां आज सरपंच के खिलाफ बुलाए गए अविश्वास प्रस्ताव के लिए प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में पंचों के बीच मतदान कराया जाएगा।जहां मतदान सम्पन्न कराकर इस प्रकिया को गोपनीय रख मतदान के सील बंद दस्तावेज अनुविभागीय अधिकारी गोपाल सोनी को प्रस्तुत किए जाएंगे।जहां से भरवेली पंचायत में सरपंच पर विश्वास और अविश्वास पर फैसला होगा।यदि सरपंच के खिलाफ अविश्वास पर अधिक मत पड़ते है।तो पंचायत में तख्तापलट हो जाएगा।उधर सरपंच के पक्ष में अधिक मत पड़ने पर, सरपंच की कुर्सी बरकरार रहेगी।यदि वर्तमान आंकड़ो पर गौर किया जाए तो उपसपंच राजेंश बाहेश्वर के साथ 19 पंचो ने सरपंच के खिलाफ अविश्वास जताते हुए,सरपंच श्रीमती गीता अनिल बिसेन को पद से हटाने की मांग की है।अविश्वास के लिए उपसरपंच को 16 पंचो के मतों की जरूरत है।जबकि वर्तमान में उपसरपंच सहित 18 पंच अडंर ग्राउंड है।उधर नियमानुसार सरपंच श्रीमती गीता बिसेन को महज 04 पंचो के मतों की आवश्यकता है।जबकि उनके पास स्वयं को मिलाकर वर्तमान समय में 3 पंच है।इस हिसाब से सरपंच गीता बिसेन का पक्ष इस बार कमजोर नजर आ रहा है।लेकिन यदि पक्ष- विपक्ष के बीच क्रास वोटिंग हुई तो समीकरण बदल जाएगा।जिसका डर दोनो पक्षों को सता रहा है।

दोनों पक्ष अंडरग्राउंड, आज मतदान करने पहुंचेंगे पंचायत

भरवेली पंचायत में तख्तापलट की कोशिशें के बीच एसडीएम कार्यालय में अविश्वास जताने के बाद से ही पक्ष और विपक्ष के सभी पंच अंडरग्राउंड हो गए है।जहां सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का आह्वान करने वाले उपसरपंच राजेश बाहेश्वर के साथ 18 पंचों की फौज अंडरग्राउंड हो चुकी है।तो वही सरपंच श्रीमती गीता अनिल बिसेन के 03 पंच भी उनके साथ अंडरग्राउंड है।हालांकि यह पंच कहां पर है फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है लेकिन सूत्र बताते हैं कि उप सरपंच राजेश बाहेश्वर के साथ 18 पंच किसी रिसोर्ट में ठहरे हुए हैं।जहां पक्ष विपक्ष के दोनों पंच आज मतदान प्रक्रिया में भाग लेने के लिए सुबहा 11 बजे पंचायत भवन पहुंचेंगे।जहां मतदान के बाद ही तख्तापलट की स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

दोनों पक्षों को सता रहा क्रॉस वोटिंग का डर

भरवेली पंचायत में सरपंच की कुर्सी के लिए चल रही उठा पटक के बीच आज 4 जून को पक्ष विपक्ष के बीच सत्ता के लिए मतदान होना है।जहां मतदान को लेकर भरवेली की राजनीति गरमा गई है और लोग अपने-अपने तर्क वितर्क के घोड़े दौड़ा रहे हैं।उधर सत्ता पाने और सत्ता में बने रहने के लिए पक्ष और विपक्ष दोनों को क्रॉस वोटिंग का डर भी सता रहा है। क्योंकि क्रॉस वोटिंग होने पर पक्ष और विपक्ष दोनों के समीकरण बिगड़ जाएंगे।जिससे नतीजो पर भारी असर पड़ेगा।

सेंधमारी में जुटे दोनो गुट

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अपने अपने दावों पर खरा उतरने के लिए दोनों ही पक्ष एक दूसरे के गुटों में सेंधमारी की कोशिश में लगे हुए हैं और अपने विश्वासपात्र ग्रामीण को अंडरग्राउंड हुए पंचों के घर पहुंचाकर उनके परिजनों से संपर्क करने का प्रयास भी कर रहे हैं। वही दोनों पक्ष अपने-अपने पक्ष को मजबूत बताकर इस चुनाव में जरूरत से अधिक मत मिलने का दावा भी कर रहे हैं।अब देखना यह दिलचस्प रहेगा की दोनों ही पक्षों द्वारा किए जा रहे इन दावों में कितनी सच्चाई है और वह अपने-अपने पक्ष में कितने पंचों को साधने में कामयाब हो पाते हैं।

निर्वाचन अधिकारी तहसीलदार की निगरानी में होगा मतदान

भरवेली पंचायत में सरपंच के खिलाफ बुलाए गए अविश्वास प्रस्ताव के लिये प्राप्त आवेदन के तहत सम्मेलन की तारीख 4 जून नियत की गई है। इस तारीख में सम्मेलन कराया जायेगा। जिसको लेकर सभी को नोटिस जारी कर विधिवत सूचना दी जा चुकी है।उधर इस चुनाव को सम्पन्न कराने के लिए मतदान दल का भी गठन किया जा चुका है।जहां तहसीलदार बालाघाट श्री वर्मा को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त कर उनकी निगरानी में भरवेली के पंचायत भवन में बुलाए गए सम्मेलन में मतदान की प्रकिया अपनाई जाएगी।जहा पंचायत राज्य अधिनियम के तहत चुनाव सम्पन्न कराकर मतदान की इस प्रकिया को सीलबंद कर एसडीएम के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। जहां से सरपंच की कुर्सी का फैसला होगा।जानकारी के अनुसार इस प्रकिया को पूर्ण करने के लिए निर्वाचन अधिकारी के तौर पर बालाघाट तहसीलदार श्री वर्मा,आब्जर्वर पीएसीन अधिकारी सुरेश श्रीवास्तरी, पंचायत सचिव और उनकी टीम ने इस मतदान को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली है।

फिलहाल सरपंच का पक्ष कमजोर

भरवेली पंचायत में सत्ता के लिए गुरुवार सुबह 11 बजे होने वाले इस मतदान का निर्णय किसके पक्ष में जाएगा फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है। लेकिन दोनों ही पक्षों पर यदि गौर किया जाए तो फिलहाल सरपंच श्रीमती गीता अनिल बिसेन का पक्ष कमजोर नजर आ रहा है।जानकारी के अनुसार पंचायत एंव स्वराज अधिनियम के तहत सरपंच पद पर बने रहने के लिए उन्हें स्वयं को मिलाकर 4 मत की आवश्यकता है।जो सरपंच श्रीमती गीता बिसेन के पास नहीं है।21 पंचो वाली ग्राम पंचायत भरवेली में आंकड़ों पर यदि गौर किया जाए तो बहुमत साबित करने के लिए सरपंच को 4 मतों की आवश्यकता है।जिसमें उनका मत भी शामिल है। जबकि उनके पास स्वयं को लेकर महज 3 पंचों का समर्थन होने की बात कही जा रही है। जो सत्ता पक्ष में बने रहने के लिए काफी नहीं है।जबकि उपसरपंच राजेश बाहेश्वर को 16 पंचों के मत की आवश्यकता है,जबकि उनके पास वर्तमान में 18 पंच है।

उपसरपंच को चाहिए 16 मत ,पास में है 18 पंच

उधर सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सरपंच के खिलाफ बुलाए गए इस अविश्वास प्रस्ताव को पास कराने के लिए उप सरपंच राजेश बाहेश्वर को कुल 16 मतों की आवश्यकता है।जिसमें से 18 पंच उनके साथ में है।जबकि पहले 19 पंचों ने सरपंच के खिलाफ अविश्वास जताया था।इस तरह उपसरपंच के पास 18 पंचो का मत होने की बात कही जा रही है। जबकि बहुमत के लिए उन्हें 16 पंचों का मत चाहिए।ऐसे में अहम सवाल यही हैं कि क्या भरवेली सरपंच के खिलाफ अविश्वास पारित हो जायेगा या नहीं ? जिस तरह से जानकारी सामने आ रही है उसके अनुसार फिलहाल में स्थिति सरपंच के अनुकुल नही दिख रही है। लेकिन जब तक सम्मेलन ना हो जाये किसी तरह के कयास नही लगाये जा सकते है।

नियमों के तहत अविश्वास प्रस्ताव पर होगी कार्यवाही-गोपाल सोनी

अनु विभागीय अधिकारी एसडीएम गोपाल सोनी ने बताया कि मप्र पंचायती राज्य अधिनियम की धारा 21 के तहत विधिवत प्रारूप 3 में ग्राम पंचायत भरवेली सरपंच के विरुद्ध 19 पंचों ने अविश्वास प्रस्ताव का लिखित आवेदन दिया था।शासन के नियम स्पष्ट है कि अगर एक तिहाई से अधिक पंच, किसी सरपंच के खिलाफ अविश्वास जताते हैं तो हमें सिर्फ सम्मेलन की तारीख, समय और स्थान तय करना होता है, जो हमने कर दिया है।उस कार्यवाही के परिपेक्ष में 4 जून की तारीख तय कर सम्मेलन बुलाने का निर्णय लिया है।तहसीलदार बालाघाट को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है।कल (गुरुवार) को भरवेली पंचायत में उपस्थित होकर सम्मेलन कराया जाएगा। जिसमें सरपंच ,उपसरपंच सहित सभी पंच उपस्थित रहेंगे।जहां मप्र पंचायती राज्य अधिनियम के तहत उक्त अविश्वास प्रस्ताव की कार्यवाही पूर्ण की जाएगी।

माइंस से रिटायर्ड कर्मचारी का खेत के कुए में मिला शव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले वार्ड 10 निवासी एक वृद्ध की कुएं के पानी में डूबने से मौत हो गई।मृतक का नाम ग्राम भरवेली वार्ड नं 10 निवासी 71 वर्षीय बिसन पिता गणेश ठवरे बताया गया है जो माइंस से रिटायरमेंट हो चुके और रोजाना घूमने के लिए घर से निकल जाते थे।जिनका शव स्थानीय कुए से बरामद किया गया है।हालांकि वह कुए में कैसे गिर गए फिलहाल यह स्पष्ठ नही हो पाया है।लेकिन शराब के नशे में या चक्कर आने के कारण वो कुए में गिर गए होंगे जहा के पानी मे डूबने से उनकी मौत हो गई होंगी ऐसी आशंकाएं जताई जा रही है।जिनके शव का बुधवार को जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर, भरवेली पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बुजुर्ग बिसन ठवरे मंगलवार की दोपहर करीब एक से 1:30 बजे घर से निकले थे, लेकिन शाम तक वे घर नही आए।परिजनों को जानकारी लगी की खेत में बने कुएं में उनका शव उतराता हुआ देखा गया है।मामले की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुँचे, जिसकी सूचना उन्होंने तत्काल पुलिस को दी,उधर सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके स्थल पर पहुंच कर शव बरामद कर पंचनामा व आवश्यक कार्यवाही की, लेकिन देर शाम होने के कारण शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका। वहीं बुधवार को जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है।वहीं मामले में मर्ग कायम कर भरवेली पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

आवश्यकता है
पेट्रोल पंप में काम करने हेतु युवक/युवती की आवश्यकता है युवतियों को विशेष प्राथमिकता
युवक-५ पद, युवती ५ पद, मेनेजर २ पद
वेतनमान-योग्यता अनुसार
-सम्पर्क करें-
रूसिया फ्यूल बालाघाट रोड़ , अभिषेक पेट्रोलियम चंदोरी कटंगी रोड़ वारासिवनी
मों.नं.6260987149, 7974436365, 9822219741, 9713298484

आवश्यकता है
कम्प्युटर ऑपरेटर की आवश्यकता है
संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल
काली पुतली चौक, बालाघाट

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बद्ध
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHI
• कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
• माईनिंग इंजीनियरिंग
• सिविल इंजीनियरिंग
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग
• इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, नि:संतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट